शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 15 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-312

बिहार में राजग को प्रचंड बहुमत, महागठबंधन का सूपड़ा साफ

बिहार में राजग 200 के पार, भाजपा बनी सबसे बड़ी पार्टी : जदयू को 85 सीटें, प्रशांत किशोर की जन सुराज का नहीं खुला खाता

राजग 202					महागठबंधन 35					अन्य 06	
JDU	BJP	LJPR	HAM	RLM	RJD	INC	VIP	LEFT	IIP	AIMIM	BSP
85	89	19	05	04	25	06	0	03	1	5	1

पटना, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने तीन चौथाई से भी बड़े बहुमत के साथ राज्य के चुनावी इतिहास में अभूतपूर्व तथा अप्रत्याशित जीत दर्ज की है और विपक्षी महागठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है।

कुल 243 सदस्यीय विधान सभा के चुनाव की शुक्रवार को हुई मतगणना में अब तक प्राप्त नतीजों और रुझानों में राजग को 202 और महागठबंधन को 35 सीटें मिलने जा रही हैं जबकि छह सीटों पर अन्य उम्मीदवार विजय हुए हैं। बिहार में पहली बार चुनावी मैदान में उतरी जनसुराज का खाता भी नहीं खुल पाया है।

राज्य के मतदाताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध और मवोट चोरीफ के विपक्ष के आरोपों को नकारने के साथ-साथ महागठबंधन के प्रत्येक परिवार को एक सरकारी नौकरी देने के लुभावने वादे भी नजरंदाज किया । बिहार की जनता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जोड़ी के नेतृत्व पर पुन: भरोसा जताया है और उनके सुशासन और विकास के वादों को तरजीह दी है। माना जा रहा है कि चुनाव से ठीक पहले महिलाओं को दस-दस हजार रुपये की राशि की योजना ने राजग को अप्रत्याशित जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राज्य में राजग के करीब 20 वर्ष के लंबे शासन के बावजूद मतदाताओं में सत्ता विरोधी लहर नहीं थी और नीतीश सरकार के चुनाव लड़ रहे ज्यादातर मंत्री अच्छे अंतर से जीते हैं।

राज्य में सबसे अधिक 143 सीटों पर लड़ने वाली राजद को परिणामों से भारी झटका लगा है। पिछले चुनाव में वह 75 सीटों के साथ विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। पिछले चुनाव में 19 सीटें हासिल करने वाली कांग्रेस को भी इस बार कड़ी शिकस्त मिली है।

राजग में 101-101 सीटों पर लड़ने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सबसे अधिक 89 सीटें और जनता दल यू को 85 सीटें मिल रही हैं। गठबंधन के अन्य घटक दलों में 29 सीटों पर लड़ने वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 19 और हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा को पांच तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा को चार सीटें मिली हैं। महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को 25 , कांग्रेस को छह , भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा- माले) को दो और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को एक सीट मिल रही है।

इसके अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को पांच और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को एक सीट पर सफलता मिलती नजर आ रही है। राजद सुप्रिमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को हार का सामना करना पड़ा है जिन्हें चुनाव से कुछ ही समय पूर्व राजद और परिवार से अलग-थलग कर दिया गया था। उन्होंने अपनी नई पार्टी मजनशक्ति जनता दलफ बनाकर चुनाव लड़ा था।

महागठबंधन ने राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था लेकिन इस बार अपनी सीट पर उनकी जीत का अंतर पिछली बार की तुलना में आधे से कम रहा। गठबंधन के उप मुख्यमंत्री पद के चेहरे मुकेश सहनी की पार्टी अपना खाता खोलने में भी नाकाम रही।

चुनाव परिणामों ने राजनीतिक पंडितों और चुनाव विश्लेषकों के सभी आकलनों को बहुत पीछे छोड़ दिया। सभी एग्जिट पोल यद्धपि राजग की जीत का अनुमान लगा रहे थे लेकिन किसी ने भी इस तरह के परिणामों का अनुमान नहीं लगाया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को सुशासन, विकास, जन-कल्याण की भावना और सामाजिक न्याय की जीत बताते हुए कहा है कि यह प्रचंड जीत गठबंधन को नये संकल्प के साथ जनता की सेवा करने की शक्ति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस प्रचंड जीत के लिये प्रदेश के लोगों को धन्यवाद दिया है और कहा है कि ▶10पर

बिहार में वंशवाद के विरुद्ध विकासवाद की जीत हुई, जंगलराज का रास्ता बंद हुआ : मोदी

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री ने बिहार विधान सभा चुनाव में सत्तारुढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की अभूतपूर्व जीत को मवंशवाद के विरुद्ध विकासवाद की राजनीति की जीतफ बताते हुए शुक्रवार को कहा कि बिहार की इस जीत ने राजग के लिए पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत का रास्ता खोल दिया है।

श्री मोदी ने कहा कि बिहार के मतदाताओं ने जो जनादेश दिया है उसमें यह संकेत दिया है कि वहां अब मकभी जंगल राज की वापसी नहीं होगी। उन्होंने इसे देश में विकास के एजेंडा की राजनीति की मजबूती का प्रमाण बताया।

बिहार चुनाव की सफलता की खुशी में शुक्रवार शाम राजधानी में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय पर जमा पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ने कहा, मनई सरकार के साथ एनडीए अब बिहार में 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा की ओर आगे बढ़ रहा है। बिहार ने ये सुनिश्चित किया है कि बिहार की महान भूमि पर फिर कभी जंगलराज की वापसी नहीं होने वाली है।श्री मोदी ने कहा , म आज की यह जीत बिहार के उन बहनों, बेटियों की है, जिन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज में जंगलराज का आतंक झेला है। यह जीत, बिहार के उस नौजवान की है, जिसके भविष्य को कांग्रेस और लाल झंडे वालों के आतंक के कारण बर्बाद किया गया। ▶10पर

पीएम मोदी के सहयोग के लिए नमन

सबके सहयोग से बिहार और आगे बढ़ेगा : नीतीश कुमार

पटना, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों में राजग को मिले भारी बहुमत के बाद मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को राज्य की जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिहार के मतदाताओं ने सरकार पर भरोसा जताते हुए बड़ा जनादेश दिया है, जिसके लिए वह सभी सम्मानित मतदाताओं को नमन और धन्यवाद करते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी चुनाव के दौरान मिले सहयोग के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा, बिहार विधान सभा चुनाव-2025 में राज्यवासियों ने हमें भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। इसके लिए राज्य के सभी सम्मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनसे मिले ▶10पर

आठ विधानसभा उप-चुनावों : कांग्रेस, भाजपा दो-दो, आपा-झामुमो-पीडीपी और मिजो नेशनल फ्रंट को एक-एक सीट पर मिली जीत

नयी दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। देश के सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस, भाजपा को दो, आम आदमी पार्टी (आप), जम्मू-कश्मीर पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और मिजो नेशनल फ्रंट को एक-एक सीट पर जीत हासिल हुयी है। ये उपचुनाव तेलंगाना की जुबली हिल्स, राजस्थान की अंता, पंजाब की तरनतारन, झारखंड की घाटशिला, ओडिशा की नौपाड़ा, मिजोरम की डम्पा तथा जम्मू-कश्मीर की नगरोटा एवं बडगाम सीट पर हुए थे।

इनमें कांग्रेस को जुबली हिल्स और अंता सीटों पर जीत हासिल हुयी, जबकि भाजपा को नगरोटा और नौपाड़ा सीट पर विजय मिली। घाटशिला से झामुमो, बडगाम से जम्मू-कश्मीर पीडीपी, तरनतारन से आम आदमी पार्टी और डम्पा सीट से मिजो नेशनल फ्रंट को जीत मिली है।

कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उम्मीदवार मगंती सुनीता को 24,729 मतों के अंतर से हराया। नवीन यादव वी (कांग्रेस) को 98,988 मत, मगंती सुनीता गोपीनाथ (बीआरएस) को 74,259 मत और लंकाला दीपक रेड्डी (भाजपा) को 17,061 मत मिले।

राजस्थान की अंता सीट पर कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया को 69, 571 वोट मिले। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के मोरपाल सुमन को 15,612 मतों से पराजित किया। सुमन को 53,959 वोट मिले।

झारखंड के घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी सोमेश सोरेन ने बड़ी जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 104794 वोट मिले, जबकि भाजपा के बाबूलाल सोरेन 66270 मत ही हासिल कर सके। सोमेश सोरेन 38524 वोट के अंतर से जीत हासिल की, वहीं 11542 वोट लाकर जेएलकेएम के रामदास मुर्मू तीसरे नंबर पर रहे।

झामुमो नेताओं ने इसे जनसमर्थन की बड़ी जीत

बताया है और कहा है कि यह जनता का भरोसा है जो संगठन और उम्मीदवार दोनों के पक्ष में गया।

ओडिशा की नौपाड़ा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जय ढोलकिया अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी घासी राम माझी को 83748 मतों से हराया। जय ढोलकिया को123869 मत मिले, तो कांग्रेस प्रत्याशी को 40121 मत प्राप्त हुए, जबकि बीजू जनता दल की उम्मीदवार स्नेहांगिनी छुरिया तीसरे स्थान पर रहीं और उन्हें 38408 मत मिले।

मिजोरम में डंपा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में मिजो नेशनल फ्रंट के डॉ आर ललथांगलियाना ने अपने निकटतम उम्मीदवार जोराम पीपुल्स मूवमेंट के वनलालसेलोबो को 562 मतों से पराजित कर दिया।

श्री ललथांगलियाना को 6981 वोट मिले, जबकि श्री वनलालसेलोबो को 6419 मतों से संतोष करना पड़ा। कांग्रेस के जॉन रोतलुआंगलियाना को 2394 मत मिले और भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी लालहमिंगथांगा चौथे स्थान पर रहे। भाजपा प्रत्याशी को महज 1541 मत ही मिल सके।पंजाब में तरनतारन विधानसभा सीट के उपचुनाव में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हरमीत सिंह संधू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी शिरोमणि अकाली दल की प्रत्याशी सुखविंदर कौर को 12091 मतों से हरा कर सीट को बरकरार रखी।श्री संधू को 42649 को मत मिले, जबकि शिरोमणि अकाली दल की प्रत्याशी सुखविंदर कौर को कुल 30558 वोट मिले। डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह की पार्टी मवारिस पंजाब देफ के उम्मीदवार मनदीप सिंह खालसा 19620 मत प्राप्त कर 23029 मतों के अंतर से तीसरे स्थान पर रहे।कांग्रेस के उम्मीदवार करणवीर सिंह 15078 मत प्राप्त कर 27561 मतों के अंतर से चौथे स्थान पर रहे, जबकि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार हरजीत सिंह संधू 6239 प्राप्त कर पांचवें स्थान पर रहे। उन्हे कुल 6239 मत प्राप्त हुए हैं। कश्मीर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) को बड़ा झटका देते हुए ▶10पर

दिल्ली ब्लास्ट मॉड्यूल का मास्टरमाइंड कश्मीरी डॉक्टर राठर अफगानिस्तान भागा

हजारों किलो विस्फोटक से 1993 के बाद का सबसे बड़ा हमला करने की थी साज़िश

नई दिल्ली , 14 नवम्बर (एजेंसियां)। खुफिया एजेंसियों ने खुलासा किया है कि भारत में 1993 के बाद का सबसे बड़ा आतंकी हमला करने की साजिश रचने वाले कश्मीर-आधारित मॉड्यूल का एक अहम सदस्य, पीडियाट्रिशन मुजफ्फर अहमद राठर, अगस्त में अफगानिस्तान भाग गया।

कार्टून कॉर्नर

रिपोर्ट के अनुसार, मुजफ्फर को अफगानिस्तान में मौजूद जिहादियों और कश्मीर के सेल के बीच आईईडी बनाने तथा हमले की तकनीक साझा करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

देश छोड़ने से पहले श्रीनगर में रहने वाला मुजफ्फर, सहारनपुर से गिरफ्तार किए गए इस मॉड्यूल के कमांडर डॉक्टर अदील अहमद राठर का बड़ा भाई है। अदील के लॉकर से

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कलाश्निकोव राइफल और गोलियाँ बरामद की हैं। यह जाँच हरियाणा के अल-फलाह अस्पताल से जुड़े डॉक्टरों की संदिग्ध गतिविधियों के बाद शुरू हुई थी।

डॉ उमर उन नबी जिस कार में हुए विस्फोट में मारा गया, उसने मॉड्यूल की योजना का बड़ा हिस्सा उजागर कर दिया। ये वही विस्फोट है जिसने दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास 13 लोगों की जान ली।

जानकारी के मुताबिक, अफगानिस्तान भागने से पहले मुजफ्फर पहले दुबई गया था और अपने परिवार से कहा था कि वह एक सच्चे इस्लामी समाज की सेवा करना चाहता है। एजेंसियों ने यह भी बताया कि मुजफ्फर, प्रोफेसर मुजम्मिल गनी और उमर उन नबी ने मार्च 2022 में तुर्की के रास्ते अफगानिस्तान जाकर सैन्य प्रशिक्षण लेने की कोशिश की थी, जो असफल रही। यह नाकामी उनके लिए एक मनोवैज्ञानिक मोड़ साबित हुई, जिसने घरेलू जिहाद की दिशा में धकेला।जाँच में सामने आया है कि श्रीनगर के मौलवी इरफान अहमद ने इन डॉक्टरों को अफगानिस्तान के कुनार इलाके के जिहादी कमांडरों से मिलवाया था। उसने नदीम मुज़फ्फर द्वारा छिपाए गए हथियार भी उपलब्ध कराए। नदीम अल-कायदा के कश्मीरी विंग अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़ा था। ▶10पर

चेन्नई में बड़ा हादसा : भारतीय वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

चेन्नई, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। चेन्नई के तांबरम के पास एक भारतीय वायुसेना का प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वायुसेना का पीसी-7 एमके 2 (पिलाटस पीसी-7) हादसे का शिकार हुआ है। घटना नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान हुई। इस हादसे में पायलट की जान बच गई है। किसी भी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। न्यूज एजेंसी ने दुर्घटना वाली जगह का वीडियो जारी किया है। इसमें दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा जमीन पर बिखरा हुआ दिखाई दे रहा है। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोग जमा हो गए। घटना की पुष्टि करते हुए भारतीय वायुसेना ने भी बयान जारी किया है। भारतीय वायुसेना ने बयान में कहा, मदुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और जान-माल के किसी नुकसान की सूचना नहीं है।

आईएएफ ने एक्स पर साझा करते हुए लिखा, मभारतीय वायु सेना का एक पीसी-7 एमके 2 प्रशिक्षण विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

लगभग 1425 बजे चेन्नई के तांबरम के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया। नागरिक संपत्ति को किसी नुकसान की सूचना नहीं है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की गई है।

अहंकार मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थित लूणावत निवास में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनी साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपासना ने कहा कि अहंकार जीवन प्रगति का सबसे बड़ा अवरोध है। अहंकार के वशीभूत होकर चलने वाला मनुष्य प्रायः पतन की राह पर बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में अभिमान ऐसा विकार है जो न केवल रिश्तों में दरार डालता है बल्कि जीवन की दिशा भी भटका देता है। साध्वी उपासना ने रावण का उदाहरण देते हुए कहा कि रावण की विद्वता, शक्ति और बुद्धि अद्वितीय थी, परंतु अहंकार ने उसकी बुद्धि को उलट कर दिया। हित-अहित का विवेक नष्ट हो गया और वही

अहंकार उसके विनाश का कारण बना। उन्होंने आगे कहा कि वाणी में मधुरता और व्यवहार में विनम्रता रिश्तों को दृढ़ बनाती है, जबकि अहंकार व्यक्ति के जीवन में विनाश का कारण बन जाता है। जिसकी गति जितनी तीव्र होती है, उसका पतन उतना ही शीघ्र होता है। साधना में सफलता के लिए अभिमान का त्याग और विनम्रता का अंगीकरण अत्यंत आवश्यक है। सभा के अंत में साध्वी नंदिनी ने कहा कि जिस घर में विश्वास, प्रेम और शांति का वास हो, वही घर वास्तविक रूप से स्वर्ग कहलाता है। जहां राग-द्वेष, कलह और अशांति नहीं, बल्कि सम्मान और सौहार्द का वातावरण हो, वही सच्चा घर है। साधना-आराधना तभी सार्थक होती है, जब घर में शांति और प्रेम का भाव हो। सभा के समापन पर साध्वी निर्मला ने मंगलपाठ प्रदान किया। इस मौके पर पारसमल लोढ़ा, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, उत्तमचंद कांटेड, विनोद डांगी, चेतन रेदासनी, समरथमल कोठारी, कमलकिशोर लूणावत, गौतम गन्ना, शीतल लूणावत, राकेश लोढ़ा, अमित डांगी, त्रिशला बहु मंडल अध्यक्ष नीतू लुंकड़, सह मंत्री ममता बागरेचा, ब्राह्मी कन्या मंडल अध्यक्ष नेहा लूणावत व अन्य उपस्थित रहे। उगमराज कमलकिशोर लूणावत परिवार की ओर से सभी का स्वागत किया गया। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने लूणावत परिवार की अनुमोदना करते हुए उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया तथा आगामी विहार की जानकारी भी प्रदान की।

ईर्ष्या और झूठी प्रशंसा आत्मघाती होती है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विनयमुनि जी खींचन ने कहा कि ईर्ष्या और झूठी प्रशंसा आत्मघाती होती हैं। द्वेष से ईर्ष्या पनपती है और स्वार्थ झूठी प्रशंसा कराता है। आज संघ समाज और घर परिवार में ईर्ष्या दोष बढ़ रहा है और इसी कारण आपसी दूरियां और खींचतान बढ़ रही है। भगवान महावीर के दीक्षा कल्याणक प्रसंग पर प्रवचन करते हुए विनयमुनि जी ने कहा कि यह भव भ्रमण एक रण है। यहां खुद का खुद से संघर्ष है। मन कदम कदम पर भ्रमित करता है और संसार की ओर घसीटता है।

संसार के आकर्षण ऐसे लुभावने है कि हम धर्म क्रिया के फल का भी सौदा कर लेते हैं। आज क्रियाएं बढ़ रही हैं किंतु अंदर के भाव में अध्यात्म नहीं आ रहा है। शरीर बाहर से कितना भी मोटा हो, महत्व तो आंतरिक शक्ति का होता है। मुक्ति के लिए अंतरशुद्धि आवश्यक है। मुनि ने कहा कि हमे भटकाने में हमारी झूठी प्रशंसा भी एक कारण है। प्रशंसा कर्ण प्रिय होती है, लेकिन यह हमे डूबा भी देती है। हम किसी की अनावश्यक प्रशंसा से बचे। शब्दों का सही और सार्थक उपयोग करें।

स्वार्थ हमे शब्दों में अलंकार के लिए उकसाता है। ऐसे अलंकार व्यवस्था के लिए अनुचित है और सही व्यक्ति से हम वंचित रह जाते हैं। अलसूर संघ की ओर से मंत्री अभय कुमार बांठिया ने महावीर दीक्षा कल्याणक पर कहा कि आज ही से महावीर की स्वयं पर शोध की यात्रा प्रारंभ हुई थी जो जिनवाणी के रूप में हमे मिली है। संघ उपाध्यक्ष उत्तमचंद तातेड ने अतिथियों का स्वागत किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पीस ऑटो एवं आदर्श ऑटो चालक संघ के संयुक्त तत्वावधान में जयनगर स्थित शालिनी खेल मैदान में आयोजित कर्नाटका राज्योत्सव कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने विशेष ट्रेनों से राजस्व में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2025-26) के दौरान अपने विशेष ट्रेन संचालन में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है। पिछले वर्ष की इसी अवधि (वित्त वर्ष 2024-25) की तुलना में वास्तविक कमाई में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रैल और अक्टूबर 2025 के बीच, दपरे ने बढ़ी हुई यात्रा मांग को पूरा करने के लिए 355 विशेष ट्रेनें चलाईं, जिनसे कुल 171.47 करोड़ की कमाई हुई। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान संचालित 351 विशेष ट्रेनों से अर्जित 138.83 करोड़ से उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। 32.64 करोड़ की वृद्धि, जो विशेष ट्रेन

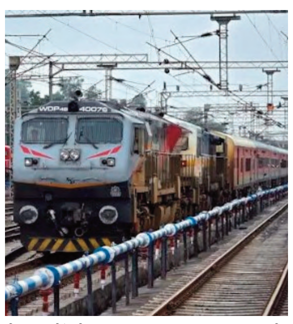

सेवाओं के प्रभावी अनुकूलन को दर्शाती है। इस अवधि के दौरान, 19.55 लाख यात्रियों ने इन सेवाओं का लाभ उठाया, 114 प्रतिशत की बुकिंग दर 17.15 लाख की निर्धारित बर्थ क्षमता से परे उपयोग को दर्शाती है, जबकि 106.34 प्रतिशत की कमाई दक्षता 161.26 करोड़ की कमाई क्षमता को पार कर गई - उत्कृष्ट परिचालन दक्षता और यात्री प्रतिक्रिया को रेखांकित करती है। विशेष ट्रेनों के अलावा, दपरे ने अप्रैल और अक्टूबर 2025 के बीच 521 अतिरिक्त कोच जोड़कर अपनी नियमित ट्रेन सेवाओं को भी मजबूत किया। इन कोचों ने 35,524 अतिरिक्त बर्थ प्रदान की और 24,530 यात्रियों के लिए यात्रा को सुगम बनाया, जिससे कमाई में अतिरिक्त 2.09 करोड़ का योगदान हुआ। सबसे अधिक वृद्धि आय जून 2025 और अक्टूबर 2025 के दौरान दर्ज की गई, जो कि पीक ट्रैवल और त्योहारी सीजन के साथ मेल खाता है। यह प्रभावशाली प्रदर्शन यात्री मांग को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे के सक्रिय उपायों को उजागर करता है।

बिहार में कांग्रेस की हार के बाद सीएम सिद्धरामैया ने लगाया वोटों में धांधली का आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बिहार विधानसभा चुनाव में वोटों की हेराफेरी के गंभीर आरोप लगाए हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा में बिहार नहीं गया हूं।

मुझे नहीं पता कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन को झटका क्यों लगा, किसने वोट नहीं दिया और एनडीए को इतना बड़ा बहुमत क्यों मिला। जानकारी मिलने के बाद मैं जवाब दूंगा। एनडीए की जीत हुई है। जनता के फैसले को स्वीकार करना होगा। मुझे इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है कि कांग्रेस पिछड़े वर्ग के वोट क्यों नहीं जीत पाई। बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार भी पिछड़े वर्ग से आते हैं। कांग्रेस पार्टी ने वोटों की हेराफेरी के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में वोटों की चोरी हुई थी। बागलकोट जिले के मुधोल तालुक में एक चीनी मिल परिसर में गन्ने से भरे ट्रैक्टरों में आग लगा दी गई है। किसान कह रहे हैं कि उन्होंने आग नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आग लगाने वालों की जांच करने का निर्देश दिया है। उन्होंने शिकायत करते हुए कहा कि किसान आंदोलन के नाम पर कुछ राजनीतिक षड्यंत्र चल रहे हैं। भाजपा के पास और कोई काम नहीं है। इसलिए वे ऐसे विरोध प्रदर्शनों का समर्थन कर रहे हैं। राज्य सरकार ने गन्ने का मूल्य 3,300 रुपये प्रति टन तय करने का आदेश जारी किया है। मुधोल तालुका के किसानों को भी सरकार का यह फैसला स्वीकार करना चाहिए। आंदोलन वापस ले लेना चाहिए। इस संबंध में चर्चा की जाएगी।

हमारी चेतना इस संसार में परिभ्रमण कर रही: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि हमारी चेतना इस संसार में परिभ्रमण कर रही है। इस कारण मुक्ति नहीं मिल पा रही है। कभी एकांत में अपने जीवन का विश्लेषण व चिंतन करें कि अब तक जो कार्य किए उनकी उपयोगिता क्या है। हम अपनी धारणाओं का निर्माण कर उनको यथार्थ मान लेते है जबकि यथार्थ हमारी धारणा से अलग भी हो सकता है। उन्होंने कहा जब तक आत्मचिंतन नहीं करेंगे आत्मा संसार में परिभ्रमण करती रहेगी। बाहरी वस्तुओं से मन हटाना होगा। जड़ व चेतन में अंतर समझ नहीं आने तक कल्याण नहीं होगा। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि हमारी सोच निजी स्वार्थ से ऊपर उठ हमेशा अपने परिवार, संघ व समाज के लिए क्या बेहतर कर सकते इस पर केन्द्रित रहनी चाहिए। निजी स्वार्थों के कारण हमारे परिवार व समाज को नुकसान नहीं होना चाहिए। हमे सामाजिक एकता के लिए कार्य करना होगा। परिवार हो या समाज बिखराव सब जगह नुकसानदायक होता है। एकता की भावना ही संगठन को मजबूत बनाती है। परिवार में भी एकता होगी तो उसे कोई कमजोर नहीं कर पाएगा। परिवार व समाज मजबूत होंगे तो धर्म भी मजबूत बनेगा।

गन्ने से लदे किसानों की ट्रैक्टर ट्रॉलियों में आग लगाने वाले उपद्रवियों की तलाश जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बागलकोट जिले के मुधोल तालुक के समीरवाड़ी स्थित गोदावरी शुगर फैक्ट्री के पास किसान गन्ने के उचित समर्थन मूल्य की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उपद्रवियों द्वारा गन्ने से भरी ट्रैक्टर ट्रॉलियों में आग लगाने के बाद भड़की हिंसा के सिलसिले में महालिंगपुर पुलिस स्टेशन में पांच मामले दर्ज किए गए हैं। बागलकोट

जिला पुलिस हिंसा के बाद भागे उपद्रवियों की तलाश कर रही है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मुधोल तालुक में तीन दिनों की निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों और विजुअल मीडिया के वीडियो फुटेज की गहन जांच कर रही है और घटना के जिम्मेदार लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस यह भी जानकारी जुटा रही है कि धरना स्थल पर मौजूद कुछ किसान हैं या उन्होंने किसानों के नाम पर यह कृत्य किया है। घटना के बाद, राज्य के कानून और व्यवस्था विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर. हितेंद्र ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। 3500 रुपये प्रति टन गन्ने की मांग को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन गुरुवार को हिंसक हो गया। किसानों ने गन्ने से लदी 20 से ज्यादा ट्रॉलियों और पांच बाइकों में आग लगाकर अपना गुस्सा जाहिर किया। इस घटना में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मंत्रियों और विधायकों ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

विश्व मधुमेह दिवस पर शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में शुक्रवार को विश्व मधुमेह दिवस पर रियायती दर पर डायबिटिक प्रोफाइल चेक अप का समायोजन किया गया। जिसमें 5 विभिन्न प्रकार की जांच जैसे फास्टिंग ब्लड शुगर, पोस्ट प्रेंडियल ब्लड शुगर एवं तीन महीने औसत ब्लड शुगर समावेश किये गए। कुल 46 लोगों ने इसका लाभ लिया। स्थानीय लोगों ने तेयुप राजाजीनगर द्वारा प्रदत्त मानव सेवा के उपक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा समय समय पर विशेष दिवसों को ध्यान में रखते हुए रियायती दरों पर शिविर आयोजन करना बहुत ही अच्छा कार्य है। शिविर के माध्यम से जनमानस में विशेष दिवस की जानकारी भी प्राप्त होती है। इस शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ स्मिता, सहेली एवं दीपा का अथक श्रम नियोजित रहा। इस अवसर पर राजाजीनगर तेयुप अध्यक्ष जितेश दक, मंत्री अनिमेष चौधरी, मुकेश नहार, भावेश बोथरा एवं किशोर मंडल से तुषार कोठारी की उपस्थिति रही।

पद्मश्री पुरस्कार विजेता 'सालूमरदा' थिमक्का का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्यावरणविद् और पद्मश्री पुरस्कार विजेता 'सालूमरदा' थिमक्का का 114 वर्ष की आयु में निधन हो गया। थिमक्का ने शुक्रवार को बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। अपने दिवंगत पति के साथ, वह राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बरगद के पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए जानी जाती थीं, जिसके लिए उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था।

थिमक्का कर्नाटक के तुमकुरु जिले के गुब्बी तालुक की रहने वाली थीं। बिक्कला चिक्कय्या से विवाह के बाद, वह मगदी तालुक के हुलिकल गांव में रहने लगीं। इस दंपति, जिनकी कोई संतान नहीं थी, ने कुदुर से हुलिकल तक राज्य राजमार्ग 94 पर 385 बरगद के पेड़ लगाए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपने

शोक संदेश में कहा कि सालूमरदा थिमक्का के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। हजारों पेड़ लगाने और उन्हें अपने बच्चों की तरह पालने वाली थिमक्का ने अपना अधिकांश जीवन पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। भले ही थिमक्का आज हमें छोड़कर चली गई हों, लेकिन पर्यावरण के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें अमर बना दिया है।

दिवंगत आत्मा को मेरी श्रद्धांजलि। सालूमरदा थिमक्का के निधन से राज्य और भी क्षीण हो गया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्मा को शांति मिले। परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने थिमक्का के निधन पर शोक व्यक्त किया। खंड्रे ने अपने शोक संदेश में कहा वृक्ष माता के नाम से प्रसिद्ध थिमक्का ने पेड़ों को अपने बच्चों की तरह पाल-पोसकर दुनिया में हरियाली का महत्व फैलाया। निरक्षर होने के बावजूद, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महान कार्य किया और उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया तथा पद्मश्री सहित कई सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त हुए। थिमक्का को 2019 में सामाजिक कार्य-पर्यावरण के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। सितंबर में उन्हें कमजोरी और भूख न लगने की शिकायत के बाद एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी।

सीमा शुल्क अधिकारियों ने 53 करोड़ से अधिक मूल्य के हाइड्रो गांजा की तस्करी के प्रयासों को विफल किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लगातार कई मामलों में, सीमा शुल्क अधिकारियों ने पिछले 18 दिनों में बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर 72 किलोग्राम से अधिक हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत 53 करोड़ से अधिक है। इनमें से ज्यादातर जब्तियां बैंकॉक, थाईलैंड से आने वाले यात्रियों से की गईं, और अधिकारियों ने बेंगलूरु में उच्च-गुणवत्ता वाले प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी के प्रयासों में स्पष्ट वृद्धि देखी। सबसे हालिया घटना 12 नवंबर को हुई, जब सीमा शुल्क अधिकारियों ने 5.53 करोड़ मूल्य के 15.79 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा ले जा रहे दो यात्रियों को रोका। दोनों व्यक्तियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया। 11 नवंबर को, अधिकारियों ने 96.60 लाख मूल्य का 2.760 किलोग्राम समान पदार्थ जब्त किया। 10 नवंबर को एक यात्री को 2.37 करोड़ मूल्य के 6.77 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ पकड़ा गया। उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया। 9 नवंबर को, सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आ रहे एक और यात्री को रोका, जिसके पास 1.04 करोड़ मूल्य का 2.990 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ था। 5 नवंबर को, अधिकारियों ने 3.32 करोड़ मूल्य का 3.320 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया। 1 नवंबर को 3.18 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया गया। यह मादक पदार्थ चेक-इन बैगेज के अंदर छिपा हुआ था। चल रही कार्रवाई में सबसे बड़ी जब्ती 29 अक्टूबर को हुई, जब एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने बैंकॉक से दुबई, संयुक्त अरब अमीरात होते हुए यात्रा कर रहे एक यात्री को रोका, जिसके पास 37.88 करोड़ मूल्य का 37.88 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा था।

तीन लोगों के परिवार को स्कूटर से टक्कर मारने के आरोप में तकनीकी विशेषज्ञ गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सदाशिव नगर पुलिस ने बेंगलूरु के न्यू बीईएल रोड पर एक संदिग्ध हिट-एंड-रन मामले में तीन लोगों के एक परिवार को टक्कर मारने के आरोप में 23 वर्षीय एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुकृत केशव गौड़ा के रूप में हुई है, जो कोडिगेहल्ली का निवासी है। वह व्हाइटफील्ड स्थित एक निजी कंपनी में कर्मचारी है। यह घटना 26 अक्टूबर को हुई। शाम करीब 7 बजे, आरोपी अपनी कार चला रहा था, तभी एम.एस. रमैया अस्पताल के पास उसकी कार पीछे से एक स्कूटर से टकरा गई। कार के दाहिनी ओर खड़ी स्कूटर को विद्यारण्यपुरा निवासी व्यवसायी विनेथ ए. (33) चला रहे थे। विनेथ के साथ उनकी पत्नी अनिकिता पटेल (31) और उनका छोटा बेटा भी था।

पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाई

देश का भविष्य तार्किक और वैज्ञानिक सोच वाले बच्चों से ही गढ़ा जाएगाः सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि देश का भविष्य तार्किक और वैज्ञानिक सोच वाले बच्चों से ही गढ़ा जाएगा। इसलिए, बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से ही अज्ञानता और अंधविश्वास से दूर रहना चाहिए। मुख्यमंत्री स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के बैंक्वेट हॉल में पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय बाल दिवस समारोह एवं अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। नेहरू का दृष्टिकोण था कि बच्चे भारत का भविष्य हैं। इसलिए, उन्होंने बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए शिक्षा पर जोर दिया। हमारी सरकार ने भी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और कहा है कि हम शिक्षा के लिए 65,000 करोड़ रुपये प्रदान कर रहे हैं। नेहरू एक योद्धा थे जिन्होंने अपनी युवावस्था में 3,200 से अधिक दिन जेल में बिताए। एक अत्यंत धनी परिवार से होने के बावजूद, वे देश की स्वतंत्रता के लिए जेल गए। देश के प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने कृषि, विज्ञान, सिंचाई, प्रौद्योगिकी सहित देश के सर्वांगीण विकास की नींव रखी। नेहरू ने आईआईटी, एम्स, बांध और उद्योग बनवाए। जिन लोगों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया और अंग्रेजों से हाथ मिलाया, वे नेहरू और गांधी की आलोचना करते हैं। शिक्षकों और अभिभावकों को बच्चों को यह समझाना चाहिए। नेहरू ने वैज्ञानिक और बौद्धिक दृष्टिकोण वाले बच्चों पर देश के विकास और भविष्य का सपना बुना था। प्रतिभा किसी की जागीर नहीं होती। अब, इस मंच पर सम्मानित होने वाले सभी छात्र गरीब परिवारों से आते हैं और सरकारी स्कूलों में पढ़े हैं। इसलिए, इस वर्ष हम कुल 900 कर्नाटक पब्लिक स्कूल खोल रहे हैं। सरकार अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। मैंने खुद एक सरकारी स्कूल से पढ़ाई की है और मुख्यमंत्री बना हूं। हमारी सरकार सभी सुविधाएं प्रदान कर रही है ताकि सरकारी स्कूलों के बच्चे आत्मसम्मान के साथ बड़े हो सकें और समाजोन्मुखी बनकर अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें। सरकार गरीबों के बच्चों के लिए इंदिरा किट, जूते, वर्दी, अंडे, केले, पाठ्य पुस्तकें, छात्रवृत्ति, ये सब प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों को इसका लाभ उठाना चाहिए और देश की संपत्ति बनना चाहिए। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के उपलक्ष्य में विधान सौधा परिसर में नेहरू जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बाल दिवस देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर मनाया जाता है। वे बच्चों से बहुत प्रेम करते थे और समझते थे कि आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक हैं। इसीलिए उन्हें चाचा नेहरू कहा जाता था। नेहरू जी में छात्र जीवन से ही देशभक्ति और स्वतंत्रता के प्रति प्रेम जागृत हो गया था। उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष की भावना विकसित की और महात्मा गांधी के प्रिय शिष्य के रूप में स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। वे लगभग 9 वर्षों तक जेल में रहे और देश के लिए अनेक बलिदान दिए। जब देश को स्वतंत्रता मिली, तब देश का बजट 197 करोड़ रुपये था। यह केवल 197 करोड़ रुपये ही था। दो-तीन वर्षों के बाद यह 4 अंकों के स्तर पर पहुंच गया। कृषि, सिंचाई और उद्योगों में रुचि रखने वाले नेहरू जी ने वैज्ञानिक और वैचारिक रूप से देश का विकास करने का प्रयास किया। उन्होंने पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से देश के निर्माण का कार्य किया। अगर देश में इतने उद्योग, बांध और कृषि में आत्मनिर्भरता है, तो यह नेहरू की ही देन है। वे सत्रह साल तक इस देश के प्रधानमंत्री रहे।

बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान में सफारी के दौरान तेंदुए के पंजे से महिला घायल

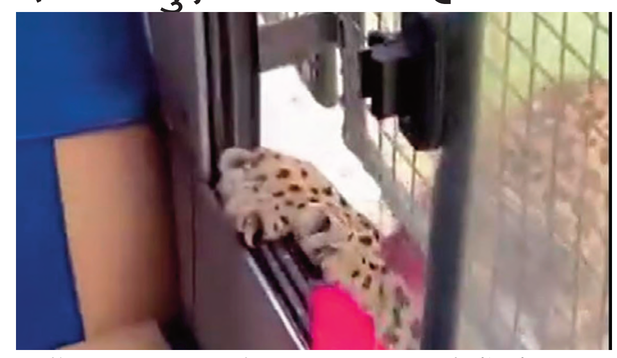

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के बन्नेरुघट्टा जैविक उद्यान (बीबीपी) में नॉन-एसी बस सफारी का आनंद ले रही एक महिला एक तेंदुए के पंजे से घायल हो गई। बन्नेरुघट्टा जैविक उद्यान के उप वन संरक्षक और कार्यकारी निदेशक सूर्य सेन ए.वी. के एक बयान के अनुसार, यह घटना गुरुवार को दोपहर लगभग 1 बजे हुई। घायल महिला की पहचान 56 वर्षीय वहीथा बानू के रूप में हुई है। सेन ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बस पर चढ़ने की कोशिश कर रहे एक तेंदुए ने गलती से उसके पंजे से उसे घायल कर दिया, जिससे उसके हाथ में मामूली चोट आई। बयान में आगे कहा गया उसे तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और अन्य चोटों की जांच की गई। वह मामूली चोट के साथ ठीक है। इस घटना के बाद नॉन-एसी बस सफारी अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई है। सभी सफारी चालकों को तेंदुए के हमले की पिछली घटना के बारे में चेतावनी दी गई थी और उन्हें तेंदुआ सफारी के अंदर एहतियाती सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, अधिकारी घटना की समीक्षा कर रहे हैं और अगली सूचना मिलने तक नॉन-एसी बस सफारी अनिश्चित काल के लिए बंद रहेगी और इस दौरान बसों की पूरी सुरक्षा का आकलन किया जाएगा। बीबीपी में तेंदुआ सफारी दक्षिण भारत की पहली और देश की सबसे बड़ी सफारी है, जो 20 हेक्टेयर में फैली हुई है। चार महीनों में यह दूसरी ऐसी घटना है। अगस्त में, बीबीपी में एक 12 वर्षीय लड़के को तेंदुए ने पंजे से काट लिया था। सफारी बस में यात्रा करते समय, लड़के ने खिड़की के पास एक सुलभ जगह पर अपना हाथ रखा था और कथित तौर पर बस पर चढ़े एक तेंदुए ने उसे अपने पंजे से काट लिया। इस घटना के बाद, वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने अधिकारियों को सभी सफारी वाहनों की खिड़कियों पर जाली लगाने और फोटोग्राफी के लिए छेद बनाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने सफारी के दौरान सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाने और पर्यटकों को उचित चेतावनी देने के निर्देश भी जारी किए थे, जिसमें सफारी टिकटों पर एक चेतावनी संदेश छपवाना भी शामिल था।

कोर्ट ने येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो मामले को बरकरार रखा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ दर्ज यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला रद्द करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम.आई. अरुण ने कथित अपराध का संज्ञान लेने और वरिष्ठ भाजपा नेता को समन जारी करने के निचली अदालत के 28 फरवरी के आदेश को बरकरार रखा। हालांकि, अदालत ने निर्देश दिया कि मुकदमे के दौरान जब तक आवश्यक न हो, येदियुरप्पा की व्यक्तिगत उपस्थिति पर जोर न दिया जाए और स्पष्ट किया कि उनकी ओर से दायर किसी भी छूट याचिका पर तब तक विचार नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि उनकी उपस्थिति आवश्यक न समझी जाए। पीठ ने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री निचली अदालत से रिहाई की मांग करने के लिए स्वतंत्र हैं। इससे पहले, 7 फरवरी को, उच्च न्यायालय ने उचित विवेक का अभाव बताते हुए निचली अदालत के पहले संज्ञान आदेश को रद्द कर दिया था, लेकिन जांच और अंतिम रिपोर्ट की वैधता को बरकरार रखा था। इसके बाद, विशेष अदालत ने 28 फरवरी को एक नया संज्ञान आदेश पारित किया, जिस पर बाद में उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी। पीड़िता की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, येदियुरप्पा ने फरवरी 2024 में अपने बेंगलूरु स्थित आवास पर एक बैठक के दौरान उनकी 17 वर्षीय बेटी का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। सदाशिवनगर पुलिस ने 14 मार्च, 2024 को मामला दर्ज किया, जिसे बाद में आगे की जांच के लिए सीआईडी को सौंप दिया गया। एजेंसी ने फिर से प्राथमिकी दर्ज की और पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। येदियुरप्पा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सी वी नागेश ने दावा किया कि मामला राजनीति से प्रेरित था और शिकायत में विश्वसनीयता का अभाव था। नागेश ने कहा शिकायतकर्ता और उनकी बेटी ने फरवरी 2024 में बेंगलूरु पुलिस आयुक्त से कई बार मुलाकात की, लेकिन 14 मार्च तक किसी भी आरोप का उल्लेख नहीं किया। उन्होंने आगे कहा कि कथित घटना के दौरान मौजूद गवाहों ने कहा था कि कुछ भी अप्रिय नहीं हुआ था। नागेश ने तर्क दिया कि विशेष अदालत ने रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री का उचित मूल्यांकन किए बिना संज्ञान आदेश जारी करते समय यंत्रवत कार्रवाई की थी और उच्च न्यायालय से कार्यवाही को रद्द करने का आग्रह किया, यह दावा करते हुए कि आरोप निराधार और गुप्त उद्देश्यों से प्रेरित थे। इसका विरोध करते हुए, विशेष लोक अभियोजक प्रोफेसर रविवर्मा कुमार ने कहा कि विशेष अदालत ने संज्ञान लेने से पहले पीड़िता के बयान सहित सभी साक्ष्यों पर विधिवत विचार किया था। उन्होंने कहा निचली अदालत का आदेश तर्कसंगत है और उचित न्यायिक विवेक का परिचायक है।

सरकार समीरवाड़ी में गन्ने से लदे ट्रैक्टरों में आग लगाने वालों को दंडित करेगीः मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार गन्ने से लदे ट्रैक्टरों और ट्रॉलियों में आग लगाने वाले उपद्रवियों की जांच करेगी। हमने ऐसी घटनाओं के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ बिना किसी ढिलाई के कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चीनी और गन्ना विकास मंत्री शिवानंद पाटिल ने शुक्रवार को बागलकोट जिले के समीरवाड़ी में यह बात कही। मंत्री ने कहा, हम नुकसान उठाने वाले किसानों को मुआवजा देंगे। राज्य सरकार जिला प्रशासन की रिपोर्टों का अध्ययन करने के बाद मुआवजे की राशि तय करेगी। यह राशि या तो राज्य सरकार या बेलगावी स्थित एस. निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट द्वारा दी जाएगी। उन्होंने घटनास्थल का दौरा करने के बाद पत्रकारों से कहा यह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुधोल तालुका के समीरवाड़ी स्थित गोदावरी बायोरिफाइनरीज फैक्टरी परिसर में गन्ने के ट्रैक्टर जला दिए गए। स्थानीय जांचकर्ताओं को इस मामले में कई जानकारियां मिल रही हैं और हम अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। लेकिन हम जांच करेंगे और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। उन्होंने जिला प्रभारी मंत्री आर.बी. थिम्मापुर के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने उस इलाके का दौरा किया जहां ट्रैक्टर और बाइक जलाई गई थीं।

उन्होंने उन किसानों से बातचीत की जिनकी फसलें और वाहन नष्ट हो गए थे। उन्होंने कहा मैं इस कुकृत्य की कड़ी निंदा करता हूं। उप-विभागीय अधिकारी के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम ने नुकसान का सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। मुआवजे की राशि अभी तय नहीं हुई है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि सरकार किसान आंदोलन का दुरुपयोग करके कुकृत्य करने वाले उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। हम इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेंगे। उन्होंने कहा इस घटना के कारण कुछ मिलें पेराई शुरू करने से हिचकिचा रही थीं, लेकिन उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाएगी। मंत्री ने कहा राज्य सरकार के हस्तक्षेप के कारण, हम इस सीजन में चीनी की रिकवरी चाहे जो भी हो, प्रति टन गन्ने पर औसतन 200 से 250 अतिरिक्त सुनिश्चित करने में सक्षम रहे हैं। हमने मिलों से रंगराजन समिति की रिपोर्ट के अनुसार 70:30 के अनुपात में लाभ वितरित करने का भी आग्रह किया है।

कर्नाटक में 7.3 लाख हेक्टेयर में गन्ना उगाया जाता है, जिसमें सबसे अधिक (5.67 लाख हेक्टेयर) बेलगावी, विजयपुरा और बागलकोट जिलों में उगाया जाता है। अगर पेराई में देरी हुई, तो न केवल चीनी उत्पादन में कमी आएगी, बल्कि किसानों के लिए भी समस्याएं पैदा होंगी। वजन कम होने के साथ-साथ, अगले सीजन की बुवाई भी प्रभावित होगी। इसलिए, मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे मिलों और सरकार के साथ सहयोग करें ताकि पेराई सुचारू रूप से चल सके। उन्होंने उन आरोपों का खंडन किया कि राज्य सरकार मिल मालिकों के दबाव में आ गई है। उन्होंने कहा, हमने मालिकों के आगे घुटने नहीं टेके हैं। अगर ऐसा होता, तो किसानों के लिए ज्यादा दाम तय करना संभव नहीं होता। साथ ही, हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि मिलों द्वारा गन्ने के मुख्य और उप-उत्पादों से अर्जित लाभ और सरकार को मिलने वाले कर के बारे में गलत जानकारी देने की कोई कोशिश न हो। उन्होंने मीडिया से किसानों और अन्य लोगों तक सही तथ्य पहुँचाने का प्रयास करने की अपील की। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वे गन्ने के लाभकारी मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करने हेतु कुछ मांगों के साथ प्रधानमंत्री से मिलने एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। हम केंद्र से चीनी निर्यात कोटा और राज्य के लिए निर्धारित इथेनॉल उत्पादन सीमा में पर्याप्त वृद्धि करने का आग्रह करेंगे। हमारी मांग वाणिज्यिक चीनी की कीमत बढ़ाने की है। अगर केंद्र सरकार हमारी माँग पर ध्यान देती है, तो यह गन्ना उत्पादकों के लिए फायदेमंद होगा।

कर्नाटक सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक

कर्नाटक का चीनी उद्योग केंद्र की नीतियों और नियमों के कारण नुकसान उठा रहा है। कर्नाटक भारत का तीसरा सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य है। लेकिन केंद्र सरकार ने कर्नाटक के लिए इथेनॉल उत्पादन की सीमा कम कर दी है। गुजरात ने निविदा में कहा है कि वह 38,000 करोड़ लीटर इथेनॉल की आपूर्ति करेगा। हालाँकि, केंद्र सरकार ने 43,000 करोड़ लीटर इथेनॉल के उत्पादन की अनुमति दी है। यह माँग से 13 प्रतिशत अधिक है। लेकिन कर्नाटक के मामले में, हालांकि हमने 325 करोड़ लीटर इथेनॉल उत्पादन की मांग की थी, केवल 133 करोड़ लीटर की ही अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा अगर एलपीजी की तरह व्यावसायिक चीनी की कीमत भी तय कर दी जाए, तो इससे गन्ना किसानों को ज्यादा फायदा हो सकता है। घरेलू और व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए एक ही कीमत तय करना सही नहीं है। चीनी के लिए भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय किया जाना चाहिए।

कर्नाटक में सभी बसों में आपातकालीन निकास द्वार अनिवार्यः मंत्री रामलिंगा रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने गुरुवार को घोषणा की कि कर्नाटक में चलने वाली सभी बसों में अब आपातकालीन निकास द्वार अनिवार्य होंगे। यह निर्देश परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई एक समीक्षा बैठक के दौरान जारी किया गया। राज्य में हाल ही में हुई बस दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए, मंत्री ने कहा कि किसी भी बस को तब तक अपना पंजीकरण या फिटनेस प्रमाणपत्र नवीनीकृत करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि उसमें आपातकालीन निकास द्वार न लगा हो। उन्होंने कहा कि इस नियम को लागू करने के लिए जल्द ही एक परिपत्र जारी किया जाएगा। रेड्डी ने चेतावनी दी कि निर्देश का पालन न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक में प्रवेश करने वाली अंतरराज्यीय बसों का निरीक्षण किया जाएगा और बिना आपातकालीन निकास द्वार वाली बसों के फिटनेस प्रमाणपत्र रद्द कर दिए जाएंगे। मंत्री ने अधिकारियों को अतिरिक्त सामान ले जाने वाली बसों और अनुमत सीमा से अधिक भार ढोने वाले भारी वाहनों की जांच तेज करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल और कॉलेज बसों का फिटनेस प्रमाणपत्र नवीनीकृत करने से पहले गहन निरीक्षण किया जाना चाहिए। जिन वाहनों के प्रमाणपत्र समाप्त हो चुके हैं, उन्हें तुरंत नोटिस जारी किए जाने चाहिए और अनुपालन की निगरानी के लिए विशेष मासिक निरीक्षण दल बनाए जाएंगे।

कर्नाटक पुलिस ने लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय काउंटर-आईईडी चैम्पियनशिप जीती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य पुलिस की आंतरिक सुरक्षा प्रभाग (आईएसडी) की आईईडी-रोधी टीम ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा आयोजित 9वीं राष्ट्रीय संयुक्त आईईडी-रोधी प्रतियोगिता, विस्फोट कवच खद जीती। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता में टीम की लगातार तीसरी जीत है। कर्नल अक्कुला बालकृष्ण, एसएम के नेतृत्व में, कर्नाटक की टीम अब भारत का एकमात्र राज्य पुलिस बल है जिसने आईईडी-रोधी अभियानों में लगातार तीन राष्ट्रीय खिताब जीते हैं, जो इसकी तकनीकी विशेषज्ञता और परिचालन उत्कृष्टता को दर्शाता है।

10 से 15 नवंबर तक आयोजित विस्फोट कवच खद के 2025 संस्करण में राज्य पुलिस बलों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों का प्रतिनिधित्व करने वाली 28 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में उन्नत बम निरोधक अभ्यास, आईईडी का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने के कार्य, और वास्तविक दुनिया की तैयारी का परीक्षण करने के लिए डिजाइन किए गए जटिल परिदृश्य-आधारित अभ्यास शामिल थे। कर्नाटक आईएसडी टीम ने सभी श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया : अमित शाह

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद राज्य की जनता का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ज्ञान, परिश्रम और लोकतंत्र की रक्षक 'बिहार भूमि' की जनता को कोटि-कोटि नमन। बिहारवासियों की ओर से एनडीए को यह प्रचंड जनादेश, बिहार में विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की एनडीए की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है। पिछले 11 सालों में मोदी जी ने बिहार के लिए दिल खोलकर कार्य किए और नीतीश जी ने बिहार को जंगलराज के अंधेरे से बाहर निकालने का काम किया। यह जनादेश 'विकसित बिहार' के संकल्प के लिए है। उन्होंने लिखा, बिहारवासियों का एक-एक वोट भारत की सुरक्षा और संसाधनों से खेलने वाले घुसपैठियों और उनके हितैषियों के खिलाफ मोदी सरकार की नीति में विश्वास का प्रतीक है। वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति की कोई जगह नहीं है। इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज बिहार में आखिरी पायदान पर आ गई है।

इसे 'विकसित बिहार' में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत बताते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले किसी भी भेष में आएं, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा। जनता अब सिर्फ और सिर्फ 'प्रदर्शन की राजनीति' के आधार पर जनादेश देती है।

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ-साथ एनडीए के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अपने अथक परिश्रम से इस परिणाम को चरितार्थ करने वाले बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक के बिहार भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन करता हूं।उन्होंने कहा, मैं बिहार की जनता और विशेषकर हमारी माताओं-बहनों को आश्वस्त करता हूं कि जिस आशा और विश्वास के साथ आपने एनडीए को यह जनादेश दिया है, मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार उससे अधिक समर्पण से उसे पूरा करेगी।

बिहार में एनडीए की जीत पर बीजेपी ने मनाया विजयोत्सव

बजे नगाड़े, नाचे कार्यकर्ता, बंटी मिठाई

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में राजग गठबंधन को मिली प्रचंड जीत के बाद शुक्रवार को बीजेपी के राज्य मुख्यालय पर धूमधाम से विजयोत्सव मनाया गया। पार्टी प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने विजयोत्सव का आयोजन किया।बिहार चुनाव में राजग गठबंधन की जीत के बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय पहुंचे। जहाँ ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते हुए उन्होंने अपनी खुशी का इज़हार किया। जीत की उमंग में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाज़ी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बिहार में विजय की शुभकामनाएँ दीं।पार्टी मुख्यालय पर बिहार विधानसभा में हुए विजयोत्सव में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, बृज बहादुर, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, प्रदेश मंत्री शिवभूषण सिंह, किसान मोर्चा के अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, प्रदेश प्रवक्ता समीर सिंह, मनीष शुक्ला, हीरो बाजपेयी, अवनीश त्यागी, मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, सहप्रभारी अतुल अवस्थी व चौधरी लक्ष्मण सिंह, युवा नेता नीरज सिंह, एमएलसी रामचन्द्र प्रधान, मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

बिहार की जनता ने विपक्ष को वेंटिलेटर पर पहुंचा दिया : दुबे

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने बिहार विधान सभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के लिए अनंत शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा है कि बिहार की जनता ने इंडिया गठबंधन का पूरी तरह सफाया कर देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी एवं बिहार विकास पुरुष नीतीश कुमार समेत एनडीए के विकासवादी एजेंडे पर अपना विश्वास जताया है।उन्होंने कहा कि बिहार के परिणाम ने बाद जनता ने देश के विपक्ष को वेंटिलेटर पर पहुंचा दिया है। बिहार के परिणाम के बाद यह स्पष्ट हो गया कि देश में बांटने की राजनीति अब नहीं चलेगी।

फरीदाबाद प्रशासन ने दिए अल-फलाह यूनिवर्सिटी की जांच के आदेश, खंगाला जाएगा पूरा रिकॉर्ड

फरीदाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

फरीदाबाद जिला प्रशासन ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी की जमीनों की गहन जांच के आदेश दिए हैं। धौज गांव में स्थित इस यूनिवर्सिटी की जमीन करीब 78 एकड़ में फैली हुई है और अब प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि इस जमीन का कितना हिस्सा इस्तेमाल हो रहा है और कितना खाली पड़ा है। इसके लिए पटवारी यूनिवर्सिटी की जमीन की पैमाइश कर रहे हैं और जमीन की लंबाई, चौड़ाई और जिस जगह पर इमारतें बनी हैं, उसका पूरा हिसाब-किताब तैयार किया जा रहा है। सिर्फ जमीन की माप ही नहीं, बल्कि प्रशासन यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि ये जमीन किससे और किस कीमत पर खरीदी गई थी।

यूनिवर्सिटी ने जमीन खरीदने में किन लोगों को पैसे दिए और कितने दिए, इसका भी पूरा रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। गौरतलब है कि दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट ने देश को झकझोर कर रख दिया।

इस धमाके में 10 लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। धमाके की जांच में हरियाणा के फरीदाबाद जिले स्थित अल-फलाह विश्वविद्यालय का नाम सामने आया। बताया जा रहा है कि विश्वविद्यालय के हॉस्पिटल में काम करने वाले कुछ डॉक्टर, जिनमें जम्मू-कश्मीर समेत अन्य जगहों के लोग शामिल थे, देशभर में कई धमाके करने की योजना बना रहे थे।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय बैठक हुई। बैठक में 10 नवंबर को हुए विस्फोट की जांच की प्रगति की डेढ़ घंटे तक समीक्षा की गई। इसके बाद ईडी और अन्य वित्तीय जांच एजेंसियों को भी निर्देश दिए गए कि वे हरियाणा स्थित इस विश्वविद्यालय के धन के लेन-देन की गहन जांच करें। इसको लेकर शुक्रवार को जिला प्रशासन ने आदेश जारी कर यह पता लगाने को कहा है कि यूनिवर्सिटी की जमीन का कितना हिस्सा उपयोग किया जा रहा है। साथ ही इससे जुड़े लेनदेन को भी खंगालने का आदेश दिया है।

मोहाली में अंतरराज्यीय नकली मुद्रा मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो आरोपी किए गिरफ्तार

मोहाली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

पंजाब के एसएएस नगर (मोहाली) की पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने डेरा बस्सी से एक अंतरराज्यीय नकली मुद्रा मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 9.99 करोड़ रुपए के नकली नोट और बंद हो चुकी मुद्रा जब्त की है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को इस गिरफ्तारी की पुष्टि की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा के कुरुक्षेत्र निवासी सचिन और गुरदीप के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत चलाए जा रहे अभियान के बीच पुलिस ने यह कार्रवाई की है। इसी तरह की कार्रवाई पुलिस की ओर से अक्सर की जा रही है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी एक धोखाधड़ी का तरीका अपना रहे थे, जिसमें वे असली नोटों को बंडलों के ऊपर रखकर अंदर नकली नोट छिपाते थे और इस तरह अनजान लोगों को ठगते थे। उन्होंने कहा कि यह गिरोह पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में कई धोखाधड़ी और जालसाजी के मामलों से जुड़ा हुआ है।

डीजीपी ने आगे बताया कि इस मॉड्यूल में शामिल अन्य सहयोगियों की पहचान और पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की तकनीकी जांच और पूछताछ जारी है। पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह का मुख्य आरोपी कौन है और कहां से इसे चला रहा था।

एसएएस नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरमनदीप हंस ने ऑपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, घग्गर ब्रिज के पास विशेष नाकाबंदी की गई। पुलिस टीमों ने उनकी सफेद स्कॉर्पियो-एन (एचआर 41 एम 6974) को रोककर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।उन्होंने बताया कि जब्त की गई कुल राशि में लगभग 9.99 करोड़ रुपए हैं, जिसमें 11.05 लाख रुपए के असली पुराने नोट और 9.88 करोड़ रुपए के नकली नोट हैं, जिसमें पुराने 1000, नए 500, और 2000 के नकली बंडल भी शामिल हैं। एसएसपी हरमनदीप हंस ने बताया कि जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपियों ने पंजाब और पड़ोसी राज्यों में कई लोगों को ठगा है और उनका आपराधिक पृष्ठभूमि रहा है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन डेरा बस्सी में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

हिमालय की 16,000 फीट ऊंची चोटियों पर हथियार व रसद ले जाएगा सेना का हाई-एल्टीट्यूड मोनोरेल सिस्टम

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

हिमालय की हजारों फीट ऊंची चोटियों के लिए सेना ने एक हाई-एल्टीट्यूड मोनोरेल सिस्टम विकसित किया है। ये वे हिमालयन क्षेत्र हैं जहां ऊंचाई, बर्फीली ढलान, अनिश्चित मौसम और दुर्गम भूभागों में अक्सर आपूर्ति मार्ग बाधित हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए यहां सेना ने हाई-एल्टीट्यूड लॉजिस्टिक्स में एक उल्लेखनीय नवाचार कर दिखाया है। इस सिस्टम से अग्रिम सैन्य चौकियों तक हथियार, गोला बारूद व रसद सामग्री पहुंचाई जा सकती है। सेना का कहना है कि यह सिस्टम दिन-रात, किसी भी मौसम में काम करने के लिए उपयुक्त है। यह जटिल से जटिल परिस्थितियों जैसे कि ओलावृष्टि, बर्फबारी व तूफान जैसे हालात में भी बिना एस्कॉर्ट के ही सुरक्षित रूप से संचालित किया जा सकता है। यह सिस्टम उन सभी अग्रिम सैन्य चौकियों में राहत प्रदान कर सकता

है जो बर्फ के सड़क मार्ग के कारण कट जाती हैं। ये चौकियां ऐसे बर्फीले इलाकों में हैं जहां पारंपरिक परिवहन साधन अक्सर विफल हो जाते हैं, जिससे आवश्यक सामग्री पहुंचाना एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। लॉजिस्टिक्स के अलावा, यह मोनोरेल सिस्टम त्वरित चिकित्सा के लिए पीड़ित मरीजों की निकासी में भी एक नई संभावना लेकर आया है। ऐसे इलाकों में जहां हेलिकॉप्टर हमेशा उड़ान नहीं भर सकते और पैदल निकासी जोखिमपूर्ण व धीमी होती है, वहां यह प्रणाली घायल जवानों को सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करने में उपयोगी साबित हो सकती है। हिमालय का कामेंग भी एक ऐसा ही क्षेत्र है। यहां की कठोर पर्वतीय श्रृंखला 16,000 फीट की ऊंचाई पर है। यह बर्फीली ढलानों व अनिश्चित मौसम वाला इलाका है। कठिन रास्ते अक्सर सैन्य सामग्रियों के आपूर्ति मार्गों को बाधित कर देते हैं। यहां सेना की गजराज कोर ने हाई-एल्टीट्यूड लॉजिस्टिक्स में यह महत्वपूर्ण नवाचार कर दिखाया है।

सेना के मुताबिक ऐसे इलाकों में अग्रिम चौकियां कई दिनों तक बर्फ के कारण कट जाती हैं और पारंपरिक परिवहन साधन अक्सर विफल हो जाते हैं, जिससे आवश्यक सामग्री पहुंचाना एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। इन्हीं परिचालन आवश्यकताओं को देखते हुए गजराज कोर ने स्वदेशी हाई-एल्टीट्यूड मोनोरेल सिस्टम को डिजाइन, विकसित और तैनात किया है। यह सिस्टम अब पूरी तरह परिचालन-योग्य है और 16,000 फीट पर लॉजिस्टिक सपोर्ट का स्वरूप बदल रहा है। यह अनोखा मोनोरेल सिस्टम एक बार में 300 किलोग्राम से अधिक भार ढोने में सक्षम है।सेना के अनुसार, यह सिस्टम उन दुर्गम पोस्टों के लिए जीव-नरेखा साबित हो रहा है, जहां न तो सड़क संपर्क है और न ही कोई अन्य संचार या आपूर्ति का साधन। इसके माध्यम से आवश्यक सैन्य सामग्री, गोला-बारूद, राशन, ईंधन, इंजीनियरिंग उपकरण, और भारी व असुविधाजनक लोड को आसानी से ढलानों और अस्थिर सतहों पर पहुंचाया जा सकता है। सेना की गजराज कोर की यह इन-हाउस तकनीकी उपलब्धि सेना परिचालन तत्परता को बढ़ाती है व हाई-एल्टीट्यूड पोस्टों की स्थायित्व क्षमता मजबूत करती है। यह पहल भारतीय सेना की चुनौतीपूर्ण समस्याओं का व्यावहारिक, मिशन-केंद्रित समाधान खोजने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कमेग हिमालय जैसे कठिन क्षेत्रों में संचालन के लिए यह नवाचार भारतीय सेना की अनुकूलन क्षमता, अभिनव सोच और अदम्य जज्बे का प्रमाण है।

नीतीश ने फिर जीता बिहार और देश की जनता का दिल : जद यू

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में एनडीए को मिले स्पष्ट बहुमत पर जनता दल यूनाइटेड उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यालय लखनऊ में पार्टी के पदाधिकारियों ने ढोल नगाड़े और पटाखों फुलझडियो के साथ अबीर और गुलाल उड़ाते हुए एक दूसरे को मिष्ठान वितरण करते एवं एक दूसरे को बधाई देते हुए शानदार तरीके से जश्न मनाया और सभी ने बिहार की जागरूक जनता को धन्यवाद और बधाई देते हुए कहा कि एनडीए की शानदार जीत का श्रेय नीतीश कुमार सरकार के 20 वर्ष के सुशासन एवं न्याय के साथ विकास की अवधारणा के साथ बिहार में कराए गए जनकल्याणकारी कार्यों एवं केन्द्र सरकार के मुखिया नरेंद्र मोदी जी के सहयोग को जाता है।बिहार चुनाव में मिली बड़ी जीत से उत्तर प्रदेश जनता दल यूनाइटेड उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और इसका प्रभाव उत्तर प्रदेश 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी पड़ेगा और उत्तर प्रदेश में भी एनडीए सरकार बनेगी। इस अवसर पर कार्यालय पर पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त सिंह, प्रदेश महासचिव भैया हरि शंकर जी पटेल, प्रदेश महासचिव सुभाष पाठक, प्रदेश कोषाध्यक्ष अमर सिंह कटियार , प्रदेश प्रवक्ता कुंवर अजय सिंह, प्रदेश सचिव अजीत त्रिपाठी,शिवम मिश्रा,प्रदेश कार्यालय प्रभारी ओम प्रकाश वर्मा , पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ जितेन्द्र सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष नंदन, व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष पवन गुप्ता,बाराबंकी जिला अध्यक्ष नितेश प्रकाश,रजत वर्मा,पूर्वांचल विकास परिषद के सदस्य बौद्ध अरविन्द पटेल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड की खास पहल

बच्चों को प्रकृति और ग्रामीण जीवन से जोड़ना हमारी प्राथमिकता : जयवीर

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग बाल दिवस 14 नवंबर के अवसर पर बच्चों को प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने की पहल की है। ग्रामीण पर्यटन और इको-टूरिज्म को एक सूत्र में पिरोते हुए विभाग ने विद्यार्थियों को ग्रामीण जीवनशैली, स्थानीय व्यंजन और वन्य जीवों एवं प्रकृति से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग ईको टूरिज्म, युवा पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन और रिस्पांसिबल टूरिज्म की अवधारणा को में लेकर आगे बढ़ रहा है। ये बच्चे ही भविष्य के ब्रांड एम्बेसडर हैं, जो आने वाले समय में पर्यटन को विस्तार देने में अहम भूमिका निभायेंगें। उत्तर प्रदेश ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड बाल दिवस पर विद्यार्थियों को प्रकृति के सबसे करीब ले जाने वाला एक अनोखा अनुभव देने जा रहा है। लखनऊ के गवर्नमेंट इंटर जुबिली कॉलेज के 30 छात्र-छात्राओ ने दुधवा की प्रसिद्ध 'विस्टाडोम ट्रेन सफारी' का अनुभव किया। बिछिया से शुरू होने वाली यह विशेष यात्रा उन्हें तराई के घने जंगलों, घास के मैदानों और वेटलैंड्स के बीच से होकर मैलानी तक ले जाएगी, जहां हर मोड़ पर प्रकृति का मंत्रमुग्ध कर देने वाला सौंदर्य उनका स्वागत करेगा। सामान्यतः शनिवार और रविवार को संचालित होने वाली विस्टाडोम सेवा के अनुरूप भ्रमण कल 15 नवंबर को आयोजित किया जा रहा है। युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य के सभी जिलों में 'युवा पर्यटन क्लब' स्थापित किए गए हैं। अब तक 1,500 से अधिक क्लब बनाए जा चुके हैं, जिनसे 30,000 से ज्यादा विद्यार्थी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। कक्षा 6 से 12 तक के छात्र इन क्लबों का हिस्सा हैं और समय-समय पर ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा उन्हें प्रदेश के प्रमुख जंगलों, पक्षी विहारों और प्राकृतिक धरोहरों का भ्रमण कराया जाता है। इसी क्रम में इस बार विद्यार्थियों को विस्टाडोम ट्रेन से दुधवा के आसपास के जंगलों की समृद्ध जैव विविधता को देखने का अवसर मिलेगा।बाल दिवस के अवसर पर प्रयागराज में एस.के. कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल के 40 छात्रों का दल दो शिक्षक समन्वयकों के साथ श्रृंगवेरपुर के शैक्षिक दौरे पर पहुंचा। छात्रों ने ऐतिहासिक श्रृंगी मंदिर, श्री राम घाट, श्री राम शयन स्थल का भ्रमण और नौकायन किया। वहां की आध्यात्मिकता और इतिहास की महत्ता को अनुभव किया। स्कूली बच्चों ने निषादराज किला व निषादराज उद्यान की भव्यता को करीब से देखा। ऐतिहासिकता को जाना और समझा। छात्रों ने स्थानीय खेल गतिविधियों में भी हिस्सा लिया और ग्रामीण होमस्टे में पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखा। बच्चों का अनुभव अविस्मरणीय रहा।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने ग्रामीण पर्यटन के तहत विकसित किए गए ईको-सिस्टम के अध्ययन हेतु सुल्तानपुर के कादीपुर स्थित त्रिभुवन एकेडमी के 75 छात्र नंदगांव पहुंचे। छात्रों ने स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला, कृषि-आधारित ग्रामीण जीवनशैली तथा औषधीय एवं स्थानीय पौधों की विभिन्न प्रजातियों का नज़दीक से अवलोकन किया। इस दौरान बच्चों ने अपने अनुभवों को विस्तृत नोट्स के रूप में दर्ज किया। स्कूली छात्रों ने बताया कि पर्यटन विभाग की पहल ने उन्हें गांवों की जीवन-शैली, स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों की गहन व व्यवहारिक समझ प्रदान की।

योगी सरकार ने रखा निचले तबके और बुजुर्गों का खयाल

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। योगी कैबिनेट ने आज निचले तबके और बुजुर्गों के हित में कई फैसले लिये हैं।उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में 10 वर्ष तक की अवधि के किरायानामा विलेखों पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट मंजूरी देने के साथ कई प्रस्तावों पर मुहर लगी है।कैबिनेट बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि उत्तर प्रदेश की योगी प्रदेश सरकार ने राज्य में किरायेदारी को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए फैसला लिया। कैबिनेट ने 10 वर्ष तक की अवधि के किरायानामा विलेखों पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट मंजूर कर दी है। वर्तमान नियमों के अनुसार एक वर्ष से अधिक अवधि की किरायेदारी विलेख की रजिस्ट्री अनिवार्य है, लेकिन आमतौर पर अधिकांश किरायानामे मौखिक होते हैं या यदि लिखित होते भी हैं तो उनकी रजिस्ट्री नहीं कराई जाती। ऐसे मामलों का पता आमतौर पर जीएसटी विभाग और बिजली विभाग जैसी एजेंसियों की पत्रावलियों की जांच में चलता है और बाद में कमी स्टाम्प शुल्क की वसूली की कार्रवाई करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि अनिवार्य है कि किरायेदारी विलेख की रजिस्ट्री हो या न हो, उस पर सही स्टाम्प शुल्क

हर हाल में जमा होना चाहिए।

स्टाम्प एवं पंजीयन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रवींद्र जायसवाल ने बताया कि नई व्यवस्था के अनुसार अधिकतम स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्री शुल्क की सीमा तय कर दी गई है। यह सीमा किरायेदारी की अवधि और औसत वार्षिक किराए के आधार पर लागू होगी। कैबिनेट ने लेखपाल सेवा नियमों में बड़ा बदलाव कर चैनमैन के लिए लेखपाल पद पर पदोन्नति का मार्ग खोल दिया है। वित्त मंत्री सुरेशा खन्ना ने बताया कि पंचम संशोधन नियमावली 2025 के तहत अब लेखपाल के कुल पदों में से दो प्रतिशत पद योग्य चैनमैन को पदोन्नति के आधार पर दिए जा सकेंगे। यह पहली बार है जब चैनमैन को सीधी भर्ती व्यवस्था से बाहर निकलकर लेखपाल पद तक प्रमोशन का अवसर मिलेगा। वर्तमान में लेखपाल के 8940 पद रिक्त हैं। नई व्यवस्था के तहत वे चैनमैन पदोन्नति के लिए पात्र होंगे, जो मौलिक रूप से इसी पद पर नियुक्त हों, भर्ती वर्ष के पहले दिन तक छह वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों और इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा पास कर चुके हों। इन पात्र चैनमैन का चयन चयन समिति की सिफारिश पर किया जाएगा।वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बागपत में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए 5.07 हेक्टेयर भूमि निःशुल्क चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है। यह भूमि ग्राम मीतली में स्थित है और मत्स्य विभाग के पास थी। विवादित 0.53 हेक्टेयर हिस्से को छोड़कर शेष भूमि पर कॉलेज का निर्माण किया जाएगा।कैबिनेट ने दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 में महत्वपूर्ण संशोधन को मंजूरी देते हुए इसकी सीमा नगरीय क्षेत्रों से बढ़ाकर पूरे प्रदेश तक कर दी है। अब राज्य के सभी जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिष्ठान भी इस कानून के दायरे में आएंगे। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि

दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान कानून में बड़ा संशोधन
अब घर बैठे मिलेगी वृद्धावस्था पेंशन

संशोधन के तहत यह अधिनियम अब उन प्रतिष्ठानों पर लागू होगा जिनमें 20 या उससे अधिक कर्मकार कार्यरत हैं। इससे छोटे प्रतिष्ठान बिना अतिरिक्त बोझ के आर्थिक गतिविधि को सुचारू रख सकेंगे, जबकि बड़े प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को अधिनियम के तहत मिलने वाले सभी लाभ मिलेंगे। संशोधन का दायरा बढ़ाते हुए सरकार ने चिकित्सकीय इकाइयों जैसे क्लीनिक, पॉलीक्लीनिक, प्रसूति गृह, आर्किटेक्ट, कर सलाहकार, तकनीकी सलाहकार, सेवा प्रदाता, सेवा मंच और इसी तरह के अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी कानून के अंतर्गत शामिल कर दिया है।समाज कल्याण मंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने बताया कि उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने राज्य में वृद्धावस्था पेंशन को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया है। अब पात्र वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। असीम अरुण ने बताया कि फैमिली आईडी 'एक परिवार-एक पहचान' प्रणाली से पात्र लाभार्थियों का स्वतः चिन्हीकरण होगा और उनकी सहमति मिलने पर पेंशन सीधे स्वीकृत की जाएगी। प्रक्रिया पूरी न कर पाने के से वंचितों को लाभ मिलेगा। नई व्यवस्था में फैमिली आईडी के आधार पर उन नागरिकों की सूची स्वतः तैयार होगी, जिनकी आयु अगले 90 दिनों में 60 वर्ष होने जा रही है। विभाग सबसे पहले एसएमएस, व्हाट्सऐप और फोन कॉल जैसे डिजिटल माध्यमों से पात्र नागरिकों से सहमति लेगा। जिनकी सहमति डिजिटल रूप से नहीं मिलेगी, उनसे ग्राम पंचायत सहायक, कॉमन सर्विस सेंटर या विभागीय कर्मचारी भौतिक रूप से संपर्क करेंगे। दोनों स्तरों पर सहमति न मिलने पर ऐसे नाम प्रक्रिया से हटा दिए जाएंगे।

एनबीएफजीआर ने किया जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम

जलीय कृषि प्रथाओं के प्रोत्साहन के लिए मछली के बीज, चारे और चूने का वितरण

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीएआर-राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो लखनऊ ने अरुणाचल प्रदेश सरकार के मत्स्य पालन विभाग के सहयोग से शेरगांव, पश्चिम कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश में एक हितधारक बैठक-सह-जागरूकता कार्यक्रम और एक जनजातीय मत्स्य-उद्यमिता शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम एसटीसी और एनईएच पहल के तहत और जनजातीय गौरव वर्ष 2025 गतिविधियों के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, जिसमें क्षमता निर्माण, तकनीकी प्रदर्शन और संसाधन सहायता के माध्यम से जनजातीय मछुआरों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

कार्यक्रम में शेरगांव की जिला परिषद सदस्या त्सेरिंग वांगमु लामा तथा अरुणाचल प्रदेश के उप निदेशक मत्स्य पालन तागी योंगगाम सहित अन्य पदाधिकारियों ने क्षेत्र में कार्यक्रम में योगदान हेतु आईसीएआर-एनबीएफजीआर, लखनऊ के निदेशक डॉ. काजल चक्रवर्ती का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम द्वारा पश्चिम कामेंग और बिचोम के दूरदराज के पहाड़ी जिलों के आदिवासी मछुआरे, मछली किसान, स्थानीय युवा और सामुदायिक प्रतिनिधि एक मंच पर

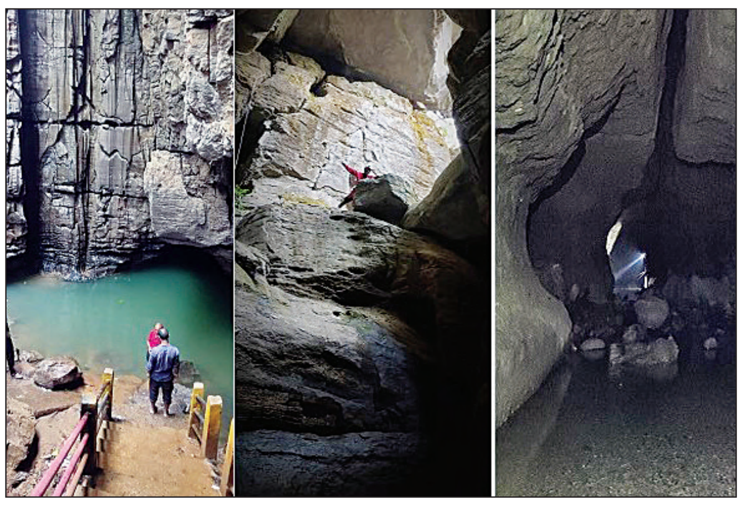

आ सके। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिक ज्ञान, प्रौद्योगिकी प्रसार और किसान-उद्यमी संबंधों के माध्यम से जलीय कृषि आधारित आजीविका को मजबूत करना था।

उपस्थित व्यक्तियों ने अरुणाचल प्रदेश के मत्स्य पालन विभाग के दूरदराज और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जलीय कृषि को बढ़ाने में व्यापक कार्य के लिए, विशेष रूप से तालाब विकास, गुणवत्तापूर्ण बीज वितरण और किसान प्रशिक्षण के माध्यम से किए गये प्रयासों की सराहना की। आईसीएआर-एनबीएफजीआर ने अपनी प्रमुख राष्ट्रीय पहलों जैसे आनुवंशिक संसाधन संरक्षण, प्रजाति प्रलेखन, एक्वाग्रिसी जलीय प्रजाति सूचना पोर्टल, जलीय रोग निदान, क्रायोबैंकिंग और देश भर में लाइव जर्मप्लाज्म संसाधन केंद्रों की स्थापना के बारे में हितधारकों को जागरूक किया किया।

जलीय कृषि को मजबूत करने और स्वदेशी आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अरुणाचल प्रदेश की प्राचीन नदियों और प्राकृतिक झीलों की क्षमता पर विशेष जोर दिया गया। अनुसूचित जनजाति कम्पोनेंट और एनईएच पहल के हिस्से के रूप में, आईसीएआर एनबीएफजीआर ने आदिवासी मछुआरों को लाभ पहुंचाने और बेहतर जलीय कृषि प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए मछली के बीज, मछली के चारे और चूने सहित मत्स्य आदानों का वितरण किया। संस्थान के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों डॉ. एल. मोग चौधरी और डॉ. ताराचंद कुमावत ने बीज की गुणवत्ता, चारा प्रबंधन, रोग निदान और एकीकृत पहाड़ी जलीय कृषि के दायरे को कवर करने वाले परस्पर संवाद सत्र आयोजित किए। समुदाय-प्रबंधित मछली अभयारण्यों, देशी प्रजातियों के संरक्षण और क्षेत्र में स्थायी मत्स्य समूहों को विकसित करने के अवसरों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम का समापन आईसीएआर-एनबीएफजीआर और मत्स्य पालन विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ ताकि पश्चिम कामेंग और बिचोम जिलों में वैज्ञानिक हस्तक्षेप, जैव विविधता प्रलेखन और क्षमता निर्माण में तेजी लाई जा सके, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र को सांस्कृतिक रूप से एकीकृत और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ जलीय कृषि विकास के लिए एक मॉडल में बदलना है। कार्यक्रम में 200 मत्स्य किसानों और मछुआरों ने भाग लिया।

अब अलग से होगा खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय का गठन-केशव

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय से खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय को अलग कर पृथक से प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय को स्थापित किया जायेगा ताकि खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित योजनाओं को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके एवं व्यवस्थित धनराशि का समुचित उपयोग हो सके। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय के लिये स्थान, भवन, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नये

पदों के सृजन की अतिरिक्त आवश्यकता नहीं है। उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल 300 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है। अलग खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय गठित होने से खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित योजनाओं को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा एवं व्यवस्थित धनराशि का समुचित उपयोग हो सकेगा, जिसका लाभ खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के उद्यमियों को मिलेगा। अलग खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय गठित होने से खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित योजनाओं को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा, जिसका सीधा लाभ प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के उद्यमियों को अनुदान के रूप में मिलेगा। खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय गठित होने से खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित योजनाओं के अन्तर्गत प्रदेश के जनमानस को रोजगार के अवसर प्राप्त होगें।यह प्रस्ताव मन्त्रिपरिषद मे उप मुख्यमन्त्री केशव प्रसाद मौर्य, जो खाद्य प्रसंस्करण विभाग के मन्त्री भी हैं, की पहल पर प्रस्तुत किया गया, जिसकी सहमति मन्त्रि परिषद द्वारा प्रदान की गयी।

स्वामी शुकदेवानन्द विश्वविद्यालय की स्थापना को मिली मंजूरी : योगेंद्र

मुमुक्ष आश्रम ट्रस्ट की इकाइयों काउच्चीकरण, शाहजहांपुर को मिला नया राज्य विश्वविद्यालय

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मंत्रिपरिषद की बैठक में उच्च शिक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास हुआ। मुमुक्ष आश्रम ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित शैक्षणिक इकाइयों को उच्चीकृत करते हुए स्वामी शुकदेवानन्द विश्वविद्यालय, शा-हजहांपुर के रूप में एक नए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि योगी सरकार प्रदेश में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और सशक्त बनाने के उद्देश्य से लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, जिनमें यह निर्णय एक ऐतिहासिक कदम है। उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973, जो कि उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-29 सन् 1974 द्वारा पुनः अधिनियमित तथा संशोधित है, उसी के अंतर्गत संशोधन करते हुए नए विश्वविद्यालय की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया गया है। मुमुक्ष आश्रम ट्रस्ट के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती द्वारा ट्रस्ट की समस्त चल-अचल परिसम्पत्तियों को निःशुल्क राज्य सरकार को हस्तांतरित किया गया है, जिससे विश्वविद्यालय की स्थापना का आधार मजबूत हुआ है। योगी सरकार का लक्ष्य प्रदेश को शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का अग्रणी केंद्र बनाना है, विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

स्वामी शुकदेवानन्द विश्वविद्यालय की स्थापना से शाहजहांपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के नए अवसर खुलेंगे तथा शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार होगा। प्रदेश के युवाओं को अत्याधुनिक शैक्षिक सुविधाओं, अनुसंधान संसाधनों एवं नवाचार आधारित शिक्षण वातावरण का लाभ मिलेगा।इस कार्य हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-4, धारा-50 एवं धारा-52 तथा संबंधित अनुसूची में संशोधन प्रस्तावित है, जिसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय द्वितीय संशोधन अध्यादेश, 2025 के प्रख्यापन का निर्णय लिया गया है।

जो खेल बिहार में हुआ, यूपी में नहीं हो पाएगा : अखिलेश

बिहार में लोकतंत्र की हत्या हुई : उदित राज

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों में महागठबंधन की करारी हार और एनडीए को मिली प्रचंड जीत का असर पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में भी दिखने लगा है। समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने चुनौती देते हुए कहा है कि जो खेल बिहार में खेला गया है, वो उत्तर प्रदेश में नहीं हो पाएगा।अखिलेश यादव ने अपने एक्स ट्विटर हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने के लिए छल करती है।शुक्रवार को आए नतीजों के बाद अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'बिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है, वो पश्चिम बंगाल, तमिलनाडू, यूपी और बाकी जगह पर नहीं हो पाएगा, क्योंकि चुनावी साजिश का भंडाफोड़ हो चुका है। अब आगे हम ये खेल, इनको नहीं खेलने देंगे। सीसीटीवी की तरह ' पीपीटीवी' मतलब 'पीडीए प्रहरी' चौकन्ना रहकर भाजपाई मंसूबों को नाकाम करेगा। भाजपा दल नहीं छल है। चुनाव आयोग की तरफ से वोटर लिस्ट को लेकर चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर पर विपक्ष शुरुआत से हमलावर है। विपक्षी दलों का कहना है कि इसके जरिए चुनाव आयोग, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के लिए वोट चोरी कर रहा है। बिहार चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस नेता उदित राज ने भी महागठबंधन की हार का ठीकरा एसआईआर के सिर फोड़ा है।उदित राज ने कहा कि विपक्ष की तरफ से एसआईआर को लेकर लाखों की संख्या में आपत्तियां दी गईं, लेकिन चुनाव आयोग ने एक का भी जवाब नहीं दिया। उदित राज बोले कि जब इस हद तक बेईमानी होगी तो चुनाव का क्या अर्थ रह जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है।

सीएम योगी किसानों पर मेहरबान

40 हजार से ज्यादा किसानों को मिलेंगे सोलर पंप

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने राज्य के 40521 हजार किसानों को तोहफा दिया है। 2024-25 में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान पीएम कुसुम योजना के तहत बाकी रह गए सोलर पंप की स्थापना के लक्ष्य को चालू वित्तीय वर्ष में पूरा होगा। कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है।प्रदेश में वर्ष 2019-20 से प्रदेश सरकार द्वारा भारत सरकार के सहयोग से पीएम-कुसुम योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत दो हार्सपावर से 7.5 हार्सपावर तक के सोलर पंप की स्थापना पर मूल्य का 60 प्रतिशत अनुदान किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। 10 हार्स पावर के सोलर पंप स्थापित कराने पर भी 7.5 हार्सपावर के पंप के बराबर अनुदान दिया जाता है।सरकार के अनुसार वर्ष 2020-21 से मार्च 2025 तक 63,345 सोलर पंपों की स्थापना कराई गई है। इससे 1.49 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता का सृजन हुआ है। प्रति वर्ष 5483.98 लाख यूनिट बिजली की बचत, कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष 1.26 लाख टन की कमी आ रही है। इसके अलावा डीजल पंप सेट को सोलर पंपर से परिवर्तित होने से हर साल 877.50 लाख लीटर डीजल की भी बचत हुई है।वित्तीय वर्ष 2024-25 में 28,811 कृषक प्रक्षेत्रों पर विभिन्न क्षमता के सोलर पंपों की स्थापना कराई गई थी, जबकि 40,521 हजार पंप की स्थापना का लक्ष्य शेष रह गया था। चालू वित्तीय वर्ष में 45 हजार सोलर पंप की स्थापना का लक्ष्य है। कृषि विभाग ने 2024-25 के शेष लक्ष्यों की चालू वित्तीय वर्ष में पूर्ति करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है।इन सोलर पंप की स्थापना के लिए किसानों का चयन कृषि विभाग के पोर्टल के माध्यम से टोकन प्रक्रिया के आधार पर 'पहले आओ-पहले पाओ' की नीति से किया जाएगा। आवेदन के समय किसान को पांच हजार रुपये टोकन मनी के रूप में आनलाइन जमा करने होंगे। सोलर पंप के लिए बुकिंग, विभाग द्वारा जिलावार और क्षमतावार आवंटित लक्ष्यों की सीमा के अनुसार की जाएगी।

एआरटीओ और पीटीओ समेत आठ के खिलाफ एफआईआर, दो गिरफ्तार

लखनऊ 14 नवम्बर। एसटीएफ और परिवहन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में ओवरलोडिंग के नाम पर भ्रष्टाचार के रैकेट का पर्दाफाश किया गया है। एआरटीओ और पीटीओ समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसटीएफ को शिकायतें मिल रही थीं कि यूपी में परिवहन विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से ओवरलोड वाहन रिश्वत देकर मौरंग और मिट्टी लेकर सीमा पार कर रहे हैं, जिससे सरकार को राजस्व की हानि हो रही है।एसटीएफ ने मामले में एआरटीओ लखनऊ उत्तर कमिश्नरेट राजू बंसल, पीटीओ मनोज भारद्वाज, दलाल अभिनव पांडेय, रितेश पांडेय, चालक कपिल, विनोद यादव, दीवान अनुज, दीवान गिरिजेश और सुनील सचान के खिलाफ मड़ियाव थाना में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। एसटीएफ ने अब तक बोधेपुर छाजन सीतापुर निवासी दलाल अभिनव और कानपुर नगर निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने पांच मोबाइल, दो रजिस्टर, आधार कार्ड, एक कार और एक डंपर जब्त किया है।एसटीएफ को सूचना मिली कि दलाल अभिनव पांडेय ओवरलोड वाहनों को पास कराने का काम करता है और खदरी से सीतापुर की ओर जाने वाला है। एसटीएफ ने उसे भिटौली ओवरब्रिज के पास दबोच लिया। पूछताछ में अभिनव ने बताया कि भाई रितेश और सानू, आरटीओ व पीटीओ अधिकारियों की मिलीभगत से ओवरलोड ट्रकों को पास करवाते हैं तथा इसके एवज में प्रति वाहन तय रकम वसूली जाती है। वह प्रति वाहन 5,500 से 8,000 रुपये लेकर ट्रकों को बिना रोक-टोक आगे बढ़ने देता था।अभिनव पांडेय की निशानदेही पर एसटीएफ टीम आईआईएम तिराहे पर पहुंची और सीतापुर की ओर से आने वाला ओवरलोड मौरंग से भरा एक डंपर पकड़ा गया। चालक कपिल ने बताया कि आरटीओ कार्यालय की 'फीस' अभिनव पांडेय के माध्यम से पहले ही दे दी गई थी, इसलिए कोई अधिकारी उसे नहीं रोकेगा। पकड़े गए डंपर का वजन तौलने पर 66,340 किलो यानि 66.34 टन पाया गया, जबकि अनुमति इससे काफी कम है।अभिनव पांडेय की कार से 2011 की एक पुरानी डायरी और नोटबुक मिली, जिसमें ओवरलोड वाहनों से वसूली गई धनराशि का विस्तृत विवरण दर्ज था।

हक की लड़ाई लड़ेंगे तभी बदलाव होगा : संजय

लखनऊ/अयोध्या, 14 नवंबर (एजेंसियां)। 'आप' सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में चल रही सरयू से संगम तक 'रोजगार दो,सामाजिक न्याय दो'पदयात्रा का बीकापुर क्षेत्र में पहुंचने पर जगह-जगह स्वागत किया गया।शुक्रवार को अयोध्या की बीकापुर तहसील गेट पर अधिवक्ताओं और ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया।

सांसद संजय सिंह ने बताया कि पदयात्रा का उद्देश्य युवाओं सहित समाज के सभी वंचित वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि जब तक लोग एकजुट होकर अपने हक की लड़ाई नहीं लड़ेंगे,तब तक बदलाव संभव नहीं है।

मौजूदा सरकार लोगों को धर्म के नाम पर बांटकर असली मुद्दों रोजगार, किसानों की समस्याओं और सामाजिक न्याय से ध्यान भटकाने का काम कर रही है। दलित, पिछड़े, किसान और युवा अपने को आज ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। यह देश संविधान की मूल भावना के अनुसार ही चलेगा। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें संघर्ष के लिए एकजुट करना है। स्वागत कर्ताओं में इमरान खान, मनोज मिश्रा, दिलीप वर्मा सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सुझाव

सेंधा नमक अपनाएं, चेहरे के गड्ढों को दूर भगाएं

क्या आप भी अपनी त्वचा पर होने वाले कील-मुंहासों के बाद होने वाले गड्डों से परेशान है और इन्हें दूर करने के लिए उपायों की खोज कर रहे हैं तो सॉल्ट स्क्रब आपकी इस समस्या को बहुत आसानी से दूर कर सकता है। जी हां अब आपको खूबसूरत त्वचा पाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे कॉस्मेटिक का सहारा लेने की जरूरत नहीं है।

आप सेंधा नमक स्क्रब की मदद से खूबसूरत त्वचा पा सकते हैं। सेंधा नमक एक बेहतरीन ब्यूटी प्रोडक्ट है। इसके इस्तेमाल से डेड स्किन तो साफ होती है साथ ही ब्लैकहेड्स भी दूर हो जाते हैं और चेहरे के गड्डे भी तेजी से भरता है। आइए जानें त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करने के लिए सेंधा नमक का इस्तेमाल कैसे किया जाता है।

सेंधा नमक और ओटमील स्क्रब

नमक और ओटमील का स्क्रब ऑयली त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। इसके लिए आप ओटमील और सेंधा नमक को अच्छी तरह मिला लें और इसमें कुछ बूंदे नींबू के रस और बादाम के तेल की मिक्स कर लें। फिर इस स्क्रब से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। कुछ देर स्क्रब करने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

सेंधा नमक और जैतून के तेल का स्क्रब

सेंधा नमक को अगर आप जैतून के तेल में मिलाकर चेहरे पर लगाते हैं तो इससे आपके चेहरे में निखार आता है। अगर आपकी त्वचा ड्राई है तो सॉल्ट और ऑयल का यह पेस्ट आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि यह आपके चेहरे को नमी प्रदान करता है।

सेंधा नमक और नींबू का स्क्रब

त्वचा के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए सेंधा नमक में कुछ बूंदे नींबू की मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर इससे अपने चेहरे पर स्क्रब करें। हफ्ते में दो बार ऐसा करने से आप मुंहासों, ब्लड हैड्स और व्हाइटहेड्स को आसानी से दूर कर सकते हैं।

सेंधा नमक और शहद का स्क्रब

सेंधा नमक और शहद का स्क्रब त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। शहद टैनिंग को दूर करने का काम करता है और यह त्वचा को नमी भी प्रदान करता है। इस स्क्रब को बनाने के लिए एक कटोरी में सेंधा नमक लेकर उसमें कुछ बूंदें शहद की मिलाएं। अब इसे अच्छी तरह से मिक्स करके चेहरे पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। सूखने के बाद त्वचा को पानी से धो लें। इस उपाय को हफ्ते में दो बार करें।

यौन शोषण से अपने बच्चे को बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

आप अपने बच्चों को कुछ ऐसी बातें बता सकते हैं जो उन्हें मजबूत बनाने के साथ ही उन्हें ये भी बताएंगी कि अगर वे किसी मुसीबत में पड़ जाएं तो उन्हें क्या करना चाहिए.

क्या आपका बच्चा दर्द से कराहता हुआ घर वापस आता है, उसकी आंखों में आंसू हैं और वह चुपचाप घर के कोने में बैठ जाता है? क्या आपका बच्चा घर के बाहर किसी से डरता है? सावधान हो जाइए! शायद आपका बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार है. ऐसा ही कुछ एक चार साल की बच्ची के साथ स्कूल में हुआ है. बच्ची के साथ पढ़ने वाले एक बच्चे ने उसके अंडरवियर में अपनी अंगुली डाली और फिर उसने पेंसिल छीलकर उसे भी उसके अंदर डाल दिया. बच्ची की मां का कहना है कि इससे बच्ची को गहरा घाव हो गया है.

बच्ची के साथ यौन छेड़छाड़

बच्चों का यौन उत्पीड़न भले ही असामान्य लगे, लेकिन ऐसा है नहीं. यह दुर्भाग्यपूर्ण जरूर है, लेकिन असामान्य नहीं है. आप जितना सोच भी नहीं सकते उससे भी ज्यादा मामले ऐसे हैं जो सीधे तौर पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े हुए हैं. यह बहुत दुखद है कि कुछ लोग अपनी काम वासना पर नियंत्रण नहीं कर पाते और बच्चों को अपना शिकार बिना लेते हैं. और इससे बुरी बात क्या हो सकती है कि इस विकृति की कोई उम्र नहीं है. चार साल की वो बच्ची अपने ही क्लासमेट की विकृति का शिकार हुई. जिस चार साल के लड़के ने यह सब किया उसकी उम्र ही क्या है.

इसमें भी जो सबसे खराब बात है वो ये है कि उन डरे हुए बच्चों को तो यह भी नहीं मालूम है कि उनके साथ हो क्या रहा है और उन्हें इसके बारे में किससे बात करनी चाहिए. हो सकता है कि आपका बच्चा जिंदगी के सबसे कड़वे अनुभव से गुजर रहा है और आपको उसक बारे में पता भी नहीं है. यौन उत्पीड़न वो जोंक है जो बच्चों का बचपन उजाड़कर उनका सामना दुनिया के अंधेरे पहलुओं से करा रही है. आप दुनिया की इन अंधेरी गलियों को गायब नहीं कर सकते, लेकिन आप इसके खतरे को कुछ कम जरूर कर सकते हैं. आप अपने बच्चों को कुछ ऐसी बातें बता सकते हैं जो उन्हें मजबूत बनाने के साथ ही उन्हें ये भी बताएंगी कि अगर वे किसी मुसीबत में पड़ जाएं तो उन्हें क्या करना चाहिए. यहां पर हम आपको ऐसी कुछ टिप्स दे रहे हैं जो इस तरह की दरिंदगी से आपके बच्चों की रक्षा करेंगी

बच्चे की दिनचर्या जानें

अपने बच्चे से बातचीत करें. बच्चे को बोलने के लिए प्रोत्साहित करें और उससे पूछें कि उसने दिन भर क्या-क्या किया. उनके साथ बैठें, बातें करें क्योंकि उन्हें कई बार अंदाजा नहीं होता है कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है. वो शायद इतने समझदार न हों कि इन गलत बातों के बारे में समझ सकें लेकिन आप तो समझदार हैं. है न?

सिखाएं प्यार जताने का तरीका

कई बार आप जिस तरह से अपने बच्चे को लाड़ करते हैं वैसे ही यौन हमलावर भी करते हैं. जैसे कि जब आप थोड़ी थकान महसूस करते हैं या परेशान होते हैं तो आप अपने बच्चे से आपको किस और हग करने के लिए कहते हैं. इससे आपका बच्चा यह समझने लगता है कि जब कोई दुखी होता है तो उसे खुश करने के लिए यही किया जाता है. इसी तरह का रवैया हमलावर आपके बच्चे पर भी आजमा सकता है. ऐसे में आपको अपने ढंग से बच?चों को प्यार जताने का तरीका सिखाना होगा.

शरीर के बारे में बताएं

बच्चों को उनके बॉडी पार्ट्स के बारे में बताएं. अगर ज्यादा डिटेल में नहीं बता सकते तो कम से कम ये जरूर बताएं कि शरीर के कौन से हिस्से बेहद प्राइवेट होते हैं, जिन्हें कोई नहीं छू सकता.

बच्चे आप से बात करें

अपने बच्चों से कहिए कि वो आपके पास आकर बात करें. बच्चों के साथ मजबूत कम्यूनिकेशन बनाना बेहद जरूरी है ताकि वे आपसे बात कर सकें. उन्हें सिखाईये कि वे आपसे बातें छिपाएं नहीं और जानने के बाद आप गुस्सा होने के बजाए खुश होंगे. आप उन्हें भरोसा दिलाइए कि आप उनकी मदद करेंगे और उन्हें सुरक्षा देंगे.

सही-गलत की पहचान

बच्चों को बताइए कि किस तरह का बर्ताव गलत है और उसके बारे में किसी बड़े को जल्द से जल्द बताना चाहिए. हालांकि यौन उत्पीड़न जननांगों के अलावा होंठ, टांगें, गरदन और यहां तक कि बांहों तक ही सीमित नहीं है, लेकिन इनके बारे में बताकर आप शुरुआत तो कर ही सकते हैं. उन्हें बताइए कि किस तरह का टच सही और किस तरह का बर्ताव बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और उसके बारे में जितना जल्दी हो सके आपको बताना है.

सीक्रेट फैक्टर

ज्यादातर यौन हमलावर इसे दो लोगों के बीच का सीक्रेट कहते हैं और इसके बारे में किसी को भी बताने से मना कर देते हैं. आप अपने बच्चों को सिखाइए कि कोई भी बात मम्मी-पापा से नहीं छिपानी चाहिए. उन्हें बताइए कि इस तरह की सीक्रेट बातें छिपाना खतरनाक हो सकता है.

किन लोगों पर भरोसा करें बच्चे

अपने बच्चों को बताइए कि वे किन लोगों पर भरोसा कर सकते हैं और किनसे उन्हें दूर रहना है. लेकिन इससे भी जरूरी उन लोगों का चुनाव करना आपकी जिम्मेदारी है. आपका बच्चा जिस स्कूल में जाता है, जो टीचर आपके बच्चे को देखती है, जो बेबीसिटर आपके बच्चे की देखभाल करता है और यहां तक कि हर वो आदमी जो किसी न किसी रूप में आपके बच्चे से जुड़ा हुआ, उसका चुनाव करते समय बेहद सावधानी बरतें ताकि उस पर आप भरोसा कर सकें..देखा जाए तो हमारे बच्चे कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं, चारों ओर ही दरिंदे हैं. ऐसे समय में जरूरी है कि आप अपने बच्चे के साथ ताकतवर बॉन्ड बनाएं और इन सब का सामना करने के लिए उन्हें मजबूत बनने में उनकी मदद करें. याद रखिए आपके बच्चे का दरिंदा चार साल का क्लासमेट भी हो सकता है.

सुझाव

फोबिया को रोकते हैं शरीर के नैसर्गिक दर्द निवारक

किसी हालात को देखकर या सोचकर डर जाना। उससे बचने की हर संभव कोशिश करना। उन हालात में आते ही हाथ-पैर फूल जाना। फोबिया एक ऐसी समस्या है, जो किसी भी व्यक्ति को हो सकती है। लेकिन, ज्यादातर लोग इसे पहचान नहीं पाते। वे इससे बचने का हर संभव प्रयास करते हैं। आइये जानें क्या है फोबिया और कैसे शरीर के दर्द निवारक ही इससे बचने का उपाय हो सकते हैं।

क्या है फोबिया: फोबिया एक प्रकार का मानसिक रोग है। इसमें व्यक्ति को किसी खास चीज, काम अथवा हालात के प्रति डर उत्पन्न हो जाता है। व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर के बारे में सोचते ही इन्सान की मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर बुरा प्रभाव पड़ने लगता है। जरूरी नहीं कि यह डर वास्तविक हो। कई बार काल्पनिक डर भी काफी भयातीत कर देता है। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

दर्द निवारकों में छुपा इलाज: मानव शरीर की दर्द निवारक प्रणाली में ही फोबिया (किसी चीज का भय) से लड़ने की क्षमता होती है। शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय दल ने यह अध्ययन किया। इन लोगों ने पाया कि लोगों में भय को बढ़ाने वाले कारक की स्थिति शरीर की दर्द निवारक प्रणाली के चलते ही एक सीमा के बाद कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में 30 पुरुषों को शामिल किया। ब्रेन स्कैन से पता चला कि इस दौरान जिन लोगों की ओपायड (उन्माद पैदा करने वाली तंत्रिकाएं) प्रणाली सक्रिय थी, उनके एमाइग्डेला (मस्तिष्क का एक खास हिस्सा) में भय के लक्षण दिखाई दिए। ऐसे लोगों ने जब भी दर्द के संकेत देखे, उनके एमाइग्डेला में तेज प्रतिक्रिया देखी गई।

फोबिया के लक्षण

- फोबिया पीड़ित आम लोगों की ही तरह ही नजर आते हैं। रोग का पता तभी चल पाता है जब व्यक्ति का या तो अपने डर से सामना होता है या फिर वह कोई उसके बारे में बात करता है। फोबिया पीड़ित व्यक्ति अपने डर से बचने का ही प्रयास करते रहते हैं। वे उन हालातों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, जिनसे उन्हें डर लगता है। लेकिन, अनजाने में अपना डर सामने आने पर फोबिया का दौरा पड़ने की आशंका बढ़ जाती है।
- फोबिया का दौरा पड़ने पर तनाव, बेचैनी, बहुत ज्यादा पसीना आना, हालात से दूर भागने की कोशिश करना, सिर में दर्द व भारीपन, अजीब-अजीब सी आवाजें सुनाई देना। फोबिया पीड़ित व्यक्ति की दिल की धड़कन काफी तेज भागने लगती है। उनकी सांसों की रफ्तार तेज हो जाती है और उन्हें चक्कर आने की शिकायत भी हो सकती है। डायरिया, पेट खराब और शरीर में दर्द जैसी परेशानियां भी नजर आ सकती हैं।
- इन हालात में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

मेकअप आपको कहीं बदसूरत तो नहीं बना रहा..

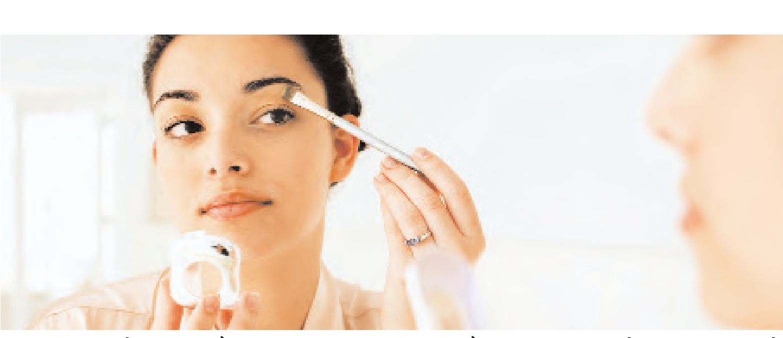

आज हर कोई स्मार्ट और खूबसूरत दिखना चाहता है। इस रेस में सबसे आगे लड़कियां होती है। वह कभी किसी से कम नहीं दिखना चाहती है। जिसके कारण कभी-कभी उनकी खूबसूरती एक चूक के कारण बदसूरती में बदल जाती है। इसमें सबसे अहम चीज होती है वह है फाउंडेशन। अगर आपने ठीक ढंग का फाउंडेशन का इस्तेमाल न किया तो आपको यह भारी पड़ सकता है। स्किन के अनुकूल सही फाउंडेशन का पता लगाने के लिए आपको अंडरटोन के बारे में सही से पता होना चाहिए, ताकि त्वचा की बाहरी रंगत और आंतरिक रंगत में अंतर पता चले। अंडरटोन गर्म, तटस्थ और ठंडा तीन प्रकार के होते हैं।अंडर टोन का पता आप अपनी कलाई की नसों के रंग से कर सकती हैं अगर आपके कलाई की नस की रंगत नीली या बैंगनी है और यह सूरज की रोशनी में लाल पड़ जाती है । तो आपका अंडरटोन ठंडा है। गर्म अंडरटोन वालों का नस हरा व हल्का पीले रंग का होता है और तटस्थ अंडरटोन वालों का नीला, हरा और बैंगनी मिक्स रंग होता है। जानिए किस स्किन के लिए कौन सा फाउंडेशन ठीक होगा।

- **मिनरल फाउंडेशन-** यह फाउंडेशन मुंहासों वाले और सवंदनशील त्वचा के लिए उपयुक्त होता है। यह लंबे समय तक टिका भी रहता है।
- **फाउंडेशन स्टिक-** यह फाउंडेशन दाग-धब्बों वाली त्वचा के लिए सही होता है। इसे ब्रश से या सीधे चेहरे पर लगाकर सही से मिला ले।
- **मूस फाउंडेशन-** यह क्रीमी-बेस फाउंडेशन सामान्य व तैलीय त्वचा के लिए सही है। यह त्वचा में चमक लाता है।
- **लिक्विड फाउंडेशन-** यह विभिन्न प्रकार जैसे मैट और सैटिन आदि में उपलब्ध होते हैं। यह सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त है।
- **क्रीम फाउंडेशन-** यह फाउंडेशन दुल्हन के लिए या दाग-धब्बे, मुंहासो और समास्याग्रस्त त्वचा के लिए उपयुक्त होता है।
- **पाउडर डुअल कॉम्पैक्ट-** रूखी त्वचा वाली महिलाएं ब्रश गीला करके और तैलीय त्वचा वाली महिलाएं इसे पाउडर की तरह लगाएं, इसे लिक्विड फाउंडेशन के ऊपर से बढ़िया लुक पाने के लिए भी लगाया जा सकता है।

रेसिपी

सौंठ के लड्डू का सेवन

सामग्री

एक तिहाई कप पीसी हुई सोंठ - 1/3 कप (25 ग्राम), तीन कप कप गेहूं का आटा, दो कप गुड़ या फिर चीनी, आधा कप देशी घी, एक कप कद्दूकस किया हुआ नारियल, आधा कप छोटे-छोटे टुकड़ो में गोंद, पीसा हुआ बादाम, बारीक कटे थोडा काजू,या फिर आप अपनी पसंद के कोई भी मेवा ले सकते हैं

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में घी डालकर गर्म करें। फिर गैस का आंच धीमी करके इसमें गोंद डालकर भूने। इसके बाद जब यह भून जाए तो इसे एक प्लेट में निकाल लें। इसके बाद बचे हुए घी में आटा डालकर हल्का ब्राउन होने तक भूनें। फिर इसे जल्द ही एक प्लेट में निकाल लें। अब फिर कढ़ाई में थोड़ा सा घी डालकर गर्म करें और उसमें सोंठ डालकर कम से कम दो मिनट भूने। इसके बाद इसे आटा में डालकर मिक्स कर लें। ठंडी हो चुकी गोंद को बेलन की सहायता से कूट लें। इसके बाद एक कढ़ाई में गुड डालकर थोड़ा पानी डाले और इसे पिघलने दे। जब यह एक तार का बन जाए तो गैस बंद करके इसमें धीरे से आटा, सोंठ,गोंद, बादाम पाउडर, नारियल और पिस्ते डालकर अच्छी तरह से मिला लें। इसके बाद हाथ में थोडा सा पानी लगाकर इस मिश्रण को थोड़ा लेकर लड्डू के आकार में बना लें। हाथ में पानी सिर्फ इतना लगाए कि हाथ न जल पाए। इसके बाद सभी मिश्रण का लड्डू बनाकर एक हवा बंद कंटेनर में रख लें। जिसे आप कई दिनों तक खा सकते है।

रोज पिएं एक कप ब्लैक टी रहेंगे हमेशा फिट

अगर आप अपने बढ़ते वजन से परेशान हैं और वेट लूज़ करना चाहते हैं तो ब्लैक टी आपके लिए बहुत फायदेमंद है। एक स्टडी के मुताबिक ये पाया गया है कि ब्लैक टी ना सिर्फ आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होती है बल्कि ये आपको कई बीमारियों से भी बचाती है। पढ़ें ब्लैक टी के 5 फायदे जो आपको रखेंगे सेहतमंद।

वजन कम करने में सहायता: ज्यातार लोगों के उनका मोटापा या लगातार बढ़ता वजन परेशानी बन जाता है। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट में रोज एक कप ब्लैक टी पीएंगे तो आपके लिए फायदेमंद रहेगा। रोज ब्लैक टी पीने स शरीर में जमा एक्स्ट्रा चर्बी घट जाती है और वजन घटने लगता है।

दिल का रखें ख्याल: अगर आप रोज़ एक कप ब्लैक टी पीएंगे तो आपका दिल भी स्वस्थ रहेगा। ब्लैक टी हार्ट को हेल्दी रखने में मदद करती है। ब्लैक टी में कुछ ऐसे तत्व मौजूद होते हैं जो आपके शरीर से कॉलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम कर देते हैं। ब्लैक टी पीने से बाल भी अच्छे रहते हैं।

पसीने की बदबू से मिलेगा छुटकारा: अगर आप अपनी बॉडी से आने वाली बदबू से परेशान हैं तो ब्लैक टी आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ब्लैक टी आपकी बॉडी में बैक्टेरिया को पनपने नहीं देती जिससे पसीने की बदबू नहीं आती।

तनाव दूर करने में मदद: भागदौड़ भरे दिनचर्या की वजह से लोग आजकल बहुत तनाव में रहते हैं। जिसकी वजह से आपके शरीर में कई बीमारियां पैदा हो जाती हैं। ऐसे में अपनी डाइट में ब्लैक टी शामिल करें जिससे आपका स्ट्रैस लेवल कम होगा। ब्लैक टी पीने से याद्दाशद भी मज़बूत होती है।

कैंसर से लडने में फायदेमंद: ब्लैट टी पीने से कैंसर होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। रोजाना एक कप ब्लैक टी कैंसर से बचाव में मददगार है।

कोकोनट कबाब

सामग्री

2-3 गाजर कटी हुई, दो आलू कटे हुए, तीन अंडे, एक चम्मच बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच काली मिर्च पाउडर, एक चम्मच मेथी दाना,एक कप मैदा, एक कप कद्दूकस किया हुआ नारियल,ऑयल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले सभी सब्जियां को एक गहरे पैन में डाले और आवश्कतानुसार पानी डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। उबलने के बाद इसमें हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर और मेथी दाने डालकर अच्छी तरह से मैश करके मिला लें। इसके बाद अपने हाथों में थोड़ा सा तेल लगाकर इस मिश्रण से टिक्कियां बना लें। इसके बाद एक बाउल में अंडा डालकर फैट लें और इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। आपने जो टिक्कियां तैयार की है उन्हें अंडे और मैदे के इस मिश्रण में डिप करें और फिर इन्हें कद्दूकस किए हुए नारियल से लपेटकर तलने के लिए तैयार कर लें। अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गर्म करें। जब गर्म हो जाएं तो आंच धीमी करके इसमें टिक्कियां डाल दें और दोनों साइड से गोल्डन ब्राउन होने तक तलें। आपके कोकोनट कबाब बनकर तैयार है।

संपादकीय

दो सौ आतंकी हमलों की साजिश

कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद केंद्र ने दिल्ली विस्फोट को 'जघन्य आतंकी घटना' करार दिया है। इसे देश-विरोधी ताकतों की आतंकी करतूत माना है, लिहाजा फिर दोहराया गया है कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी और आतंकियों तथा उनके आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा। हमारी जांच और सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार छापेमारी कर जो साक्ष्य, डायरियां, नोटबुक्स आदि बरामद की हैं, उनसे 'डॉक्टर आतंकी गिरोह' के खौफनाक, नरसंहारी मंसूबे बेनकाब हुए हैं। दरअसल आतंकी 26 जनवरी, 2025 को ही लालकिले पर हमला करना चाहते थे। डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर नबी (दिल्ली विस्फोट में भस्म) ने कई बार लालकिले की रेकी की थी और सुरक्षा-व्यवस्था तथा यातायात की जानकारियां जुटाई थीं, लेकिन वह साजिश नाकाम रही। अब प्रभु श्रीराम की अयोध्या सबसे पहले निशाने पर है। 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर 'भगवा ध्वज' फहराने की रस्म प्रधानमंत्री मोदी निभाएंगे। जाहिर है कि वह एक भव्य आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समारोह होगा।

देश-विरोधी ताकतों की आतंकी करतूत माना है, लिहाजा फिर दोहराया गया है कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी और आतंकियों तथा उनके आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा। हमारी जांच और सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार छापेमारी कर जो साक्ष्य, डायरियां, नोटबुक्स आदि बरामद की हैं, उनसे 'डॉक्टर आतंकी गिरोह' के खौफनाक, नरसंहारी मंसूबे बेनकाब हुए हैं। दरअसल आतंकी 26 जनवरी, 2025 को ही लालकिले पर हमला करना चाहते थे। डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर नबी (दिल्ली विस्फोट में भस्म) ने कई बार लालकिले की रेकी की थी और सुरक्षा-व्यवस्था तथा यातायात की जानकारियां जुटाई थीं, लेकिन वह साजिश नाकाम रही। अब प्रभु श्रीराम की अयोध्या सबसे पहले निशाने पर है। 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर 'भगवा ध्वज' फहराने की रस्म प्रधानमंत्री मोदी निभाएंगे। जाहिर है कि वह एक भव्य आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समारोह होगा। आतंकी उस दौरान अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने की सोच रहे हैं। इसका खुलासा बरामद दस्तावेजों और आरोपित आतंकियों से पूछताछ के दौरान सामने आया है।

आतंकी उस दौरान अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने की सोच रहे हैं। इसका खुलासा बरामद दस्तावेजों और आरोपित आतंकियों से पूछताछ के दौरान सामने आया है। आतंकी 25 नवंबर के बजाय 6 दिसंबर को 'राम मंदिर परिसर' में ही आतंकी विस्फोट कर सकते हैं। 1992 में इसी तारीख पर कथित बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था। बहरहाल सिर्फ लालकिला ही नहीं, राजधानी दिल्ली का 'इंडिया गेट', गौरीशंकर मंदिर, कांस्टीट्यूशन क्लब (सांसदों की आवाजाही का स्थान), बड़े शॉपिंग मॉल्स, प्रमुख रेलवे स्टेशन आदि भी 'व्हाइट कॉलर आतंकी गिरोह' के निशाने पर हैं। उनकी साजिश है कि 200 से अधिक विस्फोटक आईईडी बनाए जाएं और दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद में 26/11 आतंकी हमले की तर्ज पर नरसंहार किया जाए। आतंकी एक साथ करीब 200 आईईडी विस्फोट करने की साजिश पर काम कर रहे थे। फरीदाबाद में जो 2900 किग्रा. अमोनियम नाइट्रेट और आरडीएक्स बरामद किया गया था, वह इसी साजिश के मद्देनजर जमा किया जा रहा था। जनवरी, 2025 से 'आतंकी डॉक्टर' और जैश-ए-मुहम्मद के गुरगे फरीदाबाद के 3-4 कमरों में विस्फोटक जमा कर रहे थे, लेकिन उन बोरों में खाद बताई जाती थी। विस्फोटक सामग्री और रसायन बांग्लादेश के रास्ते, नेपाल रूट से, फरीदाबाद तक लाए गए। अब भी करीब 300 किग्रा. विस्फोटक की तलाश की जा रही है, क्योंकि जांच एजेंसियों को कुल 3200 किग्रा. विस्फोटक होने का खुलासा किया गया है। यह खुफिया-तंत्र की भी बहुत बड़ी नाकामी है, जो इतना विस्फोटक फरीदाबाद के दो गांवों तक पहुंच गया और उसकी भनक तक नहीं लग पाई। यह भी खुलासा अब सामने आया है कि डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर 2021 से तुर्किए जा रहे थे। दोनों के पासपोर्ट में तुर्किए के स्टाम्प मिले हैं। जनवरी, 2025 में दोनों ने शैक्षणिक एवं पेशेवर यात्राएं कीं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के जरिए यह खुलासा हुआ है कि तुर्किए में दोनों की मुलाकात जैश के हैंडलर से हुई। हैंडलर का कूटनाम 'उकासा' बताया गया है। उमर हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहा था और 2021 की यात्रा के बाद ही 'जेहादी कट्टरवाद' की ओर गया। अब खुफिया एजेंसियां तुर्किए में रहने वाले करीब 2000 कश्मीरियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। बहरहाल 'डॉक्टर आतंकवाद' का अनुभव भारत के लिए नया है। कोई यकीन भी नहीं कर सकता कि इनसान की जान बचाने वाले डॉक्टर ही 'आतंकी' बन सकते हैं, लेकिन यह आज का वीभत्स और कुरूप यथार्थ है। प्रधानमंत्री मोदी भूटान से लौटते ही लोकनायक अस्पताल में इलाजरत घायलों का हालचाल जानने गए। उन्होंने घायलों के प्रति हमदर्दी जताई, दिलासा दी और बातचीत की। उनसे पहले गृहमंत्री अमित शाह भी, विस्फोट के दिन ही, अस्पताल गए थे। आम आदमी की तकलीफ में हमारे सत्ताधीश नेताओं की यह मुद्रा सुकून देती है, लेकिन आतंकवाद की नई लड़ाई बहुत लंबी और पेचीदा है। उधर पाकिस्तानी फौज ने जैश के सरगना को सेना के 'सेफ हाउस' में भेज दिया है। पाकिस्तानी हुकूमत में दहशत और तनाव है कि भारत इस बार भी हमला कर सकता है, लिहाजा सरहद पर मोर्चेबंदी शुरू हो गई है। देखते हैं कि अब राजधानी में ही विस्फोट और हत्याओं के बाद भारत सरकार क्या फैसला लेती है? पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया जाना चाहिए क्योंकि वह भारत में आतंकवादी गतिविधियों को फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। वह भारत की चेतावनी को बार-बार अनदेखा कर रहा है।

कुछ अलग

सीजन ऑफ चमचागिरी

भाया! बरखा के सीजन की तरह चमचागिरी का भी अपना एक सीजन होता है। सरकारी दफ्तरों में प्रमोशन, ट्रांसफर, डीपीसी की लिस्ट निकलने की आहट आने से ही इस बरखा के सीजन की शुरुआत होती है। मेहनत परिश्रम का सस्ता सा रेनकोट घर से लेकर चले थे, सो ठीक है। बढ़िया है। लेकिन, अगर प्रगति की परमानेंट खुशी चाहते थे तो चमचागिरी का बड़ा, काला, नकली पॉलिएस्टर का बड़ी डंडी वाला छाता लेकर घर से क्यों नहीं निकले थे? पत्नी चिल्लाई थी- 'अरे! सुनिए जी, छाता तो ले जाइए...वैसे भी अगले महीने आपका प्रमोशन ड्यू है।' ये बरखा का क्रिटिकल पीरियड सचमुच बहुत कुछ या तो दे जाता है या फिर सब कुछ बहाकर ले जाता है। पिछले दिनों आपने देख ही लिया। अब जैसे ही बॉस के मूड के बादल छाते दिखे, बस तभी अपना छाता खोलकर बॉस के सिर के साथ अटैच कर लेना। शेयरिंग की पावर में बहुत दम होता है। ऐसे में अपनी इस गजब की कारिस्तानी को समय पर अगर तुमने अप्लाई कर लिया, तो तुम्हारे वारे के न्यारे समझो। और भई! गर तुम्हारी रिश्तेदारी है ऊपर के टॉप फ्लोर तक, तो इस सीजन की बुरी मार से तुम बढ़िया से बच सकते हो। तब तो न कोई ट्रांसफर और न कोई डिमोशन। बॉस को बरखा के सीजन में जुकाम होने पर। बॉस की बहती नाक...जेब से निकालो रुमाल...तुरंत मेज के नीचे से...बॉस की तरफ खिसका दो।

आतंकवाद के काम के लिए जैश-ए-मोहम्मद और अंसार-गजावत-उल-हिन्द को जिम्मेदार माना जा रहा

आतंकवाद का बदलता स्वरूप

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

दिल्ली में हुए इस विस्फोट से पहले जम्मू-कश्मीर और हरियाणा की पुलिस ने इस नैटवर्क के कुछ प्रमुख लोगों को पकड़ लिया था। 9 नवम्बर को ही गुजरात पुलिस ने एक आतंकवादी संगठन के कुछ लोगों को गिरफ्तार किया जो किसी बड़ी वारदात का मौका तलाश रहे थे। लेकिन गुजरात व दिल्ली/कश्मीर से पकड़े गए आतंकवादियों में एक नई समानता दिखाई दे रही है। गुजरात में जो तीन लोग पकड़े गए हैं उनका सरगना आन्ध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) का डाक्टर सैयद अहमद मोहिउद्दीन है। यह डाक्टर चीन में लम्बे अरसे तक डाक्टरी सीख कर आया है। यह प्रयोगशाला में रिसिन नाम का जहर तैयार कर रहा था। यह जहर दुनिया का सबसे घातक जहर है। न इसकी गंध होती है और न ही स्वाद। इसलिए यदि इसको किसी केन्द्रीकृत जल स्रोत में मिला दिया जाए दो तबाही मचा सकता है। इस जहर वाले डाक्टर के दूसरे दो सहायक शेख आजाद सुलेमान और मोहम्मद सुहेल सलीम भी पकड़े गए हैं।

दिल्ली में दस नवंबर को लाल किला के पास बम विस्फोट से अनेक निर्दोष लोगों की जान चली गई। आतंकवाद के काम के लिए जैश-ए-मोहम्मद और अंसार-गजावत-उल-हिन्द को जिम्मेदार माना जा रहा है। दिल्ली में हुए इस विस्फोट से पहले जम्मू-कश्मीर और हरियाणा की पुलिस ने इस नैटवर्क के कुछ प्रमुख लोगों को पकड़ लिया था। 9 नवम्बर को ही गुजरात पुलिस ने एक आतंकवादी संगठन के कुछ लोगों को गिरफ्तार किया जो किसी बड़ी वारदात का मौका तलाश रहे थे। लेकिन गुजरात व दिल्ली/कश्मीर से पकड़े गए आतंकवादियों में एक नई समानता दिखाई दे रही है। गुजरात में जो तीन लोग पकड़े गए हैं उनका सरगना आन्ध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) का डाक्टर सैयद अहमद मोहिउद्दीन है। यह डाक्टर चीन में लम्बे अरसे तक डाक्टरी सीख कर आया है। यह प्रयोगशाला में रिसिन नाम का जहर तैयार कर रहा था। यह जहर दुनिया का सबसे घातक जहर है। न इसकी गंध होती है और न ही स्वाद। इसलिए यदि इसको किसी केन्द्रीकृत जल स्रोत में मिला दिया जाए दो तबाही मचा सकता है। इस जहर वाले डाक्टर के दूसरे दो सहायक शेख आजाद सुलेमान और मोहम्मद सुहेल सलीम भी पकड़े गए हैं। तीनों ने अहमदाबाद, लखनऊ और दिल्ली की अनेक बार रेकी भी की। लेकिन वे किसी वारदात को अंजाम दे पाते उससे पहले ही गुजरात पुलिस की गिरफ्त में आ गए। जिन दिनों तेलंगाना के डा. सैयद अहमद मोहिउद्दीन भारत पर आतंकवादी आक्रमण के लिए रासायनिक हथियार बना रहा था, उन्हीं दिनों कश्मीर और लखनऊ में भी कुछ डाक्टर इसी काम में लगे हुए थे। लेकिन वे जहर के रासायनिक हथियार नहीं बना रहे थे बल्कि वे विभिन्न रसायनों को मिला कर उच्च गुणवत्ता के विस्फोटक तैयार कर रहे थे। तीन हजार किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ तो अभी तक पुलिस अपने कब्जे में ले चुकी है। ये डाक्टर फरीदाबाद के अलफलाह विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला में सक्रिय थे। पुलिस को संदेह है कि विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं का प्रयोग छात्रों को कुछ सिखाने के साथ साथ विस्फोटकों पर भी प्रयोग तो नहीं किए जा रहे थे? अभी तक आतंकवाद को लेकर विद्वान लोग यही व्याख्या कर रहे

थे कि बेरोजगारी के कारण हताशा में युवा पीढ़ी बंदूक उठा लेती है। केवल आतंकवाद ही नहीं माओवाद/नक्सलवाद को लेकर भी बुद्धिजीवी यही तर्क देते हैं। ये तर्क वे लोग देते हैं जिनके कान भीतर की आवाज को सुन नहीं पाते। वे लोग अपना बौद्धिक आतंक व नेतृत्व जमाए रखने के लिए इस प्रकार की हवाई व्याख्याएं देते हैं। जबकि आतंकवाद का मूल कहीं और है। आतंकवाद महज हताशा या दुस्साहस नहीं है। इसके पीछे पूरी विचारधारा होती है। उस विचारधारा के आधार पर कुछ प्राप्त करने की कल्पना की जाती है। उस प्राप्ति के लिए आतंक, हत्या को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। यह ध्यान रखना चाहिए कि आतंकवाद महज एक साधन है जिसके प्रयोग से कोई व्यक्ति या समूह प्रचलित व्यवस्था के स्थान पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित करना चाहता है। वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित करने के लिए दूसरे तरीके भी हैं। सबसे प्रचलित तरीका लोकतांत्रिक तरीका है। इससे लोगों को अपना मत व्यक्त करने का अवसर दिया जाता है। लेकिन जब किसी ग्रुप को लगता है कि लोग उनके साथ नहीं हैं, वे उस व्यवस्था से सहमत नहीं हैं जो व्यवस्था यह ग्रुप स्थापित करना चाहता है। उस स्थिति में इस प्रकार के विशेष ग्रुप आतंक का सहारा लेते हैं। आतंक फैलाने के लिए हिंसा और हत्या का सहारा लिया जाता है। लेकिन वे जानते हैं कि किसी दोषी की हत्या से आतंक नहीं फैलता। उससे तो आम आदमी ख़ुश ही होते हैं। इसलिए निर्दोषों की हत्या करके आतंक फैलाया जाता है। आतंकवाद और नक्सलवाद का मूल इसी व्याख्या में छिपा हुआ है। लेकिन प्रश्न यह है कि भारत में जो समूह अलग अलग या मिल कर आतंकवाद का प्रयोग कर रहे हैं, वे आखिर क्या प्राप्त करना चाहते हैं? ऐसी कौन सी वैकल्पिक व्यवस्था है जो वे भारत में स्थापित करना चाहते हैं? इसकी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कई बार ये समूह व्याख्या कर चुके हैं या करते रहते हैं। ये समूह मानते हैं कि भारत में सदियों पहले जो प्रयोग शुरू किया था, वह अभी तक सफल नहीं हो सका। अधूरा रह गया है। ये समूह भारत को दारुल इस्लाम बनाना चाहते हैं। दरअसल एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) के शासन का जब भारत में से अन्त हुआ तब तक वे भारत को इस्लामी देश बनाने में सफल नहीं हो सके थे। उससे पहले ही भारत में एक दूसरी विदेशी ताकत आ गई थी जो ईसाई बिरादरी से ताल्लुक रखती थी। भारत में एटीएम की सत्ता ही समाप्त नहीं हुई बल्कि एटीएम की अपनी हालत ही दयनीय हो गई। भारत के देसी मुसलमानों से उनका कोई ताल्लुक नहीं था। हिन्दुस्तान में जो मुसलमान थे वे देसी मुसलमान थे जो इस एटीएम के शिकार थे न कि शिकारी। सत्ता से हट कर जब एटीएम मूल के मुसलमान जमीन पर उतरे तो उनकी संख्या महज दो तीन प्रतिशत ही थी। इसलिए अपनी अगली रणनीति के लिए वे नए अंग्रेज शासकों की शरण में चले गए। एटीएम की उसी रणनीति में से अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी निकली और उसी रणनीति के चलते भारत के एक हिस्से को पाकिस्तान के नाम से इस्लामिक देश घोषित किया गया। लेकिन मकसद तो ईरान की तरह पूरे हिन्दुस्तान को इस्लामी देश बनाना था। इसे महज संयोग ही कहा जाएगा कि विश्व में सोवियत रूस और अमेरिका की दादागिरी में, रूस को सबक सिखाने के लिए अमेरिका को रणनीति के चलते इस्लामी आतंकवाद की जरूरत पड़ गई। इसके लिए पाकिस्तान अमेरिका से पैसा लेकर अपने यहां आतंकवाद की प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए तैयार हो गया। सभी आतंकवादी समूह इसी प्रयोगशाला में से निकले। इन प्रयोगशालाओं का नेतृत्व अरब व तुर्क मुसलमानों के हाथ में ही था। सभ्यताओं के इस संघर्ष में अब केवल भारत ही आंख की किरकिरी है। इसलिए इन अमेरिकी प्रयोगशालाओं के स्पिलिंटज़ अब भारत को भी निशाना बना रहे हैं। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि अभी तक भारत का एटीएम बहुत ही होशियारी से आतंक के लिए देसी मुसलमानों का ही प्रयोग कर रहा था। स्वयं पर्दे के पीछे रह कर उन्हें विचार व हथियार ही दे रहा था। एटीएम बेरोजगार या अनपढ़ नहीं है। न ही वह हताश है। बल्कि इसके विपरीत ही हद दर्जे का शातिर है। भारत में देसी मुसलमानों का नेतृत्व करता है। इसलिए आतंक की अपनी रणनीति में देसी मुसलमान जिसे वह पसमांदा, अरजाल, अलजाफ और न जाने क्या क्या कहता है, को ही मैदान में उतारता है। उन्हीं के पेट पर बम बांध कर उन्हें चारे के तौर पर इस्तेमाल करता है। लेकिन लगता है अब देसी मुसलमान आगे आने से मना कर रहा है। यही कारण है कि ये जो नया आतंकवादी समूह राडार पर आया है, इसमें ज्यादा वे लोग हैं जो अभी तक पर्दे के पीछे रहते थे और केवल नेतृत्व करते थे। लेकिन अब ये खुद ही मैदान में उतर आए हैं। ऐसा मुझे इसलिए भी लगता है क्योंकि एक्शन के लिए तैयार जो लोग पकड़े गए हैं, उनमें से एटीएम मूल के कुछ सैयद भी दिखाई पड़ रहे हैं। यह आतंकवाद की रणनीति में बदलाव का संकेत है या फिर देसी मुसलमान का एटीएम से मोहभंग होना है? इस पर रोक लगनी चाहिए।

देश दुनिया से

राष्ट्र स्तर पर अच्छे प्रदर्शन का वजीफा दो

विज्ञान ने बहुत उन्नति कर स्वास्थ्य क्षेत्र में जहां काफी सुधार किया है, वहीं पर खिलाडियों के उपकरणों व प्ले फील्ड में भी काफी सुधार हुआ है। यही कारण है कि पिछले बनाए गए कीर्तिमान आसानी से हर वर्ष टूटते रहते हैं। पहले जब खेल प्रतियोगिता होती थी तो आयोजक प्रतिभागियों को खाना व रहना देते थे। यात्रा किराया व दैनिक भत्ता सरकार खेल संघ दे देती थी, मगर अब यह सब खिलाडी को वहन करना पड़ता है। रेल में सीट आरक्षित करवाना भी बड़ी जंग जीतने से कम नहीं है। खिलाड़ी कम थके, इसलिए हवाई यात्रा भी करना जरूरी हो जाता है। खिलाडियों के प्रयोग में होने वाले जूते व किट बहुत महंगी आती हैं। एक प्रतियोगिता का खर्चा पचास हजार रुपए तक पहुंच जाता है। सामान्य परिवार का बच्चा कैसे राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर पाएगा, कभी सोचा है? खेलों को राज्य सूची का विषय बना रखा है। केन्द्र व राज्य अपनी-अपनी सुविधा अनुसार जब चाहें, पला झाड़ लेता है। खिलाड़ी प्रदेश व देश के लिए गौरव लाता है, तो फिर सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं देती हैं। एथलेटिक्स, कुश्ती, मुक्केबाजी व अन्य कई खेल हैं जिनमें हिमाचल के स्टार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बहुत बढिया प्रदर्शन कर रहे हैं, मगर खेल जारी रखने के लिए उन्हें काफी धन की जरूरत होती है। इसलिए अधिकतर खिलाडियों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमे एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा जाता है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड, इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को असानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं और जिस किशोर खिलाड़ी में स्परिंट जितनी अधिक होगी, वह उतना ही अच्छा किसी भी खेल का खिलाड़ी बनेगा। प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के दो दशक बाद अब मनीषा तथा प्रिया ठाकुर से उम्मीद है। आज फिर राज्य में कुश्ती व मुक्केबाजी सहित विभिन्न खेलों के खिलाड़ी हैं जिन्हें वजीफे की बहुत अधिक 2026 के लिए जरूरत है। इनके पास नौकरी नहीं है। सामान्य परिवारों से इनका संबंध है और जो हिमाचल से पलायन कर गए हैं, उन्हें भी हिमाचल सरकार सम्मानजनक नौकरी दे तथा इन सभी एथलीटों को 2026 राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों तक वजीफा भी दे। इस स्तर पर अपना अभ्यास जारी रखने के लिए महीने में पचास हजार रुपए से अधिक चाहिए होते हैं। जो नौकरी में हैं, वो तो बहुत कठिनाई से अपने वेतन से प्रशिक्षण कार्यक्रम का खर्चा उठा लेते हैं, लेकिन अन्य जिनके पास संसाधन नहीं हैं, वे कैसे खर्चा वहन कर पाएंगे, यह हिमाचल सरकार को सोचना होगा। क्या प्रदेश सरकार कुछ उपकार इन प्रतिभाशाली एथलीटों पर करेगी ताकि वे फ्री माईंड होकर अपना प्रशिक्षण जारी रख सकें। खिलाड़ी बनाए नहीं जाते हैं, वे जन्म से ही अलग होते हैं। लाखों बच्चों में कोई एक प्रतिभाशाली एथलीट मिलता है। समाज व सरकार का दायित्व है कि वे भविष्य में देश को गौरव दिलाने वाले अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को गोद लेकर उन्हें वे सब सुविधाएं उपलब्ध करवाएं, जिनकी उन्हें आज अधिक जरूरत है। खेलों में और बेहतर होने की उम्मीद है।

आप का नजरिया

निठारी कांड के निर्णय पर गूंजते सवाल

निठारी हत्याकांड के दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि लंबी जांच के बावजूद निठारी के जघन्य हत्याकांड के असली अपराधी की पहचान कानूनी मानकों के अनुरूप स्थापित नहीं हो पाई। अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के निठारी हत्याकांड से जुड़े अंतिम लंबित मामले में सुरेंद्र कोली को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसले में कहा, आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता। खुदाई शुरू होने से पहले घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया था, खुलासे को उसी समय दर्ज नहीं किया गया। रिमांड दस्तावेज में विरोधाभासी विवरण थे और कोली को समय पर अदालत की ओर से निर्देशित चिकित्सा जांच के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया। अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, इसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फांसी की सजा पाए कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है। न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है। अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है। ये दोनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे, किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए। उनके परिवार की युवतियों, बेटियों और बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला? 29 दिसंबर 2006 को नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया। आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया। मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोप मुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सह अभियुक्त बनाया। 13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था। इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई। पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे, उन्हें कोली ने मिठाई और चॉकलेट देकर लालच देकर मार डाला था। पुलिस का कहना

था कि जांच के दौरान कोली ने नरभक्षण और नेक्रोफिलिया (शवों के साथ संबंध बनाने) की बात कबूल की थी। बाद में उन्होंने अदालत में अपना कबूलनामा ये कहते हुए वापस ले लिया कि उनसे जबरन ये बयान दिलवाया गया था। सीबीआई ने सुरेंदर कोली और पंढेर के खिलाफ़ 19 मामले दर्ज किए थे जहां कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सबूतों को मिटाने जैसे आरोप थे तो वहीं पंढेर पर अनैतिक तस्करी का आरोप था। इस मामले की गूंज कई सालों तक देश गूंजती रही थी। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे। स्थानीय लोगों ने उस समय कहा था कि पुलिस इस मामले में इसलिए भी कार्रवाई नहीं कर सकी क्योंकि लापता होने वालों में से अधिकतर गरीब परिवार के थे। न्यायालय ने निर्णय में ये माना कि आरोपियों के विरूद्ध सबूत नही हैं। न्यायालय ने ये नही कहा कि कांड हुआ ही नही। उसने माना कि कांड तो हुआ। 19 महिलाओं और बच्चियों के कंकाल कोठी डीएस-5 के सामने नाले से मिले। अब प्रश्न यह है कि ये नही तो किसी और ने ये कांड किया है। जिसने कांड किया उसे सजा दिलाने की किसकी जिम्मेदारी है? किंतु लगता है कि न्यायालय ने इस केस के आरोपी के बरी हो जाने के बाद ये केस व्यवस्था की कबाड़ की फाइल में चला जाएगा। 2006 से न्याय की आशा में बैठे पीड़ित परिवार को रो पीट कर चुप हो बैठना पड़ेगा।

दृष्टि कोण

रक्षक बने भक्षक

व्यक्तियों की सोच दृष्टि और दृष्टिकोण किसी भी समाज को उच्च पद प्रतिष्ठा पर ले जा सकती है तथा उसे गिरा भी सकती है। व्यक्ति की कार्यशैली ही उसके व्यक्तित्व को महान और नीचता दोनों दिला सकती है। आज किस पर विश्वास किया जाए और किस पर नहीं? यह एक बड़ा प्रश्न समाज के सामने खड़ा हो रहा है। कहावत है कि एक मछली पूरे तालाब को गंदा करती है, बात ठीक भी है। किसी भी समाज में गलत कार्य करने वाले गिने-चुने ही लोग होते हैं। लेकिन वह अपनी पूरे समाज, धर्म, जाति आदि व्यवस्था को बदनाम अर्थात भंग कर देते हैं। यही कुबुद्धि के लोग समाज के साथ राष्ट्र के लिए भी घातक सिद्ध होते हैं और दिल्ली धमाके में ऐसा हुआ भी है। अब प्रश्न यह भी है और लोग कहते भी हैं कि कम पढ़े लिखे या अनपढ़ लोग ही दृष्टि भ्रमित होते या पथ भ्रमित होते हैं। वह कुछ भी उल्टा सीधा काम कर सकते हैं। फिर विचार यह फैला कि धन अर्थात पैसे के अभाव में लोग पथ भ्रमित काम करते हैं और वह जुर्म या कोई भी देश विरोधी काम कर सकते हैं। इन उल्टे कामों से उसे धन मिलेगा, कुछ हद तक दोनों ही तथ्य सही भी हैं और ऐसा देखा भी गया है। लेकिन जैसे-जैसे युग बदला देश विरोधी ताकतों ने पढ़े-लिखे युवक-युवतियों को अपना हथियार बनाना शुरू कर दिया। देश विरोधी किसी हद तक सफल भी हो रही है। दिल्ली में लाल किले के सामने हुए धमाके में एक डॉक्टर ने विस्फोटक से भारी कार से 10 से अधिक लोगों की जान ले ली, दर्जनों भर से ज्यादा घायल हो गए। कितनी ही गाड़ियां जलकर राख हो गई, कितना ही आर्थिक नुकसान हुआ है। डॉक्टर बनकर जो व्यक्ति देश विरोधी कामों में, देश को दहलाने, आतंकी घटनाओं में शामिल हो रहा है, यह कितनी ही घातक बात है। एक तरफ तो देश के युवाओं को डॉक्टरी जैसे पेपर अर्थात नीट में पास होने के लिए दिन-रात एक करना पड़ रहा है। वहीं जम्मू कश्मीर से मेडिकल की महंगी पढ़ाई सरकारी खर्चे पर पास

करके दिल्ली धमाके को अंजाम देना, सरकार के लिए गहन चिंतन की बात है। सरकार तो हर वर्ग को मुख्य धारा में लाने का भरसक प्रयास कर रही है, लेकिन देश विरोधी ताकतें अपने मकसद में सफल हो जाती हैं और उसका अंजाम हुआ दिल्ली में धमाका। देश में सभी सरकारी, गैर सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले लोग, देश के विकास में महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। शिक्षा और मेडिकल का क्षेत्र देश दुनिया में सबसे पवित्र माना जाता है, ऐसा कहा जाता है। एक अपने ज्ञान, दर्शन, मनोविज्ञान से देश दुनिया को सही रास्ते पर चलने का संदेश देता है, तो दूसरा सेवा भाव और व्यक्ति के शरीर में आए रोगों को दूर कर नया जीवन देने का कार्य करता है। लेकिन बहुत से शिक्षण संस्थान अपनी विचारधारा के चलते राजनीति का गढ़ बन गए हैं। देश विरोधी नारे वहां लगाए जाते हैं। देश के टुकड़े-टुकड़े करने की बात होती है। शिक्षक विद्यार्थी एक सुर में बोलते हैं। ऐसे आस्तीन के साँप समाज, देश दुनिया के लिए घातक सिद्ध होते हैं। ऐसा कितनी ही बार देखा भी गया है। देश में आतंकी हमले का एक बड़ा कारण यह भी है कि देश विरोधी ताकतों के साथ विदेशी ताकतें हमारे देश के तेजी से होते विकास को देखकर खुश नहीं है। वह किसी भी तरीके से देश में अस्थिरता का माहौल पैदा करना चाहते हैं। राजनीतिक उलट फेर कर अपने काम को अंजाम देना चाहते हैं। देश को आर्थिक रूप से कमजोर चाहते हैं। स्थिर राजनीति को हटाकर अस्थिरता फैलाना चाहते हैं। लोगों में अविश्वास दिखाना चाहते हैं।

बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण अपदस्थ पीएम शेख हसीना के खिलाफ 17 नवंबर को सुनाएगा फैसला

ढाका, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके दो करीबी सहयोगियों के खिलाफ 17 नवंबर को फैसला सुनाएगा। आईसीटी-1 के न्यायाधीश मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण ने कड़ी सुरक्षा और खचाखच भरे अदालत कक्ष में बुधवार को यह तारीख तय की। रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना, पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून पर पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध करने का आरोप है। चौधरी मामून बाद में इस मामले में सरकारी गवाह बन चुके हैं। न्यायाधिकरण ने दलीलें सुनने और मुकदमे की कार्यवाही पूरी करने के बाद फैसले की तारीख तय की। न्यायाधिकरण के आसपास सुबह से ही बांग्लादेश सेना, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश, रैपिड एक्शन बटालियन, सशस्त्र पुलिस बटालियन और पुलिस के जवानों को तैनात किया गया था। साथ ही सेना और पुलिस दोनों के बख्तरबंद वाहन भी पास में तैनात थे। यह कदम बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया, क्योंकि अवामी लीग ने बंद आहूत किया है। इस दौरान बम विस्फोटों और वाहनों पर आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं। न्यायाधिकरण के फैसले की तारीख मुकर्रर करने के बाद मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने संवाददाताओं से कहा, 'हमें उम्मीद है कि अदालत फैसले में अपनी बुद्धिमत्ता और विवेक का प्रयोग करेगी। उन्होंने कहा कि आरोपितों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। न्यायाधिकरण को मानवता के विरुद्ध अपराधों के खिलाफ फैसले में मिसाल कायम करनी चाहिए। ताजुल ने चेतावनी दी कि न्यायिक प्रक्रिया को पटरी से उतारने का कोई भी प्रयास अदालती कार्यवाही में बाधा डालने के समान होगा। उन्होंने कहा, 'अशांति भड़काने या हिंसा का प्रयास करने वालों से कानून के तहत निपटा जा रहा है। छिटपुट घटनाओं का फैसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा।' हसीना और असदुज्जमां का प्रतिनिधित्व कर रहे सरकारी वकील आमिर हुसैन ने विश्वास जताया कि उनके मुवक्किल बरी हो जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में जेन जी समूह प्रधानमंत्री कार्की को संयुक्त मांगपत्र सौंपेगा

काठमांडू। हाल ही में हुए प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे जेन जी समूह प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को अपना संयुक्त मांगपत्र सौंपने जा रहा है। जेन जी मूवमेंट ऑफ अलायन्स के प्रमुख सदस्य अमित खनाल के अनुसार गुरुवार को यह दस्तावेज़ प्रधानमंत्री को सौंपेगा। खनाल ने बताया कि तीन जेन जी संगठन जेन जी मूवमेंट ऑफ़ अलायन्स, द काउंसिल ऑफ़ जेन जी और जेन जी फ़्रॉन्ट घायल प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों और मारे गए लोगों के परिजनों के साथ मिलकर इस मांगपत्र को अंतिम रूप दे चुके हैं। इस पर पिछले एक सप्ताह से कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि मांगपत्र सौंपने के बाद वे उम्मीद करते हैं कि प्रधानमंत्री उनकी मांगों को पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाएंगी और इस आंदोलन को संस्थागत रूप देंगी। खनाल ने कहा कि हमने काफी समय लगाकर यह मांगपत्र तैयार किया है। इसमें लगभग 90 प्रतिशत जेन जी की आवाज़ और सहभागिता झलकती है। उन्होंने बताया कि कुछ सदस्यों को आमंत्रित करने के बावजूद वे शामिल नहीं हो सके। खनाल के अनुसार दस्तावेज को अंतिम रूप देने के लिए कई दौर की चर्चा करनी पड़ीं। उन्होंने पुनः स्पष्ट किया कि जब तक आंदोलन को औपचारिक रूप से संस्थागत नहीं किया जाता, तब तक कोई नई गतिविधि या निर्णय आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

बीबीसी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से माफी मांगी, मुआवजा देने से इनकार

लंदन। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) ने पैनोरमा डॉक्यूमेंट्री के संपादन के लिए खेद जताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से माफी मांगी है, लेकिन मुआवजा देने से इनकार कर दिया है। इस विवाद में बीबीसी के महानिदेशक टिम डेवी और बीबीसी न्यूज प्रमुख डेबोरा टर्नेस को इस्तीफा देना पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के वकीलों ने धमकी दी थी कि अगर बीबीसी ने अपना बयान वापस लेते हुए माफी नहीं मांगी तो एक अरब डॉलर (76 करोड़ पाउंड) का मुआवजा मांगेंगे। बीबीसी ने खेद जताते हुए पैनोरमा का संस्करण दोबारा नहीं दिखाने पर भी सहमति जताई है। बीबीसी प्रवक्ता ने कहा, 'हमारे वकीलों ने रविवार को मिले पत्र का जवाब दिया है। बीबीसी अध्यक्ष समीर शाह ने व्हाइट हाउस को एक निजी पत्र भेजकर राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट किया है कि उन्हें और कॉर्पोरेशन को छह जनवरी, 2021 को कार्यक्रम में दिखाए गए राष्ट्रपति के भाषण के संपादन के लिए खेद है।' उन्होंने कहा, 'बीबीसी की किसी भी बीबीसी प्लेटफॉर्म पर डॉक्यूमेंट्री 'ट्रंपः अ सेकंड चांस' का पुनः प्रसारण करने की कोई योजना नहीं है। बीबीसी को वीडियो क्लिप के संपादन के तरीके पर गहरा खेद है, लेकिन हम इस बात से पूरी तरह असहमत हैं कि मानहानि के दावे का कोई आधार है। अब देखना यह है कि ट्रंप इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। यह कार्यक्रम अमेरिकी चुनाव से एक सप्ताह पहले प्रसारित किया गया था। संपादित क्लिप में ट्रंप भीड़ से कह रहे हैं, 'हम कैपिटल तक चलेंगे और मैं वहां आपके साथ रहूंगा, और हम लड़ेंगे। हम जी-जान से लड़ेंगे।' बीबीसी के स्वतंत्र सलाहकार माइकल प्रेस्कॉट इस तरह के संपादन के आहत होकर गर्मियों में इस्तीफा दे चुके हैं।

श्रीलंका के शिक्षाविद् डॉ. हरिश्चंद्र विजयथुंगा का 94 वर्ष की आयु में निधन

कोलंबो। श्रीलंका के प्रख्यात शिक्षाविद्, कोषकार, अनुवादक, वकील और प्रतिष्ठित राजनीतिज्ञ डॉ. हरिश्चंद्र विजयतुंगा का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 25 अक्टूबर, 1931 को मिनुवांगोडा में जन्मे डॉ. विजयतुंगा ने जीवनपर्यंत में सिंहली भाषा के उत्थान और साहित्य कर्म से जुड़े रहे। उन्होंने प्रैक्टिकल सिंहली डिक्शनरी (1982) और गुनासेना ग्रेट सिंहली डिक्शनरी का संकलन किया। उनकी यह दोनों कृति आज भी सबसे व्यापक सिंहली शब्दकोशों में से एक हैं। रिपोर्ट में उनके निधन की सूचना दी गई है। उन्होंने सिंहली वर्णमाला के मानकीकरण के लिए वैज्ञानिक विचार प्रस्तुत किए। यह सिंहली भाषा के विकास और संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने श्रीलंका सरकार के विभिन्न संस्थानों में विभिन्न पदों पर कार्य किया। विजयतुंगा मदरलैंड पीपुल्स पार्टी से जुड़े रहे। उन्होंने 1994 और 1999 में राष्ट्रपति चुनाव में किस्मत आजमायी। हरिश्चंद्र विजयतुंगा के पिता विजयतुंगा मुदालिगे आयुर्वेदिक चिकित्सक थे।उनकी मां का नाम अमरावती जयसिंघे है। विजयातुंगा आठ भाई-बहनों वाले परिवार में चौथे नंबर पर थे। विजयतुंगा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मिनुवांगोडा के सरकारी द्विभाषी स्कूल से प्राप्त की। आगे की पढ़ाई नालंदा कॉलेज मिनुवांगोडा और कोलंबो से की।

अमेरिका सेना वेनेजुएला के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी में, ट्रंप को रणनीति से अवगत कराया

वाशिंगटन, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी सेना वेनेजुएला में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को वेनेजुएला में संभावित अभियानों के नए विकल्पों से अवगत कराया है। इनमें जमीन पर हमले भी शामिल हैं। इस संबंध में व्हाइट हाउस में कई उच्चस्तरीय बैठकें हुई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई बैठकों में युद्ध सचिव पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने बुधवार को इस संबंध में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति को वेनेजुएला में संभावित अभियानों की रूप-रेखा बताई। साथ ही जरूरत पड़ने पर जमीन पर हमले की योजना से परिचित कराया। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ पूरी योजना साझा की। हालांकि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ताओं ने तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पेंटागन के प्रवक्ता ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। संभावित सैन्य अभियान की योजना अमेरिकी खुफिया अधिकारियों की मदद से तैयार की गई है। विदेश यात्रा पर होने की वजह से राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड व्हाइट हाउस की बैठकों में शामिल नहीं हुईं। विदेशमंत्री मार्को रुबियो विदेश मंत्रियों के जी-7 शिखर सम्मेलन में हिससा लेने के लिए कनाडा में थे।

इस सप्ताह की शुरुआत में यूएसएस गेराल्ड फोर्ड वाहक स्ट्राइक समूह ने अमेरिकी दक्षिणी कमान के कार्यक्षेत्र में प्रवेश किया। दक्षिणी कमान कैरिबियन और दक्षिण अमेरिका में अभियानों के लिए प्राथमिक लड़ाकू इकाई है। फोर्ड इस क्षेत्र में पहले से मौजूद विध्वंसक, युद्धक विमानों और विशेष अभियान उपकरणों के बेड़े में शामिल हो गया है। पिछले दो महीनों में अमेरिकी सेना ने कम से कम 21 जहाजों पर हमले किए हैं। इन पर दक्षिण अमेरिका से अमेरिका में ड्रग्स ले जाने का आरोप है। अक्टूबर के अंत में एक अभियान में दो नावों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में कम से कम 80 तस्कर कथित तौर पर मारे गए हैं। दो तस्करों को पकड़कर उन्हें उनके गृह देश इक्वाडोर और कोलंबिया वापस भेज दिया गया। इंडियाना के फोर्ट वेन में बुधवार को रक्षा शिखर सम्मेलन में हेगसेथ ने मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की आक्रामक कार्रवाई का मुद्दा उठाया। हेगसेथ ने कहा, 'विदेशी आतंकवादी संगठनों को सलाह है कि किसी नाव में न चढ़ें। अगर अमेरिकी लोगों को जहर देने के लिए ड्रग्स की तस्करी की गई बहुत बुरा होगा।

बलोचिस्तान में बस और रेल सेवा बंद, हवाई जहाज का किराया लाख तक पहुंचा

क्वेटा। बलोचिस्तान में आम बाशिंदों का गुजर-बसर करना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान की संघीय सरकार और राज्य सरकार के सुरक्षा कारणों के कारण लगाए जा रहे प्रतिबंधों से अवाम आजिज आ चुकी है। रेल और बस बंद हैं। इंटरनेट और मोबाइल इंटरनेट की सेवाएं कभी सुचारू नहीं हो पातीं। आवागमन के सस्ते संसाधन बंद हैं और हवाई सफर की कीमतें आसमान छू रही हैं। क्वेटा से बलोचिस्तान का किराया लाख रुपये तक पहुंच गया है। पश्तो भाषा में प्रसारित ऑनलाइन समाचार पोर्टल द बलोचिस्तान पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में मौजूदा मुश्किल हालात की पड़ताल की है। रिपोर्ट के अनुसार, बलोचिस्तान में आतंकवादी हमलों की आशंका की वजह से कई दिनों से रेल सेवा स्थगित है। पंजाब प्रांत जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवा (बस) बंद है। इसके कारण हवाई यात्रा पर निर्भरता बढ़ गई है और किराया कई गुना बढ़ गया है। नागरिकों का कहना है कि इस वजह से अन्य शहरों और प्रांतों की यात्रा करना मश्किल गया है। बलोचिस्तान परिवहन प्राधिकरण ने बलोचिस्तान को पंजाब के डेरा गाजी खान से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-70 पर बसों, टैक्सियों और निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। क्वेटा से पंजाब और कराची के लिए रेल सेवा एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दी गई है। प्रांत के सभी 36 जिलों में 16 नवंबर तक मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई। शहरी इलाकों में आंशिक बहाली की अनुमति दी गई थी, लेकिन दो दिन से शहरों में सेवा पूरी तरह से बंद है।

सरकारी शटडाउन खत्म होने के बाद ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से फूड स्टैम्प मामला वापस लिया

वाशिंगटन, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से अपना आपातकालीन अनुरोध वापस ले लिया, जिसमें उसने फूड स्टैम्प कार्यक्रम की पूरी फंडिंग पर रोक लगाने की मांग की थी। प्रशासन का यह कदम सरकारी शटडाउन खत्म होने और कार्यक्रम को दोबारा फंड मिलने के बाद उठाया गया।

न्याय विभाग द्वारा अदालत को भेजे गए एक पत्र ने इस बहुचर्चित कानूनी विवाद का औपचारिक अंत कर दिया — यह वही मामला था जो शटडाउन के दौरान सबसे प्रमुख सवाल के रूप में उभरा था, क्या प्रशासन ने 40 मिलियन से अधिक अमेरिकी नागरिकों को मिलने वाले भोजन सहायता कार्यक्रम की पूरी फंडिंग रोककर कानूनी सीमा से आगे बढ़कर कदम उठाया था पिछले सप्ताह जस्टिस केतान्जी ब्राउन जैक्सन ने अस्थायी रूप से प्रशासन के पक्ष में आदेश जारी करते हुए मामले पर कुछ दिनों की राहत दी थी, ताकि अपील अदालत इसकी समीक्षा कर सके। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को गुरुवार शाम तक बढ़ाया, हालांकि जस्टिस जैक्सन ने इसमें असहमति दर्ज की।

लेकिन तब तक सीनेट ने सरकारी शटडाउन समाप्त करने के लिए मतदान कर दिया था, जिससे यह मामला निरर्थक हो गया, क्योंकि कार्यक्रम की फंडिंग फिर से शुरू कर दी गई थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार रात उस खर्च विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए थे। इस तरह, सुप्रीम कोर्ट को इस विवाद पर कोई अंतिम निर्णय देने की आवश्यकता नहीं पड़ी। सॉलिसिटर जनरल डी. जॉन सॉयर ने अदालत को भेजे पत्र में लिखा — 'यह नया कानून वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरी तरह फंड करता है। इसलिए, अब जब विवाद समाप्त हो गया है, सरकार अपना 07 नवंबर का स्थगन आवेदन वापस ले रही है।' नई फंडिंग बहाली के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक प्रवेश भी फिर से शुरू कर दिया है। कोर्ट भवन को 18 अक्टूबर को फंडिंग खत्म होने के बाद पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया था। सुबह अदालत की वेबसाइट से उस बंदी की घोषणा को हटा दिया गया। यह निर्णय न केवल शटडाउन की समाप्ति का प्रतीक है।

ईंधन की कमी के कारण नेपाल एयरलाइन्स की उड़ान दिल्ली की ओर मोड़ी गई

काठमांडू। नेपाल एयरलाइन्स का एक विमान ईंधन की कमी के कारण त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर लैंड नहीं हो सका। इसके बाद उसे दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता रिंजी शेर्पा के अनुसार दुबई से आई उड़ान संख्या आरए-230 शुक्रवार सुबह 9:40 बजे काठमांडू हवाईअड्डे पर उतरने वाली थी। हवाई यातायात में भीड़ होने के कारण विमान निर्धारित समय पर लैंड नहीं कर सका। विमान को कुछ समय हवा में रोका गया, लेकिन ईंधन पर्याप्त न होने के कारण उसे आगे प्रतीक्षा जारी रखना संभव नहीं था, जिसके चलते उसे नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर डायवर्ट किया गया। शेर्पा ने बताया कि विमान के दिल्ली में ईंधन भरकर शीघ्र ही काठमांडू लौटने की उम्मीद है।

रूस का यूक्रेन पर हवाई हमला, राजधानी कीव में 11 इमारतें क्षतिग्रस्त, 12 लोग घायल

कीव, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

रूस ने रात को यूक्रेन की राजधानी कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। रूस ने इस दौरान राजधानी को लक्ष्य कर सैकड़ों प्रक्षेपास्त्र दागे। स्थानीय समयानुसार रात लगभग 12:45 बजे कीव में कई विस्फोट हुए। रात एक से डेढ़ बजे के बीच दो बार विस्फोट की आवाज सुनाई पड़ी। कीव शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने हमलों के बीच चेतावनी भी जारी की। चेतावनी में कहा गया, 'रूसी आवासीय इमारतों पर हमला कर रहे हैं। कीव के लगभग हर जिले में कई ऊंची इमारतें क्षतिग्रस्ति हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आज सुबह ड्रोन का मलबा कीव के द्निप्रोव्स्की जिले में एक पांच मंजिला आवासीय इमारत पर गिरा। इसके अलावा एक अन्य आवासीय इमारत की 12वीं मंजिल पर आग लगने की भी खबर है। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, पोडिल्स्की जिले में एक आवासीय इमारत की 10वीं मंजिल पर और सोलोमिंस्की जिले में एक पांच मंजिला इमारत की छत पर भी आग लगने की सूचना है।

इसके अलावा पोडिल्स्की जिले में एक तीसरी इमारत और एक गैर आवासीय इमारत भी आग की चपेट में आकर जल गई। कीव के मेयर

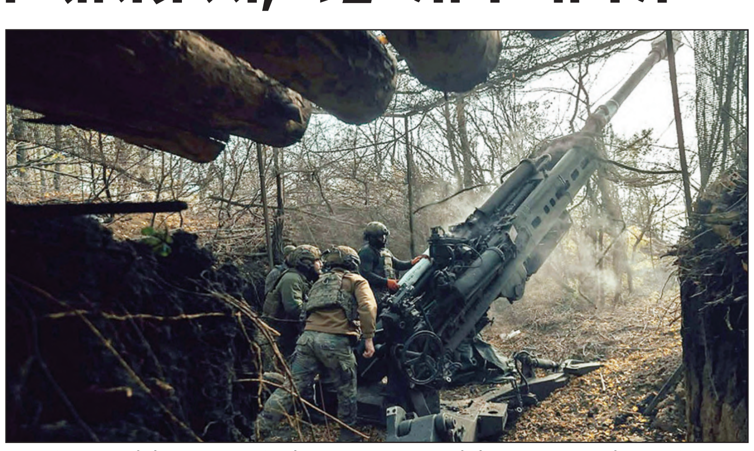

विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कीव में रात भर हुए हमले में कुल मिलाकर कम से कम 11 बहुमंजिला इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। होलोसिव्स्की और शेवचेनकिव्स्की जिले में एक चिकित्सा सुविधा केंद्र और प्रशासनिक भवन क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने बताया कि शहर भर में कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं। घायलों में से पांच को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है। हमलों के दौरान कीव के कई जिलों में बिजली गुल रही। मेयर क्लिट्स्को ने बताया कि हमलों बिजली संरचना को क्षति हुई है। राजधानी के डार्नित्स्की जिले में हमलों के दौरान कई कारों में आग लगने की भी सूचना मिली है। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन हमले के बीच राजधानी में हवाई सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय है। मिसाइल हमले की आशंका के बीच पूरे देश में हवाई हमले की चेतावनी जारी की ग। युद्ध निगरानी समूहों के अनुसार, कीव के बाहरी इलाके में स्थित बिला त्सेरकवा भी रूसी हमलों का निशाना बना।

पाकिस्तान संघीय सवैधानिक न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश होंगे अमीनुद्दीन खान, लेंगे शपथ

वाशिंगटन, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान संघीय संवैधानिक न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान को सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में शपथ दिलाई जाएगी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान को संवैधानिक न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। कानून और न्याय मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, यह नियुक्ति इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 175-ए के खंड (3) और अनुच्छेद 175-सी के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, अधिसूचना में कहा गया है कि न्यायमूर्ति खान की नियुक्ति उनके पद की शपथ लेने की तिथि से प्रभावी होगी। यह घटनाक्रम हाल ही में 27वें संविधान संशोधन विधेयक के पारित होने के बाद हुआ है। इस विधेयक को संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से मंजूरी दी गई थी। नए प्रावधानों के तहत समान प्रांतीय प्रतिनिधित्व वाला एक संघीय संवैधानिक न्यायालय स्थापित किया जाएगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री न्यायिक नियुक्तियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।उच्चतम न्यायालय की कुछ शक्तियाँ अब संघीय संवैधानिक न्यायालय को हस्तांतरित कर दी जाएंगी।

पाकिस्तान न्यायिक आयोग अब उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के स्थानांतरण की निगरानी करेगा। ऐसे स्थानांतरणों पर किसी भी आपत्ति की समीक्षा सर्वोच्च न्यायिक परिषद करेगी। संवैधानिक न्यायालय में नियुक्त होने वाले उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की पात्रता की आवश्यकता सात वर्ष से घटाकर पांच वर्ष कर दी गई है। नए न्यायालय में शामिल होने वाले उच्चतम न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीशों की वरिष्ठता बरकरार रहेगी, जबकि बार या उच्च न्यायालयों से नियुक्त न्यायाधीशों की वरिष्ठता आयु के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान शुक्रवार सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के लिए उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों, न्यायाधीशों और उच्च पदस्थ अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। न्यायमूर्ति खान का जन्म 1960 में मुल्तान में हुआ। उन्होंने 1984 में यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज मुल्तान से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की और अपने पिता खान सादिक मोहम्मद अहसन के अधीन वकालत शुरू की। वे 1987 में लाहौर उच्च न्यायालय और 2001 में उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता बने। 2001 में मुल्तान स्थित ज़फर लॉ चैंबर्स में शामिल हुए और 2011 में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत होने तक इसी कानूनी फर्म के साथ काम किया। वो 2019 में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बने। उन्हें नवंबर 2024 में उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ का प्रमुख बनाया गया।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के 27वें संविधान संशोधन पर हस्ताक्षर करने के कुछ घंटे बाद उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों मंसूर अली शाह और अतहर मिनल्लाह ने विरोध स्वरूप अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद जरदारी ने न्यायाधीश अमीनुद्दीन खान को संघीय संवैधानिक न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया।

अल्कराज ने 2025 का समापन विश्व नंबर 1 के रूप में किया, एटीपी फाइनल्स में मुस्सेती को हराया

ट्यूरिन, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने गुरुवार को लोरेन्जो मुस्सेती को 6-4, 6-1 से हराकर एटीपी फाइनल्स में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और इसी के साथ 2025 का विश्व नंबर 1 के रूप में समाप्त करने का गौरव हासिल कर लिया। इस जीत ने उन्हें अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी जानिक सिनर से आगे पहुंचा दिया।

इस सीजन दो ग्रैंड स्लैम जीतने वाले 22 वर्षीय अल्कराज सोमवार को जारी होने वाली नई एटीपी रैंकिंग में सिनर से ऊपर रहेंगे। मुस्सेती के खिलाफ जीत ने उन्हें जिमी कॉनर्स ग्रुप में शीर्ष स्थान भी दिला दिया।

अल्कराज, जो इस सीजन अब तक 70 मैच जीत चुके हैं, शनिवार को सेमीफाइनल हार भी जाएं तो भी साल का समापन विश्व नंबर 1 के रूप में ही करेंगे।

हालांकि अल्कराज पहले खिताब की ओर मजबूती से बढ़ते नजर आ रहे हैं, और संकेत हैं कि एक बार फिर टूर्नामेंट के फाइनल में उनका सामना इटली के सिनर से हो सकता है, जिन्होंने बुधवार को ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अल्कराज ने खुशी जताते हुए कहा, 'मेरे लिए इसका बहुत बड़ा मतलब है। साल का नंबर 1 बनना हमेशा लक्ष्य होता है। साल की शुरुआत में मैंने सोचा भी नहीं था कि मैं वहां पहुंच पाऊंगा, क्योंकि सिनर लगातार लगभग हर टूर्नामेंट जीत रहे थे। यह पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा है। मैं अपनी टीम और खुद पर गर्व करता हूं।'

अल्कराज इस सीजन सिनर के खिलाफ पांच में से चार मुकाबले जीत चुके हैं, जिनमें दो ग्रैंड स्लैम फाइनल भी शामिल हैं। फ्रेंच ओपन में अल्कराज ने एक ऐतिहासिक मुकाबले में सिनर को हराकर खिताब बचाया, जबकि विंबलडन फाइनल में उन्हें इटालियन खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा।

इधर, मुस्सेती संघर्ष करते दिखे। विश्व नंबर 9 मुस्सेती को अंतिम क्षण में नोवाक जोकोविच के हटने के बाद फाइनल्स में जगह मिली थी, लेकिन थकान ने उनके खेल को प्रभावित किया। दूसरे सेट में वे पूरी तरह टूट गए।

मुस्सेती ने कहा, 'मैं बहुत थक गया था। मुझे पता था कि पिछले कुछ महीनों और खासकर पिछले हफ्तों की कठिन लड़ाइयों से उबरना आसान नहीं होगा। मुझे चमत्कार की जरूरत थी।' वे यहां एथेंस फाइनल में जोकोविच से हारकर पहुंचे थे।

न्यूज ब्रीफ

लक्ष्य कुमामोटो मास्टर्स बैडमिंटन में जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंचे

कुमामोतो। भारत के लक्ष्य सेन जीत के साथ ही जापान के कुमामोटो मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नोमेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। लक्ष्य ने क्वार्टर फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू को हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने 475,000 डॉलर इनामी राशि के इस टूर्नोमेंट में विश्व के नौवें नंबर के खिलाड़ी लोह को 40 मिनट में ही 21-13, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य ने इसी के साथ ही लोह के खिलाफ 13 मुकाबलों में सातवीं जीत हासिल की है। अब लक्ष्य का सामना सेमीफाइनल में जापान के छठे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी केंटा निशिमोतो से होगा। लक्ष्य ने सिंगापुर के खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबले में मैच पर नियंत्रण बनाये रखा। दबदबा कायम किया। शुरुआती गेम में दोनों ही 4-4 से बराबरी पर रहे पर लक्ष्य ने ब्रेक के समय तक 11-8 की बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक के बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल करते हुए 18-9 की बढ़त बनाकर गेम जीत लिया। वहीं लोह ने दूसरे गेम में अच्छी वापसी करते हुए 9-9 से गेम बराबरी पर ला दिया। इसके बाद लक्ष्य ने तेजी दिखाते हुए स्कोर को 15-9 तक पहुंचा दिया। इसके बाद सिंगापुर के खिलाड़ी ने वापसी के प्रयास करते हुए अंतर को कम करते हुए 17-18 तक ला दिया हालांकि इसके बाद लक्ष्य ने गेम जीतकर मुकाबले पर कब्जा कर लिया।

एशियन आर्चरी चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने कोरिया को हराकर जीता गोल्ड

ढाका। भारत की पुरुष रिकर्व तिकड़ी ने एशियन आर्चरी चैंपियनशिप में शुक्रवार को कोरिया को रोमांचक फाइनल में हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की भारतीय टीम ने कोरिया के सियो मिंगी, किम येचान और जांग जीहो को शूट-ऑफ में मात देते हुए 5-4 से जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत बेहद कड़ी रही। पहले दो सेट 56-56 की बराबरी पर खत्म हुए। तीसरे सेट में भारत की चार 8, एक 9 और एक 10 की शूटिंग से कोरिया ने 57-51 से बढ़त लेते हुए स्कोर 4-2 कर लिया। चौथा सेट बराबरी पर रहने से भी कोरिया लगातार सातवीं बार गोल्ड जीत सकता था, लेकिन दो खराब तीर—एक 7 और एक 8 ने मैच का रुख बदल दिया। कोरिया 53 का स्कोर ही बना सका, जबकि भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 57 अंक जुटाए और मुकाबला शूट-ऑफ तक पहुंचाया। शूट-ऑफ में दोनों टीमों ने दो 10 और एक 9 के साथ 29-29 का स्कोर बनाया, लेकिन भारत को जीत मिली क्योंकि उसका तीर केंद्र के सबसे करीब लगा था। मिक्स्ड टीम में चौथे स्थान पर रहा भारत मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत को कोरिया के जांग मिनही और सियो मिंगी के हाथों ब्रॉन्ज मैच में 0-3 की हार झेलनी पड़ी। कोरियाई जोड़ी ने पहला सेट 38-35 से जीता, दूसरा 38-37 से बचाया और तीसरे में 39-34 से दबदबा दिखाया। सेमीफाइनल में भारतीय तीरंदाजों की चुनौती महिला रिकर्व इंडिविजुअल के सेमीफाइनल में अंकिता भगत, दीपिका कुमारी और संगीता निशाना साधेंगी।

केकेआर ने टिम साउदी को टाटा इंडियन प्रीमियर लीग के लिए नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी को टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीज़न के लिए अपना नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। टिम साउदी आधुनिक दौर के सबसे सफल तेज गेंदबाजों में शुमार हैं। 15 से अधिक वर्षों तक न्यूज़ीलैंड क्रिकेट की रीढ़ रहे साउदी ने 100+ टेस्ट, 150 से ज्यादा वनडे और 120+ टी20 इंटरनेशनल में अपना दमखम दिखाया है। तीनों प्रारूपों में मिलाकर उनके नाम 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं। स्विंग, लाइन-लेंथ और नेतृत्व क्षमता के लिए मशहूर साउदी ने न्यूज़ीलैंड की कप्तानी भी की और 2019 विश्व कप तथा 2021 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीत में अहम भूमिका निभाई। केकेआर के लिए साउदी कोई नया नाम नहीं हैं। वे 2021, 2022 और 2023 में बतौर खिलाड़ी केकेआर टीम का हिस्सा रह चुके हैं। अपनी पेशेवर दृष्टिकोण और युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की क्षमता के कारण वे मैदान और ड्रेसिंग रूम—दोनों जगह प्रभाव छोड़ चुके हैं। उन्होंने 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने उनकी नियुक्ति पर कहा, 'हम टिम साउदी का एक बार फिर केकेआर परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं, इस बार कोच के रूप में।

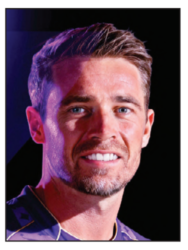

एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष टीम घोषित

हॉकी इंडिया ने टीम की कमान डिफेंडर और ड्रैगफ्लिकर रोहित को सौंपी

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को बहुप्रतीक्षित एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप तमिलनाडु 2025 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष टीम की घोषणा कर दी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

भारतीय टीम के कोच पूर्व भारतीय गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश कोच हैं। पूल बी में शामिल भारतीय टीम का मुकाबला चिली, स्विट्ज़रलैंड और ओमान से होगा। ओमान की टीम पाकिस्तान की जगह शामिल हुई है। टीम की कमान डिफेंडर और ड्रैगफ्लिकर रोहित को सौंपी गई है, जिन्होंने हाल ही में मलेशिया में खेले गए सुल्तान ऑफ जोहोर कप में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां भारत ने रजत पदक जीता था। गोलकीपर के रूप में बिक्रमजीत सिंह और प्रिंसदीप सिंह को टीम में जगह मिली है।

रक्षा पंक्ति में कप्तान रोहित के साथ अनुभवी अमीर अली (पिछले जूनियर विश्व कप का हिस्सा), अनमोल एक्का, तालेम प्रियोबार्ता, सुनील पलक्षप्पा बेन्नूर और अनुभवी शारदानंद तिवारी टीम को मजबूती प्रदान करेंगे। मिडफील्ड में अंकित पाल, अडरोहित एक्का, थौनाओजम इंगलेम्बा लुवांग, मनमीत सिंह और रोसन कुजुर को शामिल किया गया है। वहीं फॉरवर्ड लाइन की जिम्मेदारी सौरभ आनंद कुशवाहा, अर्शदीप सिंह, अजीत यादव, दिलराज सिंह और गुरजोत सिंह (जिन्होंने पिछले वर्ष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सीनियर डेब्यू किया था) संभालेंगे।

रवनीत सिंह और रोहित कुल्लू को अतिरिक्त खिलाड़ियों के रूप में चुना गया है। दुर्भाग्य से, भारत को अपने स्टार स्ट्राइकर अराइजित सिंह हुंदल की कमी खलेगी, जो कंधे की चोट के कारण इस विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

कोच पी.आर. श्रीजेश ने टीम को लेकर एक आधिकारिक बयान में कहा कि हमने एक अनुभवी और परखी हुई टीम का चयन किया है। इन खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंट में खेलने का अच्छा अनुभव है। चयन का मुख्य आधार उनकी फिटनेस, कौशल और टीमवर्क के साथ-साथ दबाव में प्रदर्शन करने की मानसिक क्षमता रही है। उन्होंने आगे कहा कि हमने जूनियर विश्व कप की तैयारी में कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, साथ ही सीनियर टीम के साथ भी नियमित मैच खेले, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हमारा लक्ष्य घरेलू दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन करना है।

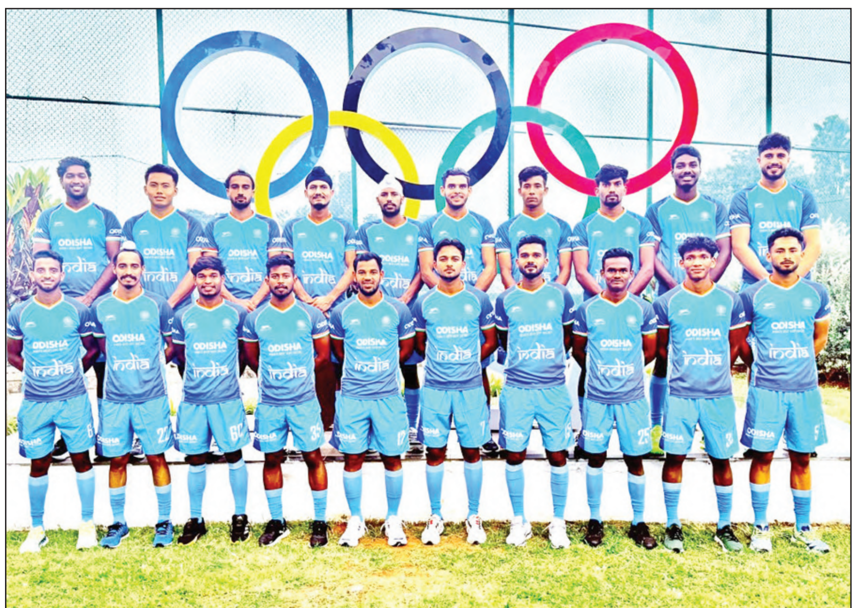

मुम्बई इंडियंस से खेलेंगे रदरफोर्ड, गुजरात टाइटंस से ट्रेड के जरिये खरीदे गये

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड आईपीएल 2026 सत्र में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। रदरफोर्ड को मुम्बई ने ट्रेड के जरिये गुजरात टाइटन्स से दो करोड़ 60 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा है। आईपीएल ने अपने एक बयान में कहा, 'गुजरात द्वारा 2.6 करोड़ रुपए में खरीदे गए रदरफोर्ड अपनी इसी फीस पर मुंबई इंडियन्स में शामिल किये गये है। रदरफोर्ड ने 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छठे स्थान पर उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आंद्रे रसेल के साथ 139 रन बनाये थे, ऐसे में उनके आने से मुम्बई को लाभ होगा। रदरफोर्ड ने अब तक 23 आईपीएल मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में दिल्ली कैपिटल्स और 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेला था। वह 2020 में मुंबई इंडियन्स और 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स में शामिल थे।

वर्ल्ड कप स्टार दीप्ति शर्मा लखनऊ पहुंचीं, भारतीय क्रिकेट की चैंपियन बेटी ने की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

महिला क्रिकेट विश्वकप में शानदार प्रदर्शन कर सुर्खियों में रही टीम इंडिया की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शुक्रवार को अपने गृह जनपद लखनऊ पहुंचीं। शहर आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने दीप्ति के खेल कौशल, अनुशासन और हालिया विश्वकप में टीम की सफलता में उनकी निर्णायक भूमिका की सराहना की।

मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में दीप्ति शर्मा ने कहा कि विश्वकप के दौरान मिली चुनौतियों ने खिलाड़ियों को और मजबूत बनाया। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही, लेकिन टीम ने एकजुट होकर वापसी की और देश के लिए ट्रॉफी जीतना सबसे बड़ा गर्व का क्षण रहा। दीप्ति ने कहा कि भारतीय दर्शकों के समर्थन और टीम के आत्मविश्वास ने हमें मुश्किल परिस्थितियों से उबरने में अहम भूमिका निभाई। हर खिलाड़ी ने अपना सौ प्रतिशत दिया और यही हमारी जीत का आधार बना। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ दिए गए प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि निर्णायक मैचों में धैर्य और रणनीति ने टीम का मनोबल बढ़ाया। लखनऊ पहुंचने पर उन्होंने प्रदेश की युवा खिलाड़ियों को अपने सपनों के लिए लगातार मेहनत करने का संदेश भी दिया। विश्वकप विजेता खिलाड़ी के स्वागत को लेकर शहर में उत्साह का माहौल रहा और उनके सम्मान में कई स्थानीय खेल संगठनों ने कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी शुरू कर दी है।

महिला पहलवान पूजा, अभिषेक संग विवाह बंधन में बंधीं

हिसार। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता महिला पहलवान पूजा ढांडा शादी के बंधन में बंध गयी हैं। पूजा की शादी व्यवसायी अभिषेक बूरा से हुई है। शादी में संगे संबंधियों के अलावा कई खिलाड़ी, राजनेता और अधिकारी भी शामिल हुए। विवाह समारोह में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रज भूषण शरण सिंह भी शामिल हुए और उन्होंने पूजा और अभिषेक को आर्शिवाद दिया। पूजा ने बुडापेस्ट में 2018 विश्व चैंपियनशिप में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था। वहीं 2010 ग्रीष्मकालीन युवा ओलंपिक और 2018 गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में इस खिलाड़ी को रजत पदक मिला था। साल 2014 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में पूजा ने कांस्य पदक हासिल किया था। वह अभी हिसार के महावीर स्टेडियम में हरियाणा खेल विभाग में वरिष्ठ कुश्ती कोच के रूप में कार्यरत हैं। पूजा ने कहा कि वह शादी के बाद भी कोच के तौर पर कुश्ती से जुड़ी रहेंगी और युवा एथलीटों को ओलंपिक में पदक जीतने में सहायता करेंगी।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर: आयरलैंड ने पुर्तगाल को 2-0 से हराकर किया बड़ा उलटफेर, रोनाल्डो को रेड कार्ड

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर में गुरुवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब आयरलैंड ने दिग्गज टीम पुर्तगाल को 2-0 से मात देकर सभी को चौंका दिया। मैच के दौरान पुर्तगाल के स्टार कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो को एक खतरनाक फाउल के चलते रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे उनकी टीम के लिए हालात और मुश्किल हो गए।

आयरलैंड की जीत के नायक रहे ट्रॉय पैरट, जिन्होंने पहले हाफ में दो शानदार गोल दागे। 17वें मिनट में लियाम स्केल्स के कॉर्नर पर बनाए गए आक्रमण से पैरट ने हेडर के जरिए पहला गोल किया। इसके बाद हाफ टाइम से ठीक पहले, पैरट ने बाएं छोर से अंदर कट करते हुए दूसरा गोल दागकर बढ़त को 2-0 कर दिया। पुर्तगाल की टीम दूसरे हाफ में वापसी के लिए संघर्ष कर रही थी, तभी मैच के 60वें मिनट में रोनाल्डो ने अपनी झुंझलाहट में डारा ओ'शे के पीठ पर कोहनी मार दी। वीएआर समीक्षा के बाद रेफरी ने उन्हें सीधा रेड कार्ड दिखाया। 40 वर्षीय रोनाल्डो इससे पहले अक्टूबर में आयरलैंड के खिलाफ पेनल्टी भी चूक चुके थे।

पुर्तगाल की क्वालिफिकेशन पर खतरा – हार के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप एफ में 10 अंकों के साथ शीर्ष पर है। हंगरी 8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर और आयरलैंड 7 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है रविवार को होने वाला अंतिम ग्रुप मैच यह तय करेगा कि पुर्तगाल सीधे विश्व कप टिकट पाता है या नहीं। यदि रोनाल्डो पर लंबा प्रतिबंध लगता है, तो वह विश्व कप की शुरुआत से बाहर भी हो सकते हैं। 2002 के बाद पहली बार विश्व कप में पहुंचने की उम्मीद लिए खेल रही आयरलैंड की टीम ने घरेलू मैदान पर बेहद अनुशासित खेल दिखाया। कोच हेइमिर हालग्रिम्सन के नेतृत्व में टीम ने पुर्तगाल के शुरुआती दबाव को झेला और काउंटर-अटैक पर शानदार प्रदर्शन किया।

फ्रांस ने यूक्रेन को 4-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए किया क्वालीफाई

पेरिस, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

फ्रांस ने किलियन एमबाप्पे के दो गोल और माइकल ओलीसे व ह्यूगो एकिटिके के एक-एक गोल की बदौलत गुरुवार को यूक्रेन को 4-0 से हराते हुए फीफा विश्व कप 2026 के लिए जगह पक्की कर ली। यह मुकाबला 2015 के पेरिस हमलों के पीड़ितों को समर्पित था।

पार्क दे प्रिंसेस में खेले गए मुकाबले में कप्तान एमबाप्पे ने दूसरे हाफ की शुरुआत में पेनल्टी से पहला गोल दागा। ओलीसे ने 76वें मिनट में बढ़त दोगुनी की। इसके बाद एमबाप्पे ने एक और गोल किया, जबकि एकिटिके ने अपने करियर का पहला अंतरराष्ट्रीय गोल दागते हुए टीम की जीत को पक्का कर दिया।

हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि

किक-ऑफ से पहले 41,000 दर्शकों ने 2015 में पेरिस और उसके आसपास हुए आतंकी हमलों की 10वीं बरसी पर एक मिनट का मौन रखा। इन हमलों में 130 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें से अधिकांश बाटाकलां कॉन्सर्ट हॉल में मारे गए थे। एक व्यक्ति की मौत स्टेड दे फ्रांस के पास भी हुई थी, जहां आत्मघाती हमलावरों ने प्रवेश की कोशिश की थी। फ्रांस के कोच डिडिएर डेशैंप्स, जो उस समय भी टीम के प्रभारी थे, ने पहले ही साफ कर दिया है कि 2026 विश्व कप उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा।

अजेय बढ़त, 1994 के बाद हर विश्व कप में जगह

एक मैच बाकी रहते हुए फ्रांस ने यूरोपीय क्वालिफाइंग ग्रुप डी में आइसलैंड और यूक्रेन पर छह अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। फ्रांस 2018 का विश्व चैंपियन और 2022 का उपविजेता है तथा 1994 में चूकने के बाद हर विश्व कप में क्वालीफाई करता आया है। वहीं यूक्रेन और आइसलैंड अब रविवार को एक-दूसरे के खिलाफ प्ले-ऑफ में जगह के लिए 'शूट-आउट' मुकाबला खेलेंगे।

ओलीसे और एमबाप्पे चमके

पहले हाफ में ब्रैडली बारकोला ने शानदार प्रयास किया, जिसे क्रॉसबार पर टिप कर गोलकीपर ने बचा लिया। दूसरे हाफ में ओलीसे को पेनल्टी क्षेत्र में फाउल किया गया और एमबाप्पे ने मौके को गोल में बदल दिया। इसके बाद मध्य में शिफ्ट होने के बाद ओलीसे का खेल और निखरकर सामने आया। उन्होंने पहले एकिटिके को पोस्ट मारने का मौका दिलाया और फिर खुद घूमकर टीम के लिए दूसरा गोल दागा। इसके बाद यूक्रेन की टीम पूरी तरह दबाव में आ गई। 83वें मिनट में एमबाप्पे ने नजदीक से गोल कर अपना अंतरराष्ट्रीय गोलों का आंकड़ा 55 तक पहुंचा दिया। अब वह फ्रांस के सर्वकालिक शीर्ष गोलदाताओं की सूची में ओलिवियर गिरू (57) से सिर्फ दो गोल पीछे हैं। लिवरपूल के एकिटिके ने अंतिम क्षणों में शानदार मूव को गोल में बदलकर फ्रांस की जीत 4-0 से पक्की कर दी।

मारुति सुजुकी के लिए मिला-जुला रहा अक्टूबर का सारा महीना

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

अक्टूबर महीना मारुति सुजुकी के लिए मिला-जुला रहा। कंपनी की दो पॉपुलर कारें ईको और ब्रेजा बीते महीने में देश की टॉप-10 बेस्टसेलिंग कारों की लिस्ट से बाहर हो गई हैं। ये दोनों मॉडल अक्सर टॉप-10 में अपनी जगह बनाए रखते थे।

आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में मारुति ईको की 13,537 यूनिट बिकीं, जो पिछले साल की 11,653 यूनिट से 16 प्रतिशत की बढ़त दर्शाती हैं। वहीं, ब्रेजा की बिक्री 12,072 यूनिट रही, जो अक्टूबर 2024 में दर्ज 16,565 यूनिट की तुलना में करीब 27प्रतिशत की गिरावट है। मारुति ईको की लोकप्रियता इसके मल्टी-पर्पज डिज़ाइन की वजह से बनी हुई है। इसमें के-सीरीज 1.2-लीटर इंजन दिया गया है, जो पेट्रोल पर 80.76 पीएस और सीएनजी पर 71.65 पीएस का पावर जनरेट करता है। पेट्रोल वैरिएंट 19.7 किमी/द्य और सीएनजी वैरिएंट 26.78 किमी/केजीतक का माइलेज देता है। सेफ्टी के लिहाज से इसमें 6 एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, सीट बेल्ट रिमाइंडर और रिवर्स पार्किंग सेंसर जैसे 11 सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। यह 4 वेरिएंट्स में आती है 5-सीटर, 7-सीटर, कार्गो और एम्बुलेंस। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 5.18 लाख है। वहीं, मारुति ब्रेजा को कंपनी की प्रीमियम कॉम्पैक्ट एसयूवी माना जाता है। इसमें 1.5-लीटर के-सीरीज डुअल जेट इंजन दिया गया है जो 103एचपी पावर और 137 एनएम टॉर्क पैदा करता है। मैनुअल वैरिएंट 20.15 किमी/द्य और ऑटोमैटिक 19.80 किमी/द्य माइलेज देता है। ब्रेजा में 360-डिग्री कैमरा, 9-इंच स्मार्टप्ले प्रो प्लस टचस्क्रीन, वायरलेस चार्जिंग डॉक और वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो व एप्पल कारप्ले जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 8.25 लाख है।

न्यूज ब्रीफ

लोटस बेकरीज ने भारत में लॉन्च की 'बिस्कॉफ कुकी', कंपनी मोंडेलेज के साथ साझेदारी में बढ़ाएगी बाजार विस्तार

नई दिल्ली। बेल्जियम की बहुराष्ट्रीय स्नैक फूड कंपनी लोटस बेकरीज ने भारत में अपनी प्रसिद्ध 'बिस्कॉफ कुकी' पेश किया है। इस लॉन्च के लिए कंपनी ने मोंडेलेज के साथ साझेदारी की है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत आने वाले वर्षों में बिस्कॉफ के लिए शीर्ष तीन-चार बाजारों में शामिल हो सकता है। उन्होंने बताया कि बिस्कॉफ वर्तमान में दुनिया के 80 से अधिक देशों में बेची जाती है। बिस्कॉफ का सबसे बड़ा बाजार अमेरिका है, उसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस का स्थान आता है। अधिकारी ने कहा कि कंपनी की महत्वाकांक्षा है कि बिस्कॉफ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कुकी ब्रांड बने, मोंडेलेज के ओरियो और चिप्स अहोय! के बाद। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भागीदारी वैश्विक ब्रांड बनने के लिए अनिवार्य है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि भारत में खुदरा और वितरण प्रणाली जटिल है, इसलिए कंपनी अकेले बाजार पर विजय प्राप्त नहीं कर सकती। इसीलिए एक मजबूत स्थानीय साझेदार मोंडेलेज का समर्थन जरूरी था। मोंडेलेज भारत में बिस्कॉफ के लिए ओरियो जैसी रणनीति अपनाएगी। इसका मतलब है कि उत्पाद पारंपरिक और आधुनिक व्यापार दोनों में उपलब्ध होंगे, साथ ही ई-कॉमर्स चैनलों पर भी बिक्री की जाएगी। पैकिंग में बड़े पैक के साथ-साथ छोटे और किफायती पैक (10 रुपए से शुरू) भी शामिल होंगे।

अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट और रिटेल क्षेत्र में किया विस्तार

दुबई। परिधान खुदरा और एफएंडबी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट क्षेत्र में कदम रखा है। इसके तहत कंपनी की सहायक कोरा प्रॉपर्टीज ने दुबई मैरीटाइम सिटी में 40 मंजिला वाटरफ्रंट आवासीय परियोजना आईएल वेंटो पेश की है। इस परियोजना के 2029 तक पूरा होने की संभावना है। अपैरल ग्रुप ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे आवासीय स्थल तैयार करना है जो जीवन जीने की उमंग उत्पन्न करें। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के बाद दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी, जिसमें वाणिज्यिक और अर्ध-वाणिज्यिक टावर शामिल होंगे। इसके अलावा, समूह भारत और अन्य उभरते बाजारों में शॉपिंग मॉल में निवेश करने की योजना बना रहा है। वेद का मानना है कि इन बाजारों में अब भी काफी संभावनाएँ हैं और साझेदारी के माध्यम से स्थानीय विशेषज्ञता का लाभ उठाना प्राथमिकता होगी। अपैरल ग्रुप ने फ्रांस की खुदरा कंपनी कैरेफोर के साथ साझेदारी की है। शुरुआत में उत्तर भारत में कैरेफोर का विशेष ब्रांड पेश किया जाएगा, जिसके बाद पूरे देश में विस्तार होगा। पहला स्टोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में खुलने की उम्मीद है। दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी।

अडाणी समूह आंध्र प्रदेश में 1 लाख करोड़ निवेश करेगा: करण अदाणी

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन में अदाणी समूह के करण अदाणी ने घोषणा की कि अगले दस वर्षों में समूह राज्य में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश पहले से किए गए 40,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगा। निवेश मुख्यतः बंदरगाह, सीमेंट, डेटा सेंटर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में होगा। समूह ने 15 अरब डॉलर की 'विजाग टेक पार्क' योजना का भी खुलासा किया। इसमें गूगल के साथ साझेदारी में दुनिया के सबसे बड़े हरित-संचालित हाइपरस्केल डेटा सेंटर इकोसिस्टम का निर्माण शामिल है। करण अदाणी ने बताया कि वर्तमान परियोजनाओं से 1 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा हुई हैं और आगामी परियोजनाओं से और रोजगार सृजन की योजना है।

अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत प्रगति पर : गोयल

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर व्यापार बाधाओं को कम करने से वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

गोयल ने विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' की तरह एक विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर 'आंध्र मंडपम' विकसित करने के लिए राज्य सरकार के साथ हाथ मिलाकर खुशी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आंध्र मंडपम राज्य के नेतृत्व, दूरदर्शिता और प्रतिभा के अनुरूप एक विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर, आंध्र प्रदेश के बढ़ते कद को प्रतिबिंबित करेगा।

पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में वैश्विक सहयोग बढ़ाने के लिए 3 प्रमुख सुझाव दिए, जिसमें-दोतरफा निवेश को सुगम बनाना, प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत करना और विश्वास का निर्माण और उसे बनाए रखना शामिल है। गोयल ने भारत की अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताओं पर महत्वपूर्ण अपडेट साझा किए, जिसमें अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर चल रही चर्चाओं पर प्रकाश डाला।

सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 में गोयल ने कहा कि हम वर्तमान में यूरोपीय संघ, अमेरिका, ओमान, न्यूज़ीलैंड, चिली और पेरू के साथ बातचीत कर रहे हैं, और कई अन्य देश हमारे साथ चर्चा शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और 4 देशों के यूरोपीय समूह, ईएफटीए सहित कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर कर चुका है।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ये समझौते वैश्विक स्तर पर व्यापार बाधाओं को कम करने और वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के निर्बाध आवागमन को बढ़ावा देने के भारत के व्यापक उद्देश्य का हिस्सा हैं। इसके अलावा गोयल ने भारत में व्यापार को आसान बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि केंद्र ने 42 हजार अनुपालनों को हटा दिया है और 1,500 पुराने कानूनों को समाप्त कर दिया है।

बागलकोट में गन्ना किसानों के विरोध प्रदर्शन में ट्रैक्टरों में आग

बेंगलुरु । कर्नाटक के बागलकोट में गन्ना किसानों का विरोध प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया। गोदावरी शुगर फैक्ट्री में गन्ने से लदे 100 से अधिक ट्रैक्टरों में आग लग गई, जिससे फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। दो मोटरसाइकिलों में भी आग लगी और आसपास घना धुआं फैल गया। मौके पर पुलिसकर्मी कम संख्या में थे, जिससे प्रशासन को स्थिति पर नियंत्रण पाने में कठिनाई हुई। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ गोयल घटना स्थल पर मौजूद थे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। जिला प्रशासन ने सुरक्षा के लिए सेक्शन 144 लागू किया। किसान नेता ने आगजनी में किसानों को दोषी ठहराने से इंकार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि फ़ैक्ट्री से जुड़े लोग हिंसा भड़काने के लिए सक्रिय थे। मोटरसाइकिलों को भी आग के हवाले किया गया मुधोल के किसान गन्ने के लिए 3,500 रुपए प्रति टन की मांग कर रहे हैं। पिछले सप्ताह बेलगावी के किसानों द्वारा तय 3,300 रुपए की दर को वे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। यह हिंसा गन्ना मूल्य को लेकर किसानों और सरकार के बीच चल रहे गतिरोध का हिस्सा मानी जा रही है।

ज्यादा बैटरी खाने वाले ऐप्स की जानकारी देगा गूगल का नया फीचर

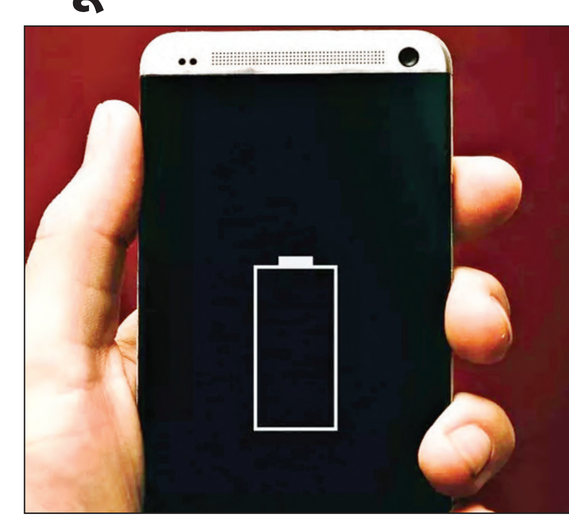

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

गूगल ने एक नया फीचर पेश किया है अब प्ले स्टोर उन ऐप्स को चेतावनी देगा जो फोन की बैटरी पर ज़्यादा बोझ डालते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गूगल ने एंड्राएड सिस्टम में 'एक्सेसिव वेक लाक्स' को ट्रैक करने की नई व्यवस्था बनाई है। ये वे हालात होते हैं जब कोई ऐप स्क्रीन बंद होने पर भी फोन का सीपीयू चालू रखता है। अगर कोई ऐप लगातार ऐसा करता पाया गया, तो उसे प्ले स्टोर पर 'बैटरी ज़्यादा इस्तेमाल करने वाला ऐप' का टैग दिया जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि यूजर ऐप डाउनलोड करने से पहले ही जान सकेगा कि वह ऐप बैटरी खपत में भारी है या नहीं।

इस नए सिस्टम के तहत, यदि कोई ऐप 24 घंटों में दो घंटे से अधिक समय तक नॉन एक्सम्ट वेक लाक्स लगाता है, और पिछले 28 दिनों में कम से कम 5 प्रतिशत यूजर सत्रों में यह व्यवहार दिखाता है, तो उसे चेतावनी मिलेगी। ऐप के पेज पर यह संदेश लिखा जा सकता है 'दिस एप मे यूज मोर बेट्री देन एक्सपेक्टेड एक्टिविटी.' यानी 'यह ऐप बैकग्राउंड में ज्यादा एक्टिविटी के कारण अपेक्षा से अधिक बैटरी का उपयोग कर सकता है।' यह नियम मार्च 2026 से लागू होगा।

इस कदम से यूजर्स को कई फायदे मिलेंगे फोन की बैटरी लाइफ बेहतर होगी, ऐप डाउनलोड करने से पहले स्मार्ट डिसीजन लेना आसान होगा, और फोन की दीर्घकालीन परफॉर्मेंस भी सुधरेगी। वहीं, डेवलपर्स के लिए यह एक संकेत होगा कि उन्हें ऐप्स को अधिक ऊर्जा-कुशल बनाना होगा। हालांकि, गूगल ने स्पष्ट किया है कि सभी वैक लॉक्स खराब नहीं होते। जैसे म्यूजिक चलाना या फाइल डाउनलोड करना ये यूजर द्वारा शुरू की गई प्रक्रियाएं हैं और इन्हें चेतावनी में शामिल नहीं किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बिहार में राजग को...

भविष्य में बिहार देश के सबसे अधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने इसे म सरकार के काम म की जीत बताते हुए कहा है कि तुष्टीकरण की राजनीति कर लोगों को गुमराह करने वालों को बिहार की जनता ने करारा जवाब दिया है और यह मविकसित बिहारफ में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तंज कसते हुए कहा है कि यह मुकाबला मुख्य चुनाव आयुक्त और बिहार की जनता के बीच था।

बिहार में वंशवाद के विरुद्ध...

प्रधानमंत्री ने बिहार के जनादेश और राजग के प्रति वहां की जनता के विश्वास को -अपनी जिम्मेदारी तथा वहां की जनता की आकांक्षाओं को अपना संकल्प बताया। उन्होंने कहा कि सरकार अगले पांच साल बिहार को विकसित बनाने, वहां उद्योग धंधों को प्रोत्साहन देने और निवेश को आकर्षित करने के लिए तेज गति से काम करेगी ताकि वहां के लोगों खास कर, बिहार के युवाओं को उनके राज्य में ही रोजी रोजगार के अवसर मिले।

पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में श्री मोदी ने जीत के लिए बिहार की जनता और मतदाताओं के प्रति आभार जताया। उन्होंने इस जीत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लोक जनशक्ति पार्टी (और), पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी और बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व की सराहना भी की।

श्री मोदी ने यह कहते हुए कि मगंगाजी बिहार से हो कर बंगाल जाती हैंफ, बिहार की इसी जीत ने बंगाल में जीत का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने इसी मंच से पश्चिम बंगाल के लोगों को अगले चुनाव में साथ देने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा की जीत का श्रेय उसके कार्यकर्ताओं को जाता है। बिहार के परिणाम से केरल, तमिलनाडु, पांडिचेरी , असम और पश्चिम बंगाल के भाजपा कार्यकर्ताओं को बड़ी ऊर्जा मिली है।

प्रधानमंत्री ने कहा , म भारत, अब सच्चे सामाजिक न्याय के लिए वोट कर रहा है। जहां हर परिवार को समानता, सम्मान और अवसर मिलता है और जहां अब तुष्टिकरण की कोई जगह नहीं। भारत के लोग अब सिर्फ विकास चाहते हैं, तेज विकास चाहते हैं, विकसित भारत बनाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के विकास में, बिहार के लोगों की बहुत बड़ी भूमिका रही है, लेकिन जिन लोगों ने दशकों तक देश पर शासन किया, उन लोगों ने बिहार को बदनाम किया।

उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा, मइन लोगों ने न बिहार के गौरवशाली अतीत का सम्मान किया और न ही यहाँ की परंपरा और संस्कृति का आदर किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने छठ पूजा को ड्रामा कह कर बिहार की परंपरा का अपमान किया और इसके लिए अब तक क्षमा प्रार्थना नहीं की है, इसे बिहार की जनता कभी नहीं भूलेगी।

उन्होंने कहा, मइनकी हेकड़ी देखिए, छठी मैया से आरजेडी और कांग्रेस ने आज तक माफी नहीं मांगी, और बिहार के लोग यह कभी नहीं भूलेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा और राजग को देश के कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में प्रचंड बहुमत के साथ जीत मिली। हरियाणा ने पार्टी को लगातार तीसरी बार सेवा का अवसर मिला , महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्ववाले गठबंधन को प्रचंड जीत मिली। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा को 25 वर्षों बाद बहुमत से जीते।

उन्होंने कहा कि इस चुनावों में बिहार की जनता ने गर्दा उड़ा दिया है। भारत के विकास में, बिहार के लोगों की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री ने अपने लंबे संबोधन में विपक्ष, खास कर कांग्रेस पार्टी पर तीखे प्रहार किया और कहा कि यह पार्टी अपने -परजीवी हो गयी ओर अपने सहयोगी दलों पर बोझ बन चुकी है।श्री मोदी ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के बाद, देश के 6 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं और इन 6 चुनावों में कांग्रेस कुल मिला कर 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है।उन्होंने कहा, मआज के दिन, सिर्फ एक चुनाव में जितने हमारे विधायक चुने गए हैं, कांग्रेस पिछले 6 चुनाव में उतने विधायक भी नहीं जीत पाई थी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास देश के लिए कोई सकारात्मक सोच नहीं है।फ सच्चाई यह है कि आज कांग्रेस ममुस्लिम-लीगी माओवादी कांग्रेसफ, यानी एमएमसी बन गई है।उन्होंने कहा कि इससे कांग्रेस के भीतर एक धड़ा नाराज है। वह पार्टी के नेतृत्व की इस नकारात्मक राजनीति से असहज और निराश है। श्री मोदी ने कहा, मुझे आशंका है-हो सकता है, आगे कांग्रेस का एक और बड़ा विभाजन हो।श्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत भारत माता की जय के नारे से की और समापन वंदे मातरम् से किया।उन्होंने बिहार के चुनाव को भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने वाला चुनाव बताते हुए शुद्ध मतदता सूची और दो चरणों में पूरी शांति व्यवस्था के साथ सम्पन्न कराये गये इस चुनाव के लिए चुनाव आयोग, चुनाव कर्मियों और सुरक्षा बलों के साथ बिहार की जनता की सराहना की।उन्होंने कहा कि बिहार से ही भारत को लोकतंत्र की जननी होने का गौरव प्राप्त है। बिहार के लोगों और युवाओं ने मततदात सूची की शुद्धता के महत्व को समझा , बिहार ने भारत के लोकतंत्र को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में एक भी जगह पुनर्मतदान की जरूरत नहीं पड़ी जबकि पहले डेढ़-डेढ हजार बूथों पर पुनर्मतदान कराना पड़ता था।श्री मोदी ने सभी दलों से चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम में उत्साह से भाग लेने और बूथ स्तरीय एजेंट नियुक्त कर सूची शुद्धीकरण में सहयोग का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदाता सूची में एक-एक नाम का अपना महत्व होता है।इससे पहले प्रधानमंत्री का स्वागत करने हुए भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा ने भी कहा कि बिहार का जनादेश मजंगल राज को नो इंट्रीफ (जंगल राज का प्रवेश निषेध) के लिए जनादेश है। उन्होंने कहा बिहार में महिलाओं ,किसानों , युवाओं और मजदूरों सहित समाज के हर वर्ग ने राजग का साथ दिया है।

पीएम मोदी के ...

सहयोग के लिए उनका नमन करते हुए हृदय से आभार एवं धन्यवाद।

उन्होंने कहा कि राजग ने इस चुनाव में पूरी एकजुटता दिखाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इसके लिए उन्होंने गठबंधन सहयोगियों चिराग पासवान, जीतन राम माँझी और उपेंद्र कुशवाहा का भी धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस जनादेश और सहयोग की बदौलत बिहार और तेजी से प्रगति करेगा तथा देश के सबसे विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

आठ विधानसभा ...

बडगाम उपचुनाव 4,478 वोटों के अंतर से जीत लिया। पीडीपी उम्मीदवार आगा मुंतजिर को 21,576 वोट मिले, जबकि नेकां के उम्मीदवार आगा महमूद को 17,098 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आगा मोहसिन को 2,619 और निर्दलीय उम्मीदवार जिबरान डार को 7,152 वोट मिले।

जम्मू-कश्मीर की नगरोटा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की दिव्यरानी राणा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह को 24647 मतों से पराजित किया। श्रीमती राणा को कुल 42350 मिले, जबकि श्री सिंह ने कुल 17703 मत हासिल किये। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस यहां पर तीसरे नवंबर पर रही है और उसकी उम्मीदवार शमीम बेगम ने कुल 10872 मत प्राप्त किये।

दिल्ली ब्लास्ट मॉड्यूल...

इरफान का इस्लामिक स्टडी सर्कल उन धड़ों से प्रभावित था जो धर्म आधारित जिहादी संगठनों के विचारों से प्रेरित थे। तबलीगी जमात से प्रेरित ऐसे कई स्टडी ग्रुप हाल के सालों में बढ़े हैं, जिनमें से कुछ सदस्य कट्टरता की ओर झुक जाते हैं।

फंडिंग का बड़ा हिस्सा लखनऊ की डॉक्टर शाहीन सईद की निजी बचत से आया। 2022 की संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट ने भी पुष्टि की थी कि जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा अफगानिस्तान में ट्रेनिंग कैंप चला रहे हैं।

अदील और उसके भाई एक बेहद पढ़े-लिखे, सम्पन्न परिवार से आते हैं। बहन गौहर ने दि प्रिंट से कहा कि भाइयों के आतंकवाद में शामिल होने पर यकीन करना मुश्किल है।

एनआईए अधिकारियों के अनुसार, 2021 के बाद अदील के दिमाग में कट्टर विचार तेजी से बढ़े, जिसके बाद उसने अपना गुप्त जिहादी समूह बनाया। शादी, हनीमून और सामान्य दिनचर्या के पीछे वह और उसका मॉड्यूल बड़े हमले की तैयारी कर रहा था।

ग्रुप को टाइमर और गाड़ियाँ मिल गई थीं, लेकिन डेटोनेटर न मिलने की वजह से उन्हें एसिड-फ्यूज वाले अस्थिर बमों पर निर्भर रहना पड़ा। 2009 के मुंबई लोकल बम धमाकों जैसे हमले की तर्ज पर इस मॉड्यूल ने 2022 से अब तक कई हजार किलो अमोनियम नाइट्रेट और दूसरे विस्फोटक रसायन जुटा लिए थे, जो बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचाने के लिए पर्याप्त थे।जाँच एजेंसियों का मानना है कि मुजफ्फर के अफगानिस्तान भागने का मतलब था कि पूरी साजिश अपने आखिरी चरण में पहुँच चुकी थी और अगर समय रहते यह मॉड्यूल नहीं पकड़ा जाता, तो देश एक और बड़े आतंकी हमले का सामना कर सकता था।

साल 2026 में 59 दिन बजेगी शहनाई

साल 2026 में शुभ विवाह तिथियां 4 फ़रवरी से शुरू होंगी, क्योंकि जनवरी खरमास में होगी और शुक्र अस्त होगा। फ़रवरी से मार्च तक विवाह संभव हैं, लेकिन खरमास के कारण 14 मार्च से 13 अप्रैल तक विवाह स्थगित रहेंगे। मुख्य विवाह सत्र अप्रैल से जुलाई तक रहेगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 2026 का पहला विवाह मुहूर्त 5 फरवरी को रहेगा। साल का आखिरी मुहूर्त 6 दिसंबर को होगा। सालभर में कुल 59 विवाह मुहूर्त रहेंगे। फरवरी में 12, मार्च में 8, अप्रैल में 8 और मई में भी 8 शुभ मुहूर्त रहेंगे। हालांकि बीच के कुछ महीने ऐसे भी हैं, जिनमें एक भी विवाह के मुहूर्त नहीं हैं। हिंदू धर्म में सभी 16 संस्कारों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक माना जाता है। हर साल 15 जनवरी को धनुर्मास खत्म होते ही शादियों के मुहूर्त शुरू हो जाते हैं। इस बार शुक्र ग्रह अस्त होने के कारण जनवरी में शादी के लिए एक भी मुहूर्त नहीं होगा। हालांकि 23 जनवरी को वसंत पंचमी पर देश में कुछ जगह शादियां होंगी, क्योंकि परंपरा के अनुसार कुछ लोग इस दिन को भी शादी का बड़ा मुहूर्त मानते हैं।

वर्ष 2026 की शुरुआत खरमास से हो रही है। खरमास के दौरान सगाई, विवाह, जनेऊ संस्कार, गृह प्रवेश या कोई नया कार्य आरंभ जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। खरमास 15 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति के साथ समाप्त होगा, लेकिन शुक्र अस्त होने के कारण खरमास समाप्त होने के बाद भी विवाह वर्जित रहेंगे। 9 दिसंबर 2025 को अस्त होने वाला शुक्र 1 फरवरी 2026 तक अस्त रहेगा। इसके बाद 4 फरवरी 2026 से विवाह पुनः प्रारंभ होंगे। इसके बाद फरवरी के अंत से 4 मार्च तक होलाष्टक काल के कारण विवाहों पर फिर से रोक लग जाएगी।

फरवरी 2026 में सबसे ज्यादा शादियां

आने वाला वर्ष 2026 अधिक मास वाला होगा। जिसे पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है।. इसमें 12 की जगह 13 महीने रहेंगे क्योंकि उस वर्ष पंचांग में दो ज्येष्ठ माह पड़ेंगे। यह अवधि दो मई से 29 जून तक लगभग 59 दिनों की रहेगी। मास का अगला भाग 17 मई से पंद्रह जून के बीच रहेगा। इससे पहले वर्ष 2018 में दो ज्येष्ठ और 2023 में दो सावन माह पड़े थे। खास बात यह भी है कि नए साल 2026 के पहले महीने यानी जनवरी में शुक्र ग्रह के अस्त होने से उस पूरे महीने में विवाह के लिए कोई शुभ तिथि नहीं रहेगी। पंचांग के अनुसार साल 2025 में 12 दिसंबर को शुक्र ग्रह अस्त अवस्था में चला जाएगा और फिर 2026 में 1 फरवरी को अस्त ही रहेगा। जिससे विवाह के मुहूर्त नहीं बनेंगे. ।विवाह मुहूर्त के लिए बृहस्पति और शुक्र दोनों ग्रह को उदित होना चाहिए। ऐसे में शुक्र के उदित होने पर 1 फरवरी 2026 से विवाह मुहूर्त शुरू हो जाएगा।

वैदिक ज्योतिष में गुरु को शुभ फलदायी ग्रह माना गया है। जन्म कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति शुभ होने पर व्यक्ति को हर क्षेत्र में सफलता हासिल होती है। गुरु की कमजोर स्थिति से जातक को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। गुरु धनु व मीन राशि के स्वामी ग्रह हैं। यह कर्क राशि में उच्च व शनिदेव की राशि मकर में नीच के माने जाते हैं। प्रत्येक गुरुवार शिवजी को बेसन के लड्डू चढ़ाने चाहिए। गुरुवार को व्रत करें। इस दिन पीली वस्तुओं का दान अपने सामर्थ्यनुसार करें। गुरुवार के दिन विष्णु भगवान को घी का दीपक लगाएं। शास्त्रों के मुताबिक विवाह में गुरु ग्रह को उदय होना आवश्यक माना जाता है। हमारे षोडश संस्कारों में विवाह का बहुत महत्त्व है। विवाह का दिन व लग्न निश्चित करते समय वर एवं वधु की जन्म पत्रिका अनुसार सूर्य, चंद्र व गुरु की गोचर स्थिति का ध्यान रखना अति आवश्यक होता है। जिसे त्रिबल शुद्धि कहा जाता है।

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चले जाते हैं। वहीं, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर योगनिद्रा से जागृत होते हैं। इस दौरान विवाह समेत सभी प्रकार के मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। वहीं, देवउठनी एकादशी से शुभ कार्य किए जाते हैं। चातुर्मास के दौरान विवाह संबंधित कार्य भी नहीं किए जाते हैं। इसके साथ ही सूर्य देव के धनु और मीन राशि में गोचर के दौरान भी शादी नहीं की जाती है। इस दौरान गुरु का प्रभाव क्षीण हो जाता है।

शुक्र – गुरु ग्रह के अस्त होने पर विवाह नहीं होते

विवाह मुहूर्त की गणना करते समय शुक्र तारा और गुरु तारा पर विचार किया जाता है। बृहस्पति और शुक्र के अस्त होने पर विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रम नहीं किए जाते है। इसलिए, इस दौरान कोई विवाह समारोह नहीं किया जाना चाहिए।

खरमास और चातुर्मास 2026

14 मार्च 2026 को सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करते ही खरमास पुनः प्रारंभ हो जाएगा। खरमास 13 अप्रैल 2026 तक रहेगा। इस दौरान विवाह नहीं हो सकेंगे। इसके बाद, विवाह का मौसम पुनः शुरू हो जाएगा, जो चातुर्मास के प्रारंभ तक जारी रहेगा। चातुर्मास देवशयनी एकादशी से प्रारंभ होकर देवउठनी एकादशी पर समाप्त होता है। देवउठनी एकादशी के अगले दिन तुलसी विवाह किया जाता है और इसके साथ ही शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। 2026 में, देवशयनी एकादशी 25 जुलाई 2026 को और देवउठनी एकादशी 20 नवंबर 2026 को पड़ेगी। इसलिए, 25 जुलाई से 20 नवंबर 2026 के बीच कोई भी शुभ कार्य नहीं होंगे।

विवाह का धार्मिक महत्व

सनातन धर्म दुनिया के सबसे पुराने धर्मों में से एक है, जो कई प्रकार की परंपराओं और मान्यताओं से समृद्ध है। इस परंपरा में से एक शुभ विवाह भी है, यह जीवन का सबसे खुशनुमा पल होता है। विवाह कई तरह से किए जाते हैं, प्रत्येक के अपने-अपने रीति-रिवाज और महत्व होते हैं। हिंदू धर्म में यह 16 संस्कारो मे से एक होता है और इसके बगैर कोई भी व्यक्ति ग्रहस्थाश्रम में प्रवेश नहीं कर सकता है। इसलिए हमारे शास्त्रों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण और कल्याणकारी माना जाता है।

वर्ष 2026 के शुभ मुहूर्त

फरवरी 2026 – 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25 **और** 26 **फरवरी**

मार्च 2026 –1, 3, 4, 7, 8, 9, 11 **और** 12 **मार्च**

अप्रैल 2026 – 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28 **और** 29 **अप्रैल**

मई 2026 – 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14 **मई**

जून 2026 – 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29 **जून**

जुलाई 2026 – 1, 6, 7, 11 **जुलाई**

नवंबर 2026 – 21, 24, 25 **और** 26 **नवंबर**

दिसंबर 2026 –2, 3, 4, 5, 6, 11 **और** 12 **दिसंबर**

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

साल 2026 में तुला राशि के दांपत्य जीवन में बढ़ेगा रोमांस और दूरियां होंगी खत्म, इन मामलों में रहना होगा सतर्क

तुला राशि वालों के लिए साल 2026 वैवाहिक जीवन के मामले में बेहद खुशहाल रहने वाला है। आपकी शादीशुदा जिंदगी में रोमांस और प्रेम बढ़ेगा। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा। रिश्ते में संतुलन बना रहेगा। हालांकि, छोटे-छोटे मतभेद भी हो सकते हैं जो ज्यादा समय के लिए नहीं होंगे। दोनों के बीच की नजदीकियां बढ़ेंगी और आपसी तालमेल भी बना रहेगा। आप एक साथ छोटी यात्राओं पर भी जा सकते हैं। शादीशुदा लोगों के लिए अप्रैल और अक्टूबर सबसे खास रहने वाला है। लेकिन यह साल सिंगल या जो रिलेशनशिप में हैं उनके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। राहु से सतर्क रहना होगा क्योंकि, आपके रिश्ते में समस्याएं और चुनौतियां आने की संभावना है। हालांकि, फरवरी और जुलाई का महीना आपके लिए बेहतर रहेगा। आइए विस्तार से जानें साल 2026 का तुला लव राशिफल...

तुला लव राशिफल विवाहित लोगों के लिए

तुला राशि वालों के लिए 2026 वैवाहिक जीवन के मामले में बेहद खुशनुमा और प्यार भरा रहने वाला है। साल की शुरुआत आपसी समझ, प्रेम विश्वास और रोमांस भरी रहेगी। रिश्ते में संतुलन बना रहेगा और आप एक दूसरे की भावनाओं को अच्छी तरह समझेंगे। ऐसे में दोनों ही अपने वैवाहिक जीवन में बहुत खुश रहने वाले हैं। हालांकि, कभी-कभी बहस या मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, जो ज्यादा समय के लिए नहीं होंगे। आप प्रेम और समझदारी से हर समस्या का समाधान खोज लेंगे।

तुला राशि के लिए जून के महीने में गुरु गोचर के बाद समय पहले से भी अनुकूल होता जाएगा और आपके दांपत्य जीवन में सुखद अनुभव रहेंगे। दोनों के बीच का रोमांस और नजदीकियां बढ़ती जाएंगी। आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और दोनों एक दूसरे के साथ गहरा जुड़ाव महसूस करेंगे। आप अपने जीवनसाथी के साथ धार्मिक कार्यों में भी शामिल हो सकते हैं। इसी के चलते रिश्ता और भी ज्यादा मजबूत होता जाएगा। रिश्ते में शांति भी रहेगी और कभी-कभी थोड़े झगड़े भी होंगे। लेकिन आप बहुत आसानी से उन्हें सुलझा लेंगे। ऐसे में पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा और एक दूसरे के साथ प्रेम गहरा होता जाएगा।

तुला राशि के लिए साल का अंत भी बेहतरीन रहने वाला है। अगर आपके रिश्ते में कोई समस्याएं या छोटी-छोटी गलतफहमियां थीं, तो वे दूर हो जाएंगी। इससे दोनों के बीच का भावनात्मक जुड़ाव गहरा होगा। आप इस अवधि के दौरान एक साथ कहीं घूमने जाने का प्लान भी बना सकते हैं। जिससे जीवन में नई ऊर्जा और ताजगी महसूस होगा। साथ ही, वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा। आप दोनों भविष्य के लिए भी कुछ योजनाएं बना सकते हैं, जो लाभकारी सिद्ध होंगी। कुल मिलाकर यह पूरा साल आपके दांपत्य जीवन में प्रेम, खुशहाली और रोमांस लेकर आएगा।

तुला लव राशिफल अविवाहित लोगों के लिए

तुला राशि के जो जातक इस साल में शादी करने का प्लान कर रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल रह सकता है। सिंगल लोगों को कोई जीवनसाथी मिल सकता है या परिवार की ओर से भी कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है। वहीं, जो लोग पहले से किसी रिश्ते में हैं और लव लाइफ बिता रहे हैं उनके लिए साल 2026 सामान्य से कम अच्छा हो सकता है।

साल की शुरुआत में तुला राशि वालों को अपने पार्टनर को समझने में थोड़ी कठिनाई महसूस हो सकती है। लेकिन धैर्य और शांति के साथ कुछ समय लेकर सही निर्णय पर पहुंच सकते हैं। इस साल में सिंगल लोगों की सगाई होने के प्रबल योग हैं या आपकी शादी का रिश्ता आगे बढ़ सकता है। वहीं, जो लोग पहले रिश्ते में उन्हें के लिए यह समय बहुत खुशहाल और शांतिपूर्ण रहने वाला है। लेकिन आपको अपने पार्टनर के साथ किसी भी प्रकार की बहस या मनमुटाव से बचना होगा।

तुला राशि की लव लाइफ में राहु के प्रभाव से कुछ समस्याएं आ सकती हैं। रिश्ते में दूरियां बढ़ने की संभावना है। रिश्ते में अस्थिरता देखने को मिल सकती है। ऐसे में धैर्य रखना जरूरी होगी और समझदारी से किसी भी स्थिति को संभालना बेहतर साबित होगा। ऐसा भी हो सकता है की आपके रिश्ते में कोई तीसरा व्यक्ति दस्तक दे दे। जिसके चलते रिश्ते में दूरियां बढ़ सकती हैं। इससे बचने के लिए आपसी तालमेल बनाए रखना होगा और किसी भी तीसरे व्यक्ति को अपने मामलों से दूर रखना बेहतर होगा। अक्टूबर में गुरु गोचर के बाद स्थितियां बेहतर हो सकती हैं। साथ ही, आपके रिश्ते में आने वाली समस्याएं भी कम होंगी। लेकिन तब तक धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा।

उत्पन्ना एकादशी के दिन तुलसी और शंख से कर लें ये उपाय, हर परेशानी हो जाएगी दूर

मार्गशीर्ष मास में पड़ने वाली उत्पन्ना एकादशी को महत्वपूर्ण और कल्याणकारी माना जाता है। यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित होता है। इस बार 15 नवंबर 2025, शनिवार के दिन उत्पन्ना एकादशी का व्रत पड़ रहा है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और पूजा करने से जीवन में कष्टों से छुटकारा मिलता है और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। उत्पन्ना एकादशी के दिन तुलसी और शंख से कुछ विशेष उपाय करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

उत्पन्ना एकादशी पर तिल का उपाय

उत्पन्ना एकादशी के दिन जल में तिल डालकर स्नान करना बेहद ही शुभ माना जाता है। तिल से स्नान करने से शरीर और मन की शुद्धि होती है। इस उपाय से सभी पापों के नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है।

उत्पन्ना एकादशी पर तुलसी का उपाय

उत्पन्ना एकादशी के दिन भगवान विष्णु को तुलसी का पत्ता अर्पित करें। इस दिन तुलसी के पौधे की पूजा करने और घी का दीपक जलाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। ऐसा करने से भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

उत्पन्ना एकादशी पर धन प्राप्ति के उपाय

शास्त्रों के अनुसार, पीला रंग भगवान विष्णु को अति प्रिय है। भगवान विष्णु को पीतांबर धारी भी कहा जाता है। ऐसे में उत्पन्ना एकादशी के दिन पीले वस्त्र धारण करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इससे आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और जीवन में धन प्राप्ति के अवसर मिलते हैं।

उत्पन्ना एकादशी पर दरिद्रता दूर करने के उपाय

एकादशी के दिन गरीबों और जरूरतमंद लोगों को भोजन करना और दान करना अत्यंत शुभ माना गया है। इससे जीवन में समृद्धि आती है और भगवान विष्णु की कृपा से घर में कभी भी अन्न की कमी नहीं होती है। इस दिन सूर्योदय और सूर्यास्त के समय घर के मुख्य द्वार पर घी का दीपक जलाने से दरिद्रता दूर होती है।

उत्पन्ना एकादशी पर आर्थिक संकट दूर करने के उपाय

हिंदू धर्म में शंख को भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में उत्पन्ना एकादशी के दिन शंख बजाना अत्यंत शुभ और लाभकारी माना जाता है। इस दिन शंख बजाने से आर्थिक संकट दूर होते हैं। शंख की आवाज से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

मामा शकुनी को जुए में केवल एक व्यक्ति हरा सकता था, युधिष्ठर ने उन्हें वचन में बांधा, परिणाम हुआ द्रौपदी चीरहरण

महाभारत की रोचक कहानियां: शकुनी को महाभारत के सभी पात्रों में से सबसे शातिर माना जाता है। कहते हैं कि मामा शकुनी को शतरंज में हराना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन था। लेकिन, कोई था जो न सिर्फ मामा शकुनी को द्यूत में परास्त कर सकता था और द्रौपदी चीर हरण की घटना को भी रोक सकता था है। लेकिन पांडवों ने उन्हें इस खेल तो क्या खेल भवन में आने से भी रोक दिया था। यही वजह रही जिससे पांडव शकुनी और दुर्योधन की चाल में फंस गए और बात यहां तक पहुंच गई की पांडव राजपाट तो क्या द्रौपदी को भी जुए में हार गए।

चौसर का खेल और शकुनी की चाल

शकुनि के पास जो पासे थे वह बहुत ही मायावी थे वह उसके इशारों पर काम करते थे। क्योंकि वह पासे शकुनि ने अपनी पिता की हड्डियों से बनाए थे जिस वजह से शकुनि को कभी भी कोई चौसर में नहीं हरा सकता था। लेकिन, शकुनी को केवल भगवान कृष्ण ही इस खेल में मात दे सकते हैं तो फिर क्यों भगवान कृष्ण ने उस दिन शकुनि के साथ चौसर का खेल नहीं खेला और आखिर क्यों भगवान कृष्ण द्रोपदी की रक्षा के लिए उस समय पहुंचे जब दुशासन ने द्रौपदी का चीर खींचना शुरू किया? यही प्रश्न भगवान कृष्ण से उद्धवजी ने भी किया था। उद्धव ने पूछा था जब द्रौपदी लगभग अपना शील खो रही थी,तब आपने उन्हें वस्त्र चीर हरण के अपमान से बचाया और उनके शील की रक्षा की। आप चाहते तो इस घटना को पहले भी रोक सकते थे लेकिन आपने पहले ऐसे क्यों नहीं किया।

क्यों पांडवों को करना पड़ा जुए में हार का सामना

भगवान कृष्ण ने बताया कि, पांडव मुझसे छुपकर चौसर के खेल में शामिल हुए थे। साथ ही मन ही मन मुझसे प्रार्थना की थी कि आप इस द्यूत भवन में न आएं। इसलिए मैं तो क्रीड़ा भवन के बाहर ही खड़ा रहा। पांडवों के सामने जब दुर्योधन ने यह बात रखी की उसकी ओर से पासा शकुनि फेंकेगा तब युधिष्ठिर की मति मारी गई थी। वह भी

कह सकता था कि अगर दुर्योधन की ओर से पासा शकुनि चलेंगे तो पांडवों की ओर से उनका भ्राता कृष्ण पासा चलेंगे। युधिष्ठिर अगर ऐसा करते तो द्यूत में शकुनि अपनी कपट नहीं दिखा पाता और पांडव निश्चित विजयी होते और द्रौपदी चीर हरण की घटना भी नहीं हो पाती।

इसलिए चीर हरण होने पर द्रौपदी की लाज बचाने पहुंचे श्रीकृष्ण

द्रौपदी को जुए में हार जाने पर दुर्योधन ने अपने भाई दुशासन को द्रौपदी के बाल पकड़कर घसीटते हुए सभा भवन में लाने का आदेश दे दिया। दुशासन द्रौपदी को बालों से घटीसता हुआ सभा में लेकर पहुंचा। उस समय द्रौपदी ने सबसे पहले अपने पतियों के तरफ आशा से देखे की वह सभी उसकी लाज बचाएंगे लेकिन, सभी पांडव मुंह लटकाए हुए बैठे रहे। जब दुस्साशन ने द्रौपदी का चीरहरण करना आरंभ किया तब द्रौपदी ने भगवान कृष्ण को पुकारा। जैसे ही द्रौपदी ने भगवान कृष्ण को पुकारा तो वह बिना किसी विलंब के ही द्रौपदी को बचाने के लिए पहुंच गए। भगवान ने उद्धवजी को बताया कि, वह तो द्रौपदी को बचाने के लिए तत्पर बैठे थे लेकिन जबतक कोई उन्हें सच्चे मन से पुकारता नहीं तब तक वह कहीं नहीं जाते हैं। जब व्यक्ति अहंकार छोड़कर उनकी ओर आस लगता है वह मदद के लिए अवश्य आते हैं।

शर्ट, पैंट और आंखों पर काला चश्मा... देसी से मॉडर्न बनीं महाकुंभ गर्ल मोनालिसा

महाकुंभ मेले में माला बेचकर वायरल हुई मोनालिसा अब अपनी डेब्यू फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की तैयारी में जुट गई हैं। इस बीच वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। हाल ही में मोनालिसा ने फिल्म के सेट से अपनी स्टाइलिश तस्वीरें शेयर की हैं।

ब्लू कलर की चेक शर्ट और ब्लैक पैंट पहने पहली बार स्टाइलिश लुक देखने को मिला। इस दौरान आंखों पर काला चश्मा लगाए वो काफी स्टनिंग दिख रही थीं। कर्ली हेयरस्टाइल और सटल मेकअप के साथ उन्होंने अपना लुक पूरा किया था जिसमें वो काफी प्यारी नजर आ रही थीं। मोनालिसा ने सेट से इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ वीडियोज भी शेयर किए हैं। इनमें से एक में वो पिंक शर्ट के साथ बेज पैंट पहने दिखाई दे रही हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर रेड कलर की ड्रेस में भी अपनी एक फोटो पोस्ट की है। इसमें वो बहुत खूबसूरत नजर आ रही हैं। एक वीडियो में मोनालिसा को टच-अप करवाते भी देखा जा सकता है। ये वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। दो दिन पहले मोनालिसा ने अपना एक लिपसिंक वीडियो भी शेयर किया था। इसमें भी वो शर्ट पहने नजर आई थीं।

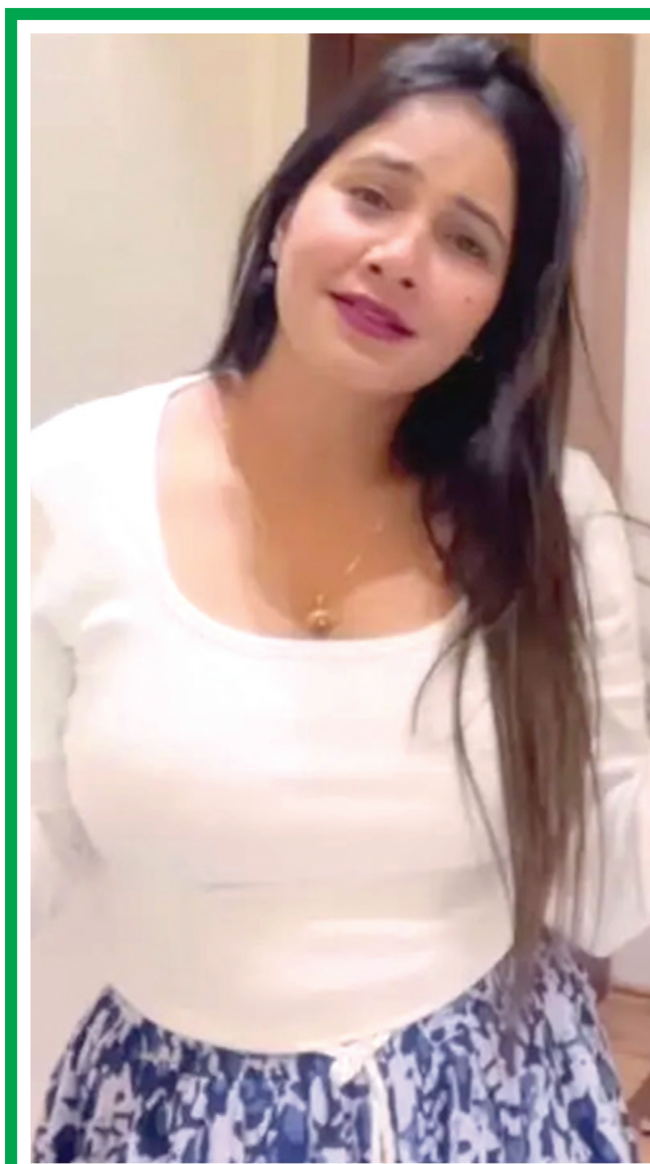

इधर चला मैं उधर चला गाने पर प्रीति जिंटा की तरह त्रिशाकर मधु ने दिए शानदार एक्सप्रेशन

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री त्रिशाकर मधु ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जो उनके फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स के बीच सुर्खियां बटोर है। वीडियो में त्रिशा ने अपनी मुस्कान और हावभाव के जरिए फैंस के दिलों में एक अलग ही छाप छोड़ी है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए एक वीडियो में त्रिशाकर मधु बॉलीवुड गाने 'इधर चला मैं उधर चला' पर अपने एक्सप्रेशन और डांस से फैंस का ध्यान खींच रही हैं। वीडियो में उनका अंदाज बेहद आकर्षक है। उनके हाव-भाव और एनर्जी गाने की धुन और बोल के साथ-साथ पूरी तरह मेल खा रहे हैं। वीडियो में उनकी मासूमियत और खूबसूरती का मिश्रण देखने को मिल रहा है। बता दें कि 'इधर चला मैं उधर चला' गाना बॉलीवुड फिल्म 'कोई मिल गया' का बेहद लोकप्रिय गीत है, जिसे उदित नारायण और अलका याग्निक ने गाया है। इस गाने का संगीत राजेश रोशन ने दिया है और इसके बोल इब्राहिम अश्क ने लिखे हैं। इस गाने को ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा पर फिल्माया गया है। गाने में उनकी केमिस्ट्री बेहद शानदार नजर आ रही है। यह गाना आज भी लोगों की पसंदीदा प्लेलिस्ट म्यूजिक में शामिल है और जुबां पर रटा हुआ है।

अगर त्रिशाकर मधु की बात करें, तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी और धीरे-धीरे भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शामिल हो गईं। उन्होंने पवन सिंह, खेसारी लाल यादव और अरविंद अकेला कल्लू जैसे सुपरस्टार्स के साथ काम किया है। उनके वीडियो एल्बम और फिल्मों की वजह से उन्हें भोजपुरी सिनेमा में खास पहचान मिली है। सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट हमेशा चर्चा में रहते हैं और फैंस उनके हर नए पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

रवि गुप्ता की कॉमेडी देख हंसी से लोटपोट हुए अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के फेमस शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में कॉमेडी का तड़का लगाते हुए कमीडियन रवि गुप्ता, अनुभव सिंह बस्सी, अभिषेक उपमन्यु और हर्ष गुजराल को देखा गया। चारों की कॉमेडी से अमिताभ बच्चन खूब हंसने को मजबूर हो गए, लेकिन सबसे ज्यादा मजेदार उन्हें रवि गुप्ता के करियर की संघर्ष भरी और कॉमेडी से भरपूर कहानी लगी, जिसे सुनते वक्त एक्टर हर वाक्य पर हंसते दिखे हैं। सोनी लिव ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के शो की बहुत सारी क्लिप रिलीज की है, जिसमें अमिताभ बच्चन चारों कमीडियन के साथ मस्ती करते दिख रहे हैं। एक क्लिप में रवि गुप्ता मजाकिया अंदाज में अपने करियर की कहानी बता रहे हैं। रवि गुप्ता कहते हैं, जब मैंने कॉमेडी करियर की शुरुआत की थी, तो मेरे माता और पिता ने इसका विरोध किया था। पापा ने कहा कि लड़का नालायक है और मां कहती थी, 'सही कह रहे हो, रवि के पापा।' बहुत गालियां पड़ती थीं, तब मैंने माता-पिता को पैसे देने शुरू कर दिए, जिसके बाद उन्हें सबकुछ ठीक लगने लगा।

रवि बताते हैं कि उन्होंने माता-पिता से कहा कि अब कॉमेडी करना रिस्की हो गया है। माता-पिता ने कहा कि कोई नहीं, हेलमेट पहनकर करो, करो जरूर। ये सुनकर अमिताभ बच्चन खिलखिलाकर हंस पड़ते हैं। एक्टर को रवि की हर एक लाइन पर हंसते हुए देखा गया। इसके अलावा, खुद अमिताभ बच्चन ने चारों को टक्कर दी और सेट पर कॉमेडी करते हुए चूहे का किस्सा सुनाया।

उन्होंने कहा कि हमारे सेट के कमरे में एक बार चूहा आ गया और हमने उससे कहा कि बिना ऑडिशन के कैसे आ गए, तब चूहे ने जवाब दिया, सर, ऑडियंस पोल। एक्टर की कॉमेडी देखकर चारों भी हैरान हो गए और हर्ष गुजराल ने कहा कि आप एक्टिंग के बादशाह हैं, सिंगिंग भी करते हैं, होस्टिंग भी करते हैं, अब कॉमेडी कर रहे हैं, अब हम लोग अपना सामान पैक कर गांव चले जाते हैं क्योंकि अब हमारी जरूरत नहीं है। शो को दर्शक सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सोनी लिव पर देख सकते हैं।

दीपिका पादुकोण के बाद अब कुब्रा सैत ने संभाली नारीवाद की कमान, 'लव लिंगो' सीज़न 2 में बनीं पहली मेहमान

अपने बेबाक विचारों और निडर आवाज़ के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री कुब्रा सैत हाल ही में 'लव लिंगो' सीज़न 2 के पहले एपिसोड में मुख्य अतिथि बनीं नज़र आईं, जहाँ उन्होंने महिलाओं की पहचान, आत्म-स्वीकार और समाज के तयशुदा लेबल्स से परे जीने के मायनों पर खुलकर बात की। गौरतलब है कि जस सगू और अर्सला कुरैशी द्वारा होस्ट किया गया यह नया सीज़न प्रेम, भाषा और संस्कृति के गहरे रिश्ते को आगे बढ़ाता है, और अब कुब्रा की ईमानदार बातचीत ने शो के टोन को एक मजबूत दिशा दी है। कुब्रा कहती हैं, अच्छी लड़कियाँ लड़कों से बात नहीं करतीं, अच्छी लड़कियाँ लिपस्टिक नहीं लगातीं, अच्छी लड़कियाँ बस सुनती हैं, बचपन में मैंने कहीं यह पंक्तियां पढ़ी थी। लेकिन अब मेरी ज़िंदगी में इनमें से कुछ भी नहीं है। मैं किसी तय कैलेंडर या नियमों के हिसाब से नहीं जीती और न जी सकती हूँ। कब शादी करनी है या कब खुश रहना है, ये मैं तय करूँगी। मैंने 30 साल की उम्र में तैरना सीखा, खुले समुद्र में गोता लगाया और मेरे लिए यही असली आज़ादी का एहसास है। पिछले सीज़न में दीपिका पादुकोण के प्रभावशाली विचारों की तरह, कुब्रा भी इस बार जेंडर आधारित उम्मीदों पर बातचीत को आगे बढ़ाती नज़र आई हैं और महिलाओं को अपने जीवन के मायने खुद तय करने का आमंत्रण देती हैं। बातचीत के दौरान अर्सला कुरैशी ने कुब्रा के चर्चित सीरीज़ सैक्रेड गेम्स से उनके चर्चित किरदार कुकू को याद किया, जिसने पर्दे पर एक जेंडर विशेष का प्रतिनिधित्व किया था।

अर्सला ने कहा, कोई मुंबई इस सोच के साथ नहीं आता कि मैं ट्रांसजेंडर का किरदार निभाकर मशहूर हो जाऊँगी, लेकिन आपने वो किया और ट्रांसजेंडर समुदाय को यह यकीन दिलाया कि वे जैसे हैं, वैसे ही रहकर भी दुनिया का प्यार पा सकते हैं। इस पर कुब्रा ने जवाब दिया, मेरा मानना है कि अनुराग कश्यप जी ने इसे बहुत खूबसूरती से लिखा था। कुछ भी अकेले में नहीं बनता, सब कुछ सहयोग से बनता है। मैं बस सही वक्त पर सही जगह पर थी, और इतना किया कि 'ना' नहीं कहा।

अनुराग कश्यप और नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, ज़रा सोचिए, जब रेसिपी में अनुराग कश्यप और नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी हों, तो मैंने क्रिएटिविटी पर भरोसा किया और बिना सोचे हाँ कह दिया। 'सैक्रेड गेम्स' से लेकर 'लव लिंगो' तक, कुब्रा सैत अपनी परफॉर्मेंस के साथ-साथ आज़ादी और आत्म-पहचान की विकसित होती समझ से भी प्रेरणा देती रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत जल्द ही वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नज़र आनेवाली हैं।

गिरिजा ओक साड़ी में मचा रही हैं गदर

आजकल सोशल मीडिया पर मराठी और बॉलीवुड एक्ट्रेस गिरिजा ओक की सादगी और खूबसूरती के ही चर्चे छाए हुए हैं। एक्ट्रेस की साड़ी वाली तस्वीरों इंटरनेट पर जमकर गदर काट रही हैं। ऐसे में अब हर कोई यह जानने के लिए बेताब हो रहा है, कि आखिर ये हसीना है कौन? तो चलिए आपको बताते हैं कि, ये खूबसूरत एक्ट्रेस कौन है।

इटरनेट एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां कब-कौन वायरल हो जाए और रातोंरात स्टार बन जाए कहा नहीं जा सकता। वहीं इस बीच इन दिनों एक्ट्रेस गिरिजा ओक का चेहरा खूब सुर्खियां बटोर रहा है, जिनकी सादगी और खूबसूरती के लोग दीवाने हो रहे हैं। उनका खूबसूरत और सरल अंदाज सभी को अपनी तरफ खींच रहा है।

ओक की जो तस्वीरें सबसे ज्यादा वायरल हो रही हैं, उनमें वह स्लीवलेस ब्लाउज और ब्लू कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। उनका यह ट्रेडिशनल लुक और कातिलाना स्माइल इंटरनेट पर कहर ढा रहा है। गिरिजा ओक ने अपने करियर की शुरुआत महज 15 साल की उम्र में की थी। एक्ट्रेस ने मराठी सिनेमा से डेब्यू किया था, जहां उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से एक खास पहचान बनाई। हालांकि, उन्होंने मराठी के साथ-साथ हिंदी और कन्नड़ सिनेमा में भी काम किया है। हालांकि, गिरिजा ओक इन दिनों अपनी वायरल तस्वीर को लेकर हेडलाइन्स में बनी हुई है। बता दें कि, ये फोटो किसी फिल्म या फोटोशूट की नहीं, बल्कि एक हिंदी यूट्यूब चैनल पर दिए गए इंटरव्यू की है, जहां उनकी सिंपलीसिटी देखने को मिली। इसी सादगी ने उन्हें रातों-रात इंटरनेट का स्टार बना दिया। लोग उन्हें मराठी एक्ट्रेस के रूप में जानते हों, लेकिन गिरिजा ने कई बड़ी हिंदी फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का दम दिखाया है। वह आमिर खान की मशहूर फिल्म 'तारे जमीन पर' और 'शोर इन द सिटी' जैसी हिट फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। बता दें कि, गिरिजा ओक शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' में भी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुकी हैं। इस मूवी में वह शाहरुख की को-स्टार बन छाई थी। ओक नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे' में मनोज बाजपेी की पत्नी का रोल निभाया था, जिसे काफी पसंद किया गया था। इसके अलावा वह पॉपुलर टीवी शो 'CID' में भी 'सपना' का किरदार निभा चुकी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा । सितारे इशारा कर रहे हैं कि किसी नज़दीकी स्थान की यात्रा हो सकत है। यह सफ़र मज़ेदार रहेगा और आपके प्रिय लोगों का साथ मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे । जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक्कतें आ सकती हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे। अगर आप थोड़ी कोशिश करें तो आपका दिन कुछ इसी तरह गुज़रेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जीवन–साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे। आपकी बातों को आपके घर वाले आज गौर से नहीं सुनेंगे इसलिए आज उनपर आपका गुस्सा फूट सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक रुमानी झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़िंदगी की ओर एक उदार रवैया अपनाएँ। अपने हालात की शिकायत करने और उसे लेकर दु:खी होने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा, क्योंकि यह मुफ़्त भी है और अच्छी एक्सरसाइज़ भी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका तेज़ काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए आज आप किसी मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से मिल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ मज़ेदार रहेंगी, अगर पूरे परिवार की उसमें सहभागिता हो। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है। स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के लिए आज किसी पार्क या जिम में आप जा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है; आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं। आपकी खूबियां आज लोगों को बीच आपको प्रशंसा का पात्र बनाएंगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी। जीवनसाथी की वजह से आपकी कोई योजना या कार्य गड़बड़ हो सकता है; लेकिन धैर्य बनाए रखें।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 नवंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 02:39 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 11:34 तक
योग : वैधृति प्रातः 06:25 तक
करण : बव दोपहर 01:42 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11,सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : उत्पन्ना एकादशी व्रत , वैतरणी व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अंता उप चुनाव में कांग्रेस की धाक: गहलोत बोले

एंटी-इंकंबेंसी दो साल में ही हावी हुई

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बारां जिले की अंता विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया की जीत पर सभी मतदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया है और नवनिर्वाचित विधायक को हार्दिक बधाई दी है। गहलोत ने इस जीत को भाजपा सरकार के खिलाफ आमजन के बढ़ते विश्वास का प्रतीक बताया है। गहलोत ने एक बयान जारी कर कहा कि अंता की यह जीत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में आमजन के विश्वास को एक बार फिर मजबूत करती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार के पिछले दो वर्षों के शासन पर सीधा हमला करते हुए कहा कि, भाजपा सरकार पिछले दो वर्षों की अपनी एक भी ठोस उपलब्धि बताने में नाकाम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार द्वारा पूर्व में चलाई गई लोकप्रिय जनहितकारी योजनाओं को कमजोर करने के कारण आम आदमी बेहद परेशान है, और यही कारण है कि यह चुनाव परिणाम 'पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की योजनाओं पर जनता की मुहर' है। गहलोत ने कहा, इस परिणाम से लगता है कि मात्र दो वर्षों में ही सरकार पर एंटी–इंकबेंसी हावी हो गई है और यह सरकार अपने लिटमस टेस्ट में फेल साबित हुई है।

उन्होंने अंता में जीत सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा की गई अथक मेहनत के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। यह उपचुनाव परिणाम यह साफ संकेत देता है कि राजस्थान की जनता वर्तमान सरकार के कामकाज से संतुष्ट नहीं है और कांग्रेस की पूर्व की जन–कल्याणकारी नीतियों को याद कर रही है।

डॉ. मोहन भागवत ने धानक्या स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक पर अर्पित की पुष्पांजलि

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत शुक्रवार को जयपुर के धानक्या गांव स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक पर पहुंचे। उन्होंने यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और स्मारक पर संस्कार सृष्टि तथा उनके जीवन से जुड़ी अनेक घटनाओं को देखा। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की गत 6 वर्षों की गतिविधियों पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर डॉ. भागवत ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी का जो दर्शन है, उसके पीछे उनकी पूरी जीवन की तपस्या है। वह कोरा चिंतन नहीं है। जीवन के अनुभव की गहराई में जो मनन हुआ है उसका परिणाम है। यह दर्शन नया नहीं है, अपना सनातन दर्शन ही है। दीनदयाल जी ने इस दर्शन को देशकाल और परिस्थिति के अनुसार प्रस्तुत किया है, जो ऋषि मुनियों ने कहा उसे अनुभव किया और उस अनुभव में से उसका एक परिष्कृत रूप उन्होंने समाज के सामने रखा। डॉ. भागवत ने कहा कि दीनदयाल जी का दर्शन इस राष्ट्रीय स्मारक से देश में सभी जगह जाना चाहिए। इनके आदर्शों का प्रचार सर्वत्र हो, ऐसा प्रयास हमें करना चाहिए और उनके जीवन के अनुसार जीने वाले लोगों को प्रति वर्ष यहां सम्मानित भी करना चाहिए। सत्य, करुणा, शुचिता और तपस्या, ये चारों बातें दीनदयाल जी के जीवन में पूर्णतः उत्कर्षता के साथ दिखती है।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी स्वतंत्र भारत में एकमात्र उदाहरण है जिन्होंने राजनीति में जाकर राजनीति की प्रकृति को बदलने का प्रयास किया, लेकिन राजनीति में रहकर भी अपने मूल चरित्र और स्वभाव में बिल्कुल बदलाव नहीं होने दिया। उनके रास्ते पर चलने वाले लोग प्रयास तो कर रहे हैं, लेकिन वह प्रयास किस दिशा में कैसे करें, इसका दीनदयाल जी ने मूर्तिमान उदाहरण अपने जीवन से दिया है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा ने कहा कि समिति की स्थापना वर्ष 2019 में दीनदयाल उपाध्याय के विचार–दर्शन को देश–विदेश में फैलाने के उद्देश्य से की गई थी। समिति का लक्ष्य सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ताओं में दीनदयाल भाव जागृत करना है और इस दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि देश में फिलहाल धानक्या, फरह (मथुरा),चित्रकूट और मुगलसराय में प्रमुख स्मारक स्थापित हैं जहां पण्डितजी के विचारों पर अलग अलग कार्य हो रहे हैं ।

ट्रोमा सेंटर के चिकित्साधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जोधपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (उइ) की जोधपुर शहर इकाई ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राजकीय ट्रोमा सेंटर बिलाड़ा के चिकित्साधिकारी डा. बुधराज बिश्नोई को 3 लाख 70 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर की गई। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो को शिकायत मिली थी कि चिकित्साधिकारी डा. बिश्नोई, परिवादी के भाई को फार्मासिस्ट पद पर नियुक्त करने के लिए 3 लाख रुपए और परिवादी के दोस्त को सफाईकर्मी पद पर लगाने के लिए 50 हजार से 1 लाख रुपए तक की मांग कर रहे थे। आरोप है कि यह रिश्वत राशि सीएमएचओ जोधपुर ग्रामीण, डा. मोहनदान देथा के नाम पर बताई जा रही थी। शिकायत की पुष्टि के बाद, एसीबी ने उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरविजन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चक्रवर्ती सिंह राठौड़ के नेतृत्व में ट्रैप प्लान किया। टीम ने मौके पर दबिश देकर डा. बिश्नोई को 3.70 लाख रुपए स्वीकार करते ही पकड़ लिया।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव की निगरानी में आरोपी से पूछताछ जारी है। ब्यूरो ने प्रकरण को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज करते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है। एसीबी का कहना है कि मामले में अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

संभागीय आयुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया एसआईआर का निरीक्षण

भरतपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान–2026 के अंतर्गत संभागीय आयुक्त डॉ. टीना सोनी और जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने शुक्रवार को भरतपुर शहर में कोतवाली के पास कामसैन धर्मशाला, मलाह, नदबई विधानसभा के उपखंड उच्चैन के ग्राम भौंट के विभिन्न स्थानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल पर पहुंचकर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए।

संभागीय आयुक्त ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य एक त्रुटिरहित एवं शुद्ध मतदाता सूची तैयार करना है। इसके लिए सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में अभियान की सघन मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्वयं फील्ड में रहकर घर–घर जाकर मतदाताओं से संवाद स्थापित करें तथा बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणना प्रपत्र वितरण कार्य लक्ष्य के अनुरूप पूर्ण हो। उन्होंने कहा कि यदि बीएलओ द्वारा प्रपत्र वितरित कर दिए गए हैं, तो उन्हें तत्काल ऐप पर अपडेट किया जाए। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता गणना प्रपत्र भरने की ऑनलाइन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। पात्र मतदाता अब गणना प्रपत्र ऑनलाइन माध्यम से भी भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि घर–घर जाकर गणना कार्य के साथ–साथ बीएलओ द्वारा मतदाताओं को इस सुविधा की जानकारी भी दी जा रही है।

ऑनलाईन सुविधा से भरें गणना प्रपत्रः जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक मतदाता के घर पर बीएलओ गणना प्रपत्र की पूर्ति के लिए 3 बार जायेगा। इस दौरान बीएलओ अपने क्षेत्र के पात्र मतदाताओं को परिगणना प्रपत्र वितरित कर उन्हें भरवाने एवं संकलित करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गणना प्रपत्र में चाही गई जानकारियों स्मार्ट फोन के द्वारा मतदाता स्वय भी ींशिी.शलळ.सेीं.ळप पर जाकर सत्यापन कर सकता है। मतदाता स्वयं भी ींशिी.शलळ.सेीं.ळप पर जाकर स्वयं के नाम/ईपिक नम्बर से विगत एसआईआर 2002/2003 की वोटर लिस्ट में अपना नाम, अपने माता–पिता, दादा–दादी के नाम देख सकतें है।

उन्होंने बताया कि मतदाताओं की सहायता के लिए जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर हैल्प डेस्क बनवाई गई है जहाँ से वो एसआईआर के संबंध में सूचना प्राप्त कर सकते है। मतदाता की सुविधाओं के लिए जिला स्तर पर 1950 पर भी फोन कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

चुनाव तहसीलदार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, गुरुग्राम में सतर्कता ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई, सहायक सौरभ फरार

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए चुनाव कार्यालय, जिला गुरुग्राम के तहसीलदार रोहित सुहाग को ₹2 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई शिकायतकर्ता की लिखित शिकायत पर की गई। वहीं आरोपी का सहयोगी सौरभ, जो चुनाव कार्यालय में सहायक के पद पर कार्यरत है, फिलहाल फरार बताया जा रहा है। ब्यूरो ने इस मामले में रोहित सुहाग और सौरभ दोनों के खिलाफ अभियोग संख्या 39 दिनांक 13.11.2025, धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को दी अपनी शिकायत में बताया कि वह परिवहन व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनावों के दौरान उपायुक्त, गुरुग्राम द्वारा उसकी गाड़ियां चुनावी कार्य के लिए किराए पर ली गई थीं। तय दर के अनुसार भुगतान के लिए बिल उपायुक्त कार्यालय से पुलिस आयुक्त कार्यालय भेजे गए थे। भुगतान प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए चुनाव कार्यालय से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' की आवश्यकता थी।

जब शिकायतकर्ता इस संबंध में चुनाव तहसीलदार रोहित सुहाग और उसके सहायक सौरभ से मिला, तो उन्होंने छजउ जारी करने के एवज में ₹3.5 लाख की रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ता द्वारा कई बार निवेदन करने पर दोनों ने ₹2 लाख में सौदा तय किया। संतोषजनक साक्ष्य जुटाने के बाद राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम की टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई की और आरोपी तहसीलदार रोहित सुहाग को ₹2 लाख नकद रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। वहीं उसका सहायक सौरभ मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी है। ब्यूरो के अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में प्रारंभिक पूछताछ चल रही है। रिश्वत की रकम किस प्रयोजन से ली जा रही थी और इसमें अन्य कोई अधिकारी या कर्मचारी संलिप्त है या नहीं, इसकी जांच जारी है।

फाइलों में तेजी से दौड़ रही है हरियाणा सरकार की दयालु योजना 35,500 फाइलें रुकी, पीड़ित परिवार भटक रहे

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि दयालु योजना के तहत पूरे हरियाणा में लगभग 35,500 फाइलें महीनों से लंबित पड़ी हैं, जो सरकार की काम करने की इच्छाशक्ति और संवेदनहीनता की पोल खोलती हैं। यह योजना उन परिवारों के लिए है जिन्होंने किसी प्रिय को सडक़ दुर्घटना में खो दिया पर विडंबना है कि ऐसे दुखी परिवारों को सरकारी दफ्तरों और मुख्यालय के चक्कर काटने पर मजबूर किया गया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने दयालु योजना की धीमी गति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से सवाल पूछा है कि सरकार सिर्फ घोषणा क्यों करती है? क्रियान्वयन कहां है? जनता को भाषण और विज्ञापन नहीं, राहत और सम्मान चाहिए। दुर्घटना में मृतक के परिवार से भी सरकार दौड़–धूप क्यों करवाती है? यह प्रशासनिक असंवेदनशीलता का सबसे दु:खद उदाहरण है। जिन घरों में चूल्हा तक बुझ चुका हो, उन्हें आर्थिक मदद पाने के लिए महीनों सरकारी दफ्तरों में भटकना पड़ रहा है यह शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि 35,500 फाइलें लंबित होना कोई छोटी बात नहीं है। यह प्रमाण है कि सरकार न तो व्यवस्था चला पा रही है और न ही पीड़ित परिवारों के दर्द को समझ पा रही है।

दयालु योजना का उद्देश्य त्वरित राहत है, न कि कागज़ी दौड़। ऐसी योजनाओं का उपयोग तभी सार्थक है जब लाभार्थी तक पैसा समय पर पहुंचे। मृतकों के परिवार पर दोहरी मार एक दुर्घटना की, दूसरी सरकारी उदासीनता की कभी स्वीकार नहीं की जा सकती। सांसद कुमारी सैलजा ने सरकार से मांग की है कि दयालु योजना की सभी लंबित 35,500 फाइलों को तुरंत प्राथमिकता पर निपटाया जाए, जिलों में फाइलें रोकने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए, दुर्घटना पीड़ित परिवारों के घरों तक जाकर सहायता देने की व्यवस्था बने, न कि उन्हें दफ्तरों में धक्के खाने पड़े, हर जिले में एक विशेष त्वरित निपटान सेल बनाया जाए जो 72 घंटे के भीतर जांच पूरी करे।

हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन

हाउसिंग बोर्ड को 30 दिनों में बकाया पुनर्गणना का आदेश

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए हरियाणा हाउसिंग बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह शिकायतकर्ता के खाते में दर्ज बकाया राशि की पुनः गणना कर उसे 30 दिनों के भीतर संशोधित विवरण उपलब्ध कराए। साथ ही, शिकायतकर्ता को पाँच हजार रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान करने का भी निर्देश दिया गया है, जिसका भुगतान हाउसिंग बोर्ड द्वारा किया जाएगा और यह राशि उस अधिकारी से वसूल की जाएगी जिसने दो वर्षों तक आवश्यक निर्देश जारी नहीं किए। आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि आयोग ने पाया कि हाउसिंग बोर्ड ने 03 अगस्त 2022 की जीएसटी अधिसूचना के आधार पर अतिरिक्त कर और ब्याज तो लगा दिया, लेकिन दो वर्ष तक किसी भी आवंटी को इस संबंध में कोई नोटिस जारी नहीं किया। बिना सूचना के ब्याज वसूलना न केवल न्यायसंगत प्रक्रिया के विपरीत है, बल्कि यह प्रशासनिक लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण भी है। बोर्ड द्वारा दिए गए प्रशासनिक बाधाओं के तर्क को भी कमीशन ने अस्वीकार कर दिया, क्योंकि उसके समर्थन में कोई तथ्य अथवा रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया।

ग्रुप–डी कर्मचारियों की अनुकंपा नियुक्ति और त्यागपत्र मामलों के लिए हरियाणा सरकार के नए दिशा–निर्देश

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने कॉमन कैडर ग्रुप–डी कर्मचारियों से जुड़े मामलों–जैसे अनुकम्पा नियुक्ति, त्यागपत्र, अनुशासनात्मक कार्यवाही तथा तबादला या पोस्टिंग के सम्बन्ध में नए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों तथा क्षेत्रीय कार्यालयों को एक पत्र जारी किया गया है। पत्र के अनुसार 28 मार्च, 2018 या उसके बाद नियुक्त हुए सभी ग्रुप–डी कर्मचारियों पर पूरी तरह से हरियाणा ग्रुप–डी कर्मचारी (भर्ती और सेवा शर्तें) अधिनियम, 2018 के नियम लागू होंगे। पत्र में यह भी दोहराया गया है कि 21 दिसंबर, 2023 को जारी अधिसूचना के अनुसार मानव संसाधन विभाग के महानिदेशक को इन कर्मचारियों के लिए नियुक्ति प्राधिकारी पदनामित किया गया है। इसके अलावा, अनुकम्पा नियुक्ति, त्यागपत्र, अनुशासनात्मक कार्यवाही तथा तबादला या पोस्टिंग से संबंधित सभी मामले, जहां नियुक्ति प्राधिकारी मानव संसाधन विभाग के महानिदेशक हैं, अब आगे की कार्रवाई हेतु मानव संसाधन निदेशालय को भेजे जाएंगे। अनुकम्पा नियुक्ति के मामलों की जांच हरियाणा अनुकम्पा सहायता या नियुक्ति नियम, 2019 के तहत की जाएगी और

इन्हें संबंधित विभागाध्यक्ष की संस्तुति के साथ एचएसएएस काडर के अधिकारी द्वारा सत्यापित किया जाएगा। इसी प्रकार, 28 मार्च, 2018 के बाद नियुक्त हुए ग्रुप–डी कर्मचारियों के त्यागपत्र संबंधी मामलों को संबंधित विभाग या नियंत्रण प्राधिकारी के माध्यम से यथाशीघ्र भेजा जाएगा। अनुशासनात्मक मामलों में संपूर्ण तथ्यों, संबंधित दस्तावेजों और विभागीय संस्तुति के साथ मामले प्रस्तुत किए जाएंगे।

भाजपा नेताओं ने बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम का मनाया जश्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बिहार विधानसभा चुनाव में शानदार जीत का जश्न शुक्रवार दोपहर भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन के पास मनाया गया। विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, प्रदेश महासचिव पी. राजीव, राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया, विधायक डॉ. चंद्रू लमानी, सीमेंट मंजूनाथ, पूर्व विधायक एम.डी. लक्ष्मीनारायण, पूर्व सांसद डॉ. उमेश जाधव, प्रदेश उपाध्यक्ष एन. महेश, प्रदेश सचिव शरणु तारिकेरी, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महासचिव उमेश करजोल, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौड़ा, पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी नेताओं ने आज बिहार, कल कर्नाटक, भारत माता की जय, नरेंद्र मोदी की जय, 'भाजपा की जीत हो' जैसे नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने 'जहां देखो, भाजपा ही भाजपा' के नारे लगाए और झंडे लहराते हुए नाचने लगे। मिठाइयां बांटी गईं और जश्न मनाया गया।

कर्नाटक में 40 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में बाल संरक्षण और शिक्षा समितियों का अभाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक चिंताजनक खुलासा हुआ है कि कर्नाटक की लगभग 40 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में पूरी तरह से कार्यात्मक महिला एवं बाल संरक्षण समितियां (डब्ल्यूसीसी) या शिक्षा कार्यबल नहीं हैं। यह जानकारी हाल ही में सामने आई है। ये समितियां बाल विवाह, किशोरावस्था में गर्भधारण, स्कूल छोड़ने, बाल श्रम और बाल शोषण के मामलों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हालांकि, कई पंचायतों ने या तो इन समितियों का गठन नहीं किया है या मौजूदा समितियां काम नहीं कर रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसे मामले अनद-ेखे रह जाते हैं। कर्नाटक में लगभग 6,000 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें से प्रत्येक तीन से चार गांवों को कवर करती है। बाल-संबंधी उल्लंघनों के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए, महिला एवं बाल विकास विभाग ने 2019 में इन समितियों का गठन किया था।

महिला एवं बाल संरक्षण समिति, जिसकी अध्यक्षता आमतौर पर पंचायत अध्यक्ष करती हैं, में 13 सदस्य होते हैं जिनमें दो महिला पंचायत सदस्य, एक महिला स्कूल शिक्षिका, पुलिस अधिकारी, ग्राम लेखाकार, गैर सरकारी संगठन प्रतिनिधि, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह सदस्य, दो छात्र और एक पंचायत विकास सदस्य शामिल हैं। 2020 में, पंचायत प्रशासकों और पंचायत सीमा के भीतर प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च विद्यालयों के प्रमुखों को शामिल करते हुए एक 12-सदस्यीय शिक्षा कार्यबल का भी गठन किया गया था। उनकी मुख्य जिम्मेदारी बच्चों का स्कूल नामांकन सुनिश्चित करना है। हालांकि, कर्नाटक राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (केएससीपीसीआर) के अध्यक्ष के टी टिप्पेस्वामी ने बताया कि 40 प्रतिशत पंचायतों ने या तो इन समितियों का गठन नहीं किया है या ये समितियां निष्क्रिय हैं, और सदस्यों को अपनी ज़िम्मेदारियों का पता ही नहीं है। टिप्पेस्वामी ने कर्नाटक पंचायत राज आयुक्त को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर प्रकाश डाला है। इसके बाद, आयुक्त ने विभिन्न जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को इन समितियों का समुचित संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

बिहार में नेपाल जैसा नजारा दिखेगा' ऐसा कहने पर लालू की पार्टी के एमएलसी पर केस

पटना/एजेंसियां।
बिहार विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आने से पहले राष्ट्रीय जनता दल के विधान परिषद् सदस्य सुनील सिंह पर बिहार पुलिस ने केस किया है। उनपर लोगों को भड़काने का आरोप है। डीजीपी विनय कुमार के आदेश पर पटना में साइबर थाने में सुनील सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। डीजीपी विनय कुमार ने राजद एमएलसी के बयान पर भड़काऊ कहा है। इसके बाद साइबर थाने में उनके खिलाफ बीएनएस की धारा 174, 353, 352, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123(4) और 125 और आईटी एक्ट की धारा 66 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। दरअसल, राजद एमएलसी सुनील सिंह ने आज पटना में प्रेस वार्ता की। इसमें उन्होंने दावा कि महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उन्होंने एनडीए सरकार पर आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी हारने वाले प्रत्याशी को जिताने की कोशिश में लगे हैं। इसके लिए हर तरह की कोशिश कर रहे हैं। सुनील सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर गलत न करें, वरना ऐसी तस्वीर सामने आएगी जो बिहार में कभी नहीं देखी गई है। वो लोग 2020 में हुए मतगणना को दोहराना चाहते हैं। पिछली बार जैसे काऊंटिंग रुकवा दी थी, इस बार अगर गड़बड़ी हुई तो नेपाल जैसा नाजारा बिहार की सड़कों पर दिखेगा। सुनील सिंह का यह बयान देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद पुलिस ने फौरन संज्ञान लिया। बिहार पुलिस के अनुसार, राजद एमएलसी सुनील सिंह के बयान से लोगों में घृणा/वैमनस्य की भावना उत्पन्न होने की संभावना है।

यादगीर में रात के तापमान में आई गिरावट

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले में रात के तापमान में गिरावट के कारण लोग सूर्योदय के बाद भी गर्मी में घरों के अंदर रहने को मजबूर हैं। अगस्त से नवंबर के मध्य तक लोगों को बेहद प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ा। अगस्त और सितंबर में मूसलाधार बारिश और बाढ़ देखी गई। अक्टूबर के ज्यादातर दिन धूप खिली रही। नवंबर के पहले हफ्ते में हल्की बारिश दर्ज की गई और अब जिले में रात में ठंड का मौसम है। 9 से 13 नवंबर के बीच के आंकड़ों के अनुसार, दिन का तापमान औसतन 29 से 32 डिग्री

सेल्सियस और रात का तापमान औसतन 17 से 18 डिग्री सेल्सियस रहा। रात और सुबह के समय तापमान में गिरावट ने दूध और सब्जी विक्रेताओं और अखबार बेचने वालों के काम पर बुरा असर डाला है। बसवलिंगप्पा नामक व्यक्ति ने कहा यादगीर में आमतौर पर हम गर्मी या ज्यादा तापमान देखते हैं, और गर्मियों में हम इसके साथ तालमेल बिठा लेते हैं। लेकिन सर्दियों के मौसम की शुरुआत में ठंड हमें घर के अंदर रहने और सूर्योदय के काफी बाद बाहर निकलने पर मजबूर करती है। सर्दियों के मौसम में ठंड का असर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। लोगों को सर्दी, खांसी, बुखार और बदन दर्द की समस्या हो सकती है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी महेश बिरादर ने बताया अस्थमा या हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों, और मधुमेह व उच्च रक्तचाप के रोगियों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए और प्रतिकूल मौसम में बाहर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लोगों को जितना हो सके गर्म पानी और गर्म भोजन का सेवन करना चाहिए, और ठंडे खाने-पीने से बचना चाहिए। वह लोगों को सुबह और देर शाम की सैर से बचने और ठंड के मौसम में किसी भी तरह की अस्वस्थता होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाने की सलाह देते हैं। दूसरी ओर, ठंड का मौसम किसानों के लिए अच्छी किस्मत लाने में मदद करेगा, क्योंकि ज्वार और चने की फसलें अच्छी तरह उगने की उम्मीद है। किसान वेंकटेश ने कहा सर्दियों के मौसम में, खासकर अनाज बनने से पहले, देर शाम और सुबह के समय कोहरे से ज्वार और चने की फसल की बेहतर पैदावार होगी। कृषि विभाग के सूत्रों के अनुसार, फरवरी के अंत में होने वाली बंगाल चना और ज्वार की कटाई उनकी बुवाई पर निर्भर करती है।

श्रेयसी सिंह को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज

जमुई/एजेंसियां।
जमुई से भाजपा नेता श्रेयसी सिंह को सोशल मीडिया पर विदेशी व अभद्र संगीत के साथ आपत्तिजनक रीलों के जरिए जान से मारने की धमकी देने का मामला गुरुवार देर शाम उजागर हुआ। इस संबंध में विधायक के निजी सचिव मिल्टन कुमार ने साइबर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आर-ोप लगाया गया है कि 'कृष्णा यादव' नामक व्यक्ति ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कई अश्लील, अपमानजनक और धमकी भरे वीडियो पोस्ट किए हैं। इन रीलों में श्रेयसी सिंह की तस्वीरों का

गलत तरीके से उपयोग किया गया है और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाली आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया है। शिकायतकर्ता ने इन रीलों को सोची-समझी साजिश बताते हुए कहा कि वीडियो में जान से मारने तक की धमकी दी गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई करते हुए ऋख्ठ दर्ज कर ली है। साइबर डीएसपी राजन कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी के फेसबुक अकाउंट 'कृष्णा अहीर यादव' की गतिविधियों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि फेसबुक कंपनी को आरोपी की विस्तृत प्रोफाइल व तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए औपचारिक अनुरोध भेजा गया है। डीएसपी ने कहा कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की जाएगी और दोषी पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर किसी भी जनप्रतिनिधि की छवि धूमिल करने, जातिगत टिप्पणी करने या हथियारों से जुड़े आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट करने वालों पर कठोर कार्रवाई होगी। पुलिस ने आम लोगों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि इस मामले में जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

बेखौफ अपराधियों का आतंक, घर में घुसकर युवक की गोली मारकर हत्या

मधुबनी/एजेंसियां।
जिले में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए, जब खजौली थाना क्षेत्र के महुआ एकडारा गांव में देर रात घर में घुसकर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजनों के अनुसार, देर रात तीन अपराधी घर में लूटपाट के इरादे से घुसे थे। उसी दौरान घर में सोए दंपति की नींद खुल गई।

गृहस्वामी मदन यादव ने हिम्मत दिखाते हुए एक अपराधी को पकड़ लिया। इसी बीच अपराधियों ने कई राउंड फायरिंग कर दी, जिसमें गोली लगने से मदन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद अपराधी भागने लगे, लेकिन घरवालों और ग्रामीणों ने एक बदमाश को दबोच लिया। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत खजौली थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू की। थानाध्यक्ष ने बताया कि तीन अपराधियों ने घर में घुसकर फायरिंग की, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान सुक्की गांव निवासी दिव्यांशु पासवान उर्फ छोटू के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक पिस्तौल और बाइक बरामद की है, जबकि बाकी दो अपराधी फरार हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल, मधुबनी पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, मधुबनी एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच में घटना के पीछे पैसे के लेनदेन का विवाद सामने आया है। देर रात तीन अपराधी मोहन यादव के घर में घुसे थे और फायरिंग की, जिससे मोहन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। फरार अपराधियों की पहचान अमरजीत यादव और सूरज यादव (छपरादीगंज निवासी) के रूप में की गई है। पुलिस दोनों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। एसपी ने स्पष्ट किया कि इस घटना का चुनाव से कोई संबंध नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी और खजौली थाना अध्यक्ष मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोनों फरार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीतामढ़ी में युवक का शव मिलने से फैली सनसनी

सीतामढ़ी/एजेंसियां।
जिले के बेलसंड थाना क्षेत्र के डुमरिया घाट के पास गुरुवार की सुबह सड़क किनारे झाड़ियों के नीचे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव को देखकर ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बेलसंड एसडीपीओ और थानाध्यक्ष सुशील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू की। मृतक की पहचान बेलसंड थाना क्षेत्र के सरैया गांव निवासी राम नरेश कुमार के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक बीती रात साइकिल से अपने घर लौट रहा था, इसी दौरान यह

घटना घटी। सुबह जब ग्रामीण खेत की ओर निकले तो उन्होंने सड़क से कुछ दूरी पर झाड़ियों में शव देखा। शव पर चोट के निशान भी पाए गए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर शव को फेंका गया ताकि मामला दुर्घटना जैसा लगे। थानाध्यक्ष सुशील कुमार ने बताया कि फिलहाल मामला संदिग्ध है और सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला प्रतीत होता है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल, सीतामढ़ी भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पूरे गांव में मातम का माहौल है। पुलिस टीम ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है और घटना के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। अधिकारियों ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी।

कंटेनर की टक्कर से मां-बेटे की मौत

बेगूसराय/एजेंसियां।
जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। घटना बीहट चांदनी चौक के पास एनएच-31 पर हुई, जहां एक तेज रफ्तार पार्सल कंटेनर गाड़ी ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान बरौनी-दो वार्ड नंबर 10 निवासी अरुण यादव की पत्नी और पुत्र के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि दोनों किसी काम से घर से निकले थे और रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शवों को बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर और बाइक को जब्त कर लिया है तथा पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच 31 पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन और परिवहन विभाग इस पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। सड़क सुरक्षा समिति द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान सिर्फ कागजों तक सीमित है, जबकि सड़क पर सुरक्षा के नियम-कानून फाइलों में दफन हैं।लगातार हो रहे हादसों से लोगों में गुस्सा और डर दोनों है। बेगूसराय जिले में सड़क दुर्घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे जनहानि की घटनाएं आम हो चुकी हैं।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत

छपरा/एजेंसियां।
बिहार के छपरा में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। घटना सारण जिले के सहाजितपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मानोपाली गांव के पास की बताई जा रही है। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर छपरा-सलेमपुर मुख्य मार्ग (एनएच-331) को घंटों जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद लोगों को शांत कर यातायात बहाल कराया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, गुरुवार की शाम एनएच-331 पर हुए हादसे में 60 वर्षीय रामसागर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान सहाजितपुर थाना क्षेत्र के पिपरा गांव निवासी रामसागर सिंह के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वे सहाजितपुर बाजार से दवा लेकर अपने घर लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक उन्हें कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि इस सड़क पर वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं है, जिसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। उन्होंने मृतक के परिजन को मुआवजा देने और ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर सहाजितपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस ने भगवानपुर हाट (सिवान) की ओर भाग रहे ट्रक चालक और वाहन को दूसरे थाने की मदद से जब्त करवा लिया। पुलिस प्रशासन द्वारा मुआवजे और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com